{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 27 सितम्बर 2026
अश्विन कृष्ण 01 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 17, अंक 07
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स -
निफ्टी -
सोना -
चांदी -
डॉलर -

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

जहरीली शराब से 2 दिन में 19 मौतें

कोहिमा। नगालैंड में जहरीली शराब पीने से 19 लोगों की मौत हो गई। पिछले दो दिनों में मोकोकचुंग जिले में 8 और तुएनसांग जिले में 11 मौतें हुई हैं। मौतों के बाद पुलिस ने कई जगह छापेमारी की। इस कार्रवाई में 19 लोगों को गिरफ्तार किया गया और करीब 3,000 शराब की बोतलें जब्त की गईं। पुलिस ने जांच के लिए स्पेशल इन्वेस्टिगेशन टीम बनाई है। शराब के सैंपल फोरेंसिक जांच के लिए गुवाहाटी भेजे गए हैं। राज्य में 1990 से शराबबंदी कानून लागू है।

मुंबई में गणेश विसर्जन के दौरान विवाद, 7 पर केस

मुंबई। मुंबई के मालवणी इलाके में गणेश विसर्जन के दौरान हुए विवाद और मारपीट के मामले में पुलिस ने 7 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। इन पर जुलूस में बाधा डालने और गाली-गलौज करने का भी आरोप है। मालवणी पुलिस शिकायतकर्ता के आधार पर आदिल (24), सुनील शेख (25), गौस (22), अजगर (23), जाकिर (26), जुबेर (25) और हुसैन (24) के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें तलाश रही है। यह घटना 25 सितंबर की शाम करीब 7ः15 बजे मालवणी के निरंकार नगर में गणपति मंडप के पास हुई। पुलिस के अनुसार, मंडप के प्रवेश द्वार पर लगाए गए कोल्ड पायरो उपकरण से निकलने वाले कृत्रिम आग जैसे प्रभाव को लेकर कुछ लोगों ने आपत्ति जाहिर की। उनका तर्क था कि इससे सामने स्थित दुकान में आग लग सकती है। इस बात को लेकर आदिल, सुनील शेख, गौस, अजगर और जाकिर ने गणपति मंडल के कार्यकर्ताओं से विवाद करना शुरू किया।

केदारनाथ यात्रा दो दिन के लिए रोकी गई

रुद्रप्रयाग। मौसम विभाग के रेड अलर्ट को देखते हुए जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने केदारनाथ धाम यात्रा को शनिवार दोपहर से 27 सितंबर तक स्थगित करने के आदेश जारी किए हैं। यात्रियों की सुरक्षा के दृष्टिगत यह निर्णय लिया गया है। खराब मौसम के चलते शनिवार को केदारनाथ धाम के लिए हेली सेवा भी संचालित नहीं हुई। जिला आपदा प्रबंधन अधिकारी नंदन सिंह रजवार ने बताया कि उत्तराखंड राज्य आपातकालीन परिचालन केंद्र देहरादून की ओर से जारी मौसम पूर्वानुमान में रेड अलर्ट जारी किया गया है। इसके चलते देश-विदेश से चारधाम यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा के मद्देनजर यात्रा स्थगित की गई है। उन्होंने बताया कि यात्रा मार्ग के सभी सेक्टर अधिकारी, चेकपोस्ट और सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने-अपने क्षेत्रों में आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे। मौसम सामान्य होने के बाद केदारनाथ यात्रा दोबारा शुरू करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

एसआईआर में 30 राज्य-यूटी में 13.37 करोड़ नाम कटने के विवाद के बाद चुनाव आयोग का फैसला

एसआईआर में नाम कटा, तो घर जाकर दस्तावेज लेंगे अफसर

नई दिल्ली। एसआईआर पर विवाद के बीच शनिवार को दिल्ली के निर्वाचन भवन में चुनाव आयोग की बैठक हुई। इसमें फैसला लिया गया कि एसआईआर में नाम कट गया है तो वह व्यक्ति वोटर लिस्ट में नाम जुड़वाने के लिए अप्लाई कर सकता है। अप्लाई करने के बाद अफसर घर-घर जाकर दस्तावेज लेंगे। दस्तावेज चुनाव आयोग की वेबसाइट पर डाले जाएंगे और इस पर रीजनल अफसर फैसला करेगा। बैठक में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और दोनों चुनाव आयुक्त डॉ. सुखबीर सिंह संधू और डॉ. विवेक जोशी मौजूद रहे।

चुनाव आयोग की एसआईआर प्रक्रिया के तीनों चरणों में अब तक 30 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से 13.37 करोड़ नाम कम हुए हैं। यह एसआईआर से पहले के कुल मतदाताओं का 14.1 एसआईआर है। सबसे ज्यादा नाम दिल्ली में 32.8 एसआईआर वोटर कम हुए हैं। इसके बाद दादरा और नगर हवेली एवं दमन और दीव में 29.6 एसआईआर, तेलंगाना में 21.7 एसआईआर, महाराष्ट्र में 21.1 एसआईआर और अंडमान-निकोबार में 20.6 एसआईआर नाम कम हुए हैं।

दिल्ली-महाराष्ट्र में 30 अक्टूबर तक क्लेम कर सकेंगे

बैठक में फैसला लिया गया कि दिल्ली, महाराष्ट्र में क्लेम और ऑब्जेक्शन दाखिल करने की तारीख 30 अक्टूबर 2026 तक बढ़ा दी गई है। दिल्ली में विवाद का निपटारा 30 नवंबर और महाराष्ट्र में निपटारा 10 नवंबर तक करना होगा। गोवा में जिन वोटर्स का नाम छूट गया है, वहां ब्लॉक अफसर घर-घर जाकर फॉर्म-6 कलेक्ट करेंगे। एसआईआर में अगर आपका नाम लिस्ट में नहीं है या छूट गया है तो फॉर्म-6 के जरिए नाम शामिल कराने का दावा किया जाता है। आयोग ने कहा कि फॉर्म-6 पर कोई विवाद है ही नहीं। फॉर्म-6 को सुप्रीम कोर्ट ने बरकरार रखा है।

मतदाता पंजीकरण में आयोग का बड़ा बदलाव, दीपके ने उठाया देरी पर सवाल

भारत निर्वाचन आयोग ने मतदाता पंजीकरण प्रक्रिया को और अधिक समावेशी बनाने के लिए महत्वपूर्ण पहल की है। इस नए अभियान के तहत, कोई भी व्यक्ति जिसका नाम मतदाता सूची में नहीं है, या जो वर्ष की पहली जनवरी, अप्रैल, जुलाई या अक्टूबर को 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुका है, वह मतदाता सूची के नियमित संशोधन का इंतजार किए बिना अपना पंजीकरण करा सकता है। यह कदम उन लाखों युवाओं और छूट गए मतदाताओं के लिए एक बड़ा मौका माना जा रहा है जो पहले लंबी प्रक्रिया के कारण इंतजार करते थे। हालांकि, चुनाव आयोग के फैसले पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सवाल उठाया है। दीपके ने पोस्ट साझा कर चुनाव आयोग से पूछा,......अब तक क्यों नहीं किया था? उन्होंने आयोग पर दबाव में आकर निर्णय लेने का आरोप लगाया है। दीपके ने इसके पहले भी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की थी और इस्तीफा न होने पर मुंबई में प्रदर्शन की धमकी भी दी थी।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने स्पीकर ओम बिरला को लिखी चिट्ठी

संसद में एससी-एसटी सांसदों को बोलने का और वक्त दिया जाए

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री और एनडीए के सहयोगी जीतन राम मांझी ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पत्र लिखा है। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी के सांसद के उस अनुरोध का समर्थन किया है जिसमें महत्वपूर्ण विधेयकों पर संसदीय चर्चा के दौरान एससी और एसटी समुदायों के सांसदों को पर्याप्त बोलने का समय देने की मांग की गई है।

अपने पत्र में मांझी ने कहा कि मध्य प्रदेश के खरगोन का प्रतिनिधित्व करने वाले बीजेपी सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने 5 अगस्त को मांझी के दिल्ली स्थित आवास पर आयोजित एनडीए सांसदों के समूह संवाद बैठक के दौरान यह मुद्दा उठाया था।

अपने समुदायों से संबंधित मुद्दों को उठाने का पर्याप्त अवसर दिया जाए

मांझी ने कहा कि पटेल ने विशेष रूप से अनुरोध किया था कि

अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सांसदों को सदन में अपने समुदायों से संबंधित मुद्दों को उठाने का पर्याप्त अवसर दिया जाए। केंद्रीय मंत्री ने अध्यक्ष से पटेल के अनुरोध पर आगे की कार्रवाई करने और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश जारी करने को कहा है।

हमें और समय मिलना चाहिए

पटेल ने पुष्टि की कि उन्होंने यह मुद्दा उठाया था और कहा कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सांसदों को आवंटित समय को और बढ़ाया जाना चाहिए, क्योंकि प्रत्येक राजनीतिक दल को आवंटित बोलने का समय उसके सांसदों के बीच विभाजित किया जाता है। उन्होंने कहा कि ऐसा नहीं है कि हमें समय नहीं मिलता, लेकिन हमें और समय मिलना चाहिए। अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों से संबंधित और अधिक मुद्दे उठाए जाने चाहिए। पटेल ने कहा कि इस अनुरोध का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना था कि अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति समुदायों से संबंधित मुद्दों को संसदीय चर्चाओं के दौरान पर्याप्त स्थान मिले, साथ ही उन्होंने यह भी स्वीकार किया कि इन समुदायों के सांसदों को बोलने के अवसर मिलते हैं। बता दें कि पिछले महीने की शुरुआत में अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आरक्षण के उप-वर्गीकरण के विवादास्पद मुद्दे पर एनडीए के भीतर मतभेद सामने आए। इसमें मांझी और बिहार स्थित केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने आरक्षण प्रणाली की समीक्षा के प्रश्न पर अलग-अलग रुख अपनाए। यह बहस तब और तेज हो गई जब बिहार के मंत्री संतोष कुमार सुमन ने अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति आरक्षण के उप-वर्गीकरण की अपनी पार्टी की मांग को दोहराते हुए तर्क दिया कि सबसे वंचित समुदायों को लाभ का अधिक हिस्सा मिलना चाहिए।

अटिका गोल्ड पर ईडी का शिकंजा

चोरी का सोना खरीदने के आरोप में 16 ठिकानों पर तलाशी

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बेंगलुरु स्थित आभूषण कंपनी अटिका गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ धन शोधन जांच के तहत बड़ी कार्रवाई की है। ईडी ने कई राज्यों में कंपनी के 16 ठिकानों पर तलाशी अभियान चलाया, इसमें 7.52 लाख रुपये नकद, कुछ विदेशी मुद्रा और सोने-चांदी की वस्तुएं जब्त हुई।

ईडी ने बताया कि यह तलाशी कार्रवाई 24 सितंबर को पूरी हुई, जो बेंगलुरु (कर्नाटक), चेन्नई (तमिलनाडु), हैदराबाद (तेलंगाना) और विशाखापत्तनम (आंध्र प्रदेश) में की गई थी। एजेंसी का आरोप है कि अटिका गोल्ड प्राइवेट लिमिटेड चोरी के सोने के जेवरात खरीदने के काम में लगातार शामिल रही है। ईडी का यह मामला पुलिस द्वारा दर्ज की गई कई प्राथमिकियों पर आधारित है। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कंपनी, उसके शेयरधारकों और निदेशकों ने अपराध से अर्जित धन को अपने करीबियों, परिवार के सदस्यों और सहयोगियों के माध्यम से जमा किया। ईडी द्वारा जुटाई गई विभिन्न सत्यापन योग्य जानकारियों से इन आरोपों को और बल मिला है। छापेमारी के दौरान, कंपनी के अधिकारी कथित तौर पर फरार हो गए और उन्होंने अपने कर्मचारियों को भी अनुपस्थित रहने का निर्देश दिया। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई है।

बृजभूषण शरण को बरी करने की चुनौती वाली याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह को यौन उत्पीड़न मामले में बरी किए जाने के फैसले को दी गई चुनौती वाली याचिका पर सुनवाई टल गई। महिला पहलवानों की याचिका पर अब राउज एवेन्यू कोर्ट में 28 सितंबर यानी सोमवार को सुनवाई होगी। जज दिग्विनय सिंह के ट्रेनिंग में चले जाने की वजह से शनिवार को सुनवाई टली है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बृजभूषण शरण को यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने बीते 3 अगस्त को बरी कर दिया था। यौन उत्पीड़न का आरोप लगाने वाली महिला पहलवानों ने राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले को सेशन कोर्ट में चुनौती दी थी। चार महिला पहलवानों ने सेशन कोर्ट में अपील की है। मामले में सह-आरोपी विनोद तोमर के बरी होने के आदेश को भी चुनौती दी गई है। याचिका में कहा गया है कि मजिस्ट्रेट कोर्ट का आदेश कानून की नजर में टिकाऊ नहीं है और सबूतों का गलत व चुनिंदा तरीके से आकलन किया गया है। अपील में आरोप लगाया गया है कि आदेश अनुमान और अटकलों पर आधारित है और स्थापित कानूनी सिद्धांतों को सही तरीके से लागू नहीं किया गया।

महिला पहलवानों का कहना है कि आदेश में पीड़िता के व्यवहार को लेकर पुरानी रुढ़िवादी सोच को आधार बनाया गया है। बृजभूषण ने मामले में अदालत द्वारा बरी किए जाने के बाद कहा था कि उनके ऊपर लगाए गए आरोप गलत थे। आरोप लगाने वाले ओलंपिक मेडलिस्ट थे। इसमें बहुत बड़े लोग शामिल थे। इसमें विपक्ष की बड़ी पार्टियां शामिल थीं। देश और देश के बाहर भी प्रदर्शन हुआ था।

डिंडौरी में मूसलाधार बारिश ने जनजीवन रोका, स्कूल-आंगनबाड़ी बंद, कई मार्ग बाधित

डिंडौरी (ईएमएस)। मध्यप्रदेश के डिंडौरी जिले में बीते दो दिनों से जारी मूसलाधार बारिश ने सामान्य जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। जिले की प्रमुख नदियां और नाले उफान पर हैं, जिससे जबलपुर-अमरकंटक और डिंडौरी-शहडोल जैसे प्रमुख मार्ग बाधित हुए हैं। जोगी टिकरिया पुल सहित कई पुलों के ऊपर से पानी बहने के कारण आवागमन रोक दिया गया है, जबकि जिला मुख्यालय का पुल भी जलमग्न होने की कगार पर है। बारिश का सबसे ज्यादा असर बजाग और करंजिया जैसे ग्रामीण क्षेत्रों में देखने को मिल रहा है, जहां 100 से अधिक गांवों का संपर्क जनपद और जिला मुख्यालय से कट गया है। कई स्थानों पर पानी घरों में भी घुसने की स्थिति बन गई है। विद्यार्थियों और बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखकर कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया के निर्देश पर 26 सितंबर को नर्सरी से 12वीं तक के सभी शासकीय और अशासकीय विद्यालयों के साथ-साथ जिले के सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है। हालांकि, शिक्षक और आंगनबाड़ी कार्यकर्ता अपने कार्यस्थलों पर उपस्थित रहने वाले है। अत्यधिक बारिश के चलते करंजिया में होने वाला जन विश्वास अभियान कैंप भी स्थगित कर दिया गया है। प्रशासन ने लोगों से नदी-नालों, पुल-पुलियों और जलभराव वाले क्षेत्रों से दूर रहने की अपील की है। संवेदनशील घाटों पर पुलिस बल तैनात किया गया है और नर्मदा नदी के किनारे बसे लोगों को सुरक्षा की दृष्टि से प्रभावित क्षेत्रों को खाली करने के निर्देश दिए गए हैं।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- चार्जशीट में सीसीटीवी से लेकर बैंक खातों तक का ब्योरा; 700 खाते खंगाले

85 बार रकम ले जाते दिखा अविनाश, चैट में कैश के बंडलों का जिक्र

अयोध्या। राम मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से चढ़ाई गई रकम की कथित चोरी की जांच में पुलिस की चार्जशीट ने मामले की परतें और खोल दी हैं। जांच के मुताबिक, गणना कक्ष में चढ़ावे की रकम से छेड़छाड़ का सिलसिला एक-दो बार नहीं, बल्कि कई मौकों पर हुआ। सीसीटीवी फुटेज के विश्लेषण में अविनाश शुक्ला उर्फ शनि 85 बार रकम चोरी करते दिखाई दिया। इतना ही नहीं, चार बार वह दूसरे आरोपियों को चोरी में सहयोग करते भी नजर आया। चार्जशीट में पुलिस ने केवल कैमरों के फुटेज को आधार नहीं बनाया है। मोबाइल डाटा, टेक्स्ट चैट, कॉल डिटेल रिकॉर्ड यानी सीडीआर और बैंक खातों के लेनदेन को भी जांच का हिस्सा बनाया गया है। पुलिस के अनुसार, करीब 700 बैंक खातों को खंगाला गया। इनमें ट्रस्टियों, कर्मचारियों, गणना कर्मियों, आरोपियों और संदिग्धों के खातों के साथ ट्रस्ट के बैंक खाते भी शामिल रहे। इसी जांच में पुलिस ने दर्ज किया कि चंपत राय के नाम कोई निजी बैंक खाता नहीं मिला।

फुटेज में दर्ज गतिविधियां

चार्जशीट का सबसे बड़ा हिस्सा सीसीटीवी फुटेज से जुड़ा है। पुलिस ने अलग-अलग तारीखों और घटनाओं के फुटेज का विश्लेषण कर आरोपियों की गतिविधियों का ब्योरा तैयार किया है। पुलिस के मुताबिक, अविनाश शुक्ला उर्फ शनि 85 बार चढ़ावे की रकम हटाते या चोरी करते दिखाई दिया। चार बार वह दूसरे आरोपियों को चोरी में सहयोग करता भी नजर आया। करुणेश पांडेय के बारे में चार्जशीट में कहा गया है कि वह दो बार रकम चोरी करते और 68 बार सह-अभियुक्तों की मदद करते दिखाई दिया। मनीष कुमार यादव पर 16 बार चढ़ावे की रकम अपने पास रखने और 19 बार दूसरे आरोपियों का सहयोग करने का आरोप है। लवकुश मिश्रा एक बार रकम चोरी करते और 52 बार अन्य आरोपियों की मदद करते दिखाई दिए। रमाशंकर मिश्र के बारे में एक बार रकम हटाकर अपने पास रखने का उल्लेख है। सबसे अधिक सहयोग करने वालों में अनुकल्प मिश्र का नाम भी सामने आता है। पुलिस के अनुसार, वह 56 बार अन्य आरोपियों को चढ़ावे की रकम हटाने में सहयोग करते सीसीटीवी में दिखाई दिया।

जुलाई के आखिरी सप्ताह का फुटेज भी अहम

चार्जशीट में 25 से 30 जुलाई 2026 के सीसीटीवी फुटेज का भी उल्लेख है। पुलिस के अनुसार, इस दौरान सुभाष श्रीवास्तव की मौजूदगी में गणना कक्ष में चढ़ावे की रकम की गिनती चल रही थी। इसी दौरान अविनाश शुक्ला उर्फ शनि रकम हटाकर अपने पास रखते दिखाई दिया।

कुछ ना कहना

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ मोर्चाबंदी की तैयारी

30 सितंबर को इंडिया गुट की बैठक संभव, साथ आएंगे दो धुर विरोधी दल

नई दिल्ली। विपक्षी दलों के इंडिया गुट में शामिल कई पार्टियां 30 सितंबर को नई दिल्ली में बैठक कर सकती हैं। सूत्रों के मुताबिक बैठक में चुनाव आयोग और मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर उठ रहे सवालों के साथ अन्य मुद्दों पर भी चर्चा होने की संभावना है।

यह प्रस्तावित बैठक एसआईआर प्रक्रिया के कुछ पहलुओं को लेकर चुनाव आयोग के भीतर मतभेद की खबरों के बाद विपक्षी दलों के बीच बढ़े समन्वय के बीच होने जा रही है। सूत्रों के अनुसार, दल इस मुद्दे पर एक-दूसरे के संपर्क में हैं और संयुक्त प्रतिक्रिया तैयार करने पर चर्चा कर रहे हैं।

ममता बनर्जी से माकपा की नेता ने की बात माकपा, भाकपा और भाकपा माले लिबरेशन ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने और एसआईआर पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। कांग्रेस ने भी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ अपना हमला तेज किया है। कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक 29 सितंबर को होने वाली है। इसमें इस मुद्दे पर पार्टी की रणनीति पर चर्चा की जाएगी। इन घटनाक्रमों के बीच पश्चिम बंगाल की राजनीति में एक-दूसरे की विरोधी तृणमूल कांग्रेस और माकपा चुनाव आयोग से जुड़े मुद्दे पर एक ही पक्ष में नजर आ रहे हैं। माकपा महासचिव एमए बेबी ने इंडिया गुट और अन्य विपक्षी नेताओं को पत्र लिखकर मौजूदा घटनाक्रम पर बैठक बुलाने का अनुरोध किया था। इसके बाद उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से भी बात की। ममता बनर्जी ने माना कि स्थिति पर समन्वित कार्रवाई की जरूरत है।

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ क्या तैयारी कर रहा विपक्ष?

विपक्षी दल मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने के लिए नए प्रस्ताव पर भी काम कर रहे हैं। कानूनी विशेषज्ञों से जांच के बाद इसे संसद के दोनों सदनों में पेश किए जाने की संभावना है। विपक्ष की ओर से ऐसा यह तीसरा प्रयास होगा। विपक्षी दलों की ताजा लामबंदी इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के बाद तेज हुई है। रिपोर्ट में दावा किया गया था कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने एसआईआर से जुड़े फैसलों और आदेशों पर कई मौकों पर आपत्तियां उठाई थीं।

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जब्त एक्सयूवी के दुरुपयोग और सड़क हादसे की जांच के दिए आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने उत्तर प्रदेश के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) को एक गंभीर मामले में गोपनीय और स्वतंत्र जांच करने का सख्त आदेश दिया है। यह मामला शराब तस्करी के आरोप में रामघाट थाने (बुलंदशहर) द्वारा जब्त की गई महिंद्रा एक्सयूवी से जुड़ा है, जिस थाने से निकालकर दबिश के लिए ले जाया गया था और बाद में एक सड़क दुर्घटना में एक महिला की मौत हो गई थी। न्यायमूर्ति अनिल कुमार ने डीजीपी को निर्देश दिया है कि वह आठ सप्ताह के भीतर मामले की जांच पूरी कर अदालत में अनुपालन रिपोर्ट पेश करें।

अदालत ने वाहन स्वामी की जब्ती को चुनौती देने वाली याचिका खारिज करते हुए कहा कि जब्ती आदेश में कोई कानूनी खामी नहीं थी, लेकिन पुलिस अधिकारियों द्वारा जब्त वाहन के अनधिकृत उपयोग और लापरवाही से गंभीर प्रशासनिक चूक उजागर हुई है। रिकॉर्ड के अनुसार, 16 अप्रैल 2021 को जब्त इस वाहन को चार जून 2021 को कथित तौर पर हेड मोहर्रिर और दो कांस्टेबलों की मिलीभगत से थाने से बाहर निकाला गया था। इसके बाद, सात जून 2021 को मथुरा में वाहन की दुर्घटना से एक महिला की मौत हो गई। न्यायालय ने इसपर कड़ी आपत्ति जाहिर की कि पुलिस विभाग ने दोषियों के खिलाफ केवल सेवा अभिलेख में निंदा प्रविष्टि दर्ज कर विभागीय कार्रवाई बंद की, जो कि अपराध की गंभीरता को देखकर बेहद अपर्याप्त है। इलाहाबाद हाईकोर्ट की पीठ ने डीजीपी को जांच करने का निर्देश दिया है कि क्या इन पुलिसकर्मियों के खिलाफ चोरी, आपराधिक गबन या विश्वासघात जैसे आपराधिक आरोप बनते हैं? इसके साथ ही, तत्कालीन थाना प्रभारी और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक की संलिप्तता या पर्यवेक्षण में हुई चूक की भी जांच के दायरे में शामिल किया गया है।

शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में बैगलेस डे पर पुस्तकालय गतिविधि से विकसित हुआ पठन और अभिव्यक्ति कौशल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। शासकीय माध्यमिक शाला नरोड़ी में संस्था प्रमुख श्रीमती सविता रिनायत के नेतृत्व में शनिवार २६ सितंबर २०२६ को माह सितंबर के बैगलेस डे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से पुस्तकालय गतिविधि आयोजित की गई। बैगलेस डे के अंतर्गत विद्यार्थियों को

ई.पुस्तकालय, समाचार पत्र एवं विभिन्न पत्र पत्रिकाओं के माध्यम से पठन सामग्री उपलब्ध कराई गई। विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक समाचार पत्रों एवं पत्र पत्रिकाओं का पठन किया तथा विभिन्न विषयों से संबंधित जानकारियां प्राप्त कीं। गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने विचार व्यक्त करने और पढ़ी गई सामग्री को समझकर प्रस्तुत करने के अवसर भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर शाला के शिक्षक धन्नालाल बिसेन ने विद्यार्थियों को समाचार पत्र एवं पत्र.पत्रिकाओं के नियमित पठन से होने वाले लाभों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि पुस्तकें और समाचार पत्र केवल ज्ञान के साधन नही, बल्कि विचारों को व्यापक बनाने और अभिव्यक्ति कौशल को निखारने के सशक्त माध्यम हैं। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से पुस्तकालय की पुस्तकों के साथ साथ समाचार पत्र एवं पत्र.पत्रिकाएं पढ़ने के लिए प्रेरित किया। पुस्तकालय गतिविधि के माध्यम से विद्यार्थियों में पठन कौशल, शब्द.भंडार, सामान्य ज्ञान, तार्किक चिंतन एवं अभिव्यक्ति कौशल विकसित करने का प्रयास किया गया। बैगलेस डे की यह गतिविधि विद्यार्थियों के लिए सीखने के साथ साथ पढ़ने की रुचि विकसित करने का प्रभावी माध्यम बनी।

अवंती चौक मे सीआरपीएफ 7वीं बटालियन ने चलाया स्वच्छता अभियान

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। तहसील मुख्यालय ग्राम पंचायत किरनापुर के वीरांगना रानी अवंती बाई चौक मे स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से सीआरपीएफ 7वीं बटालियन द्वारा स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जवानों एवं स्थानीय लोगों ने मिलकर 26 सितम्बर को अवंती चौक स्थल की साफ-सफाई की तथा

झाड़ू लगाकर कचरा एकत्रित किया। इस दौरान लोगों को स्वच्छता बनाए रखने और कचरा निर्धारित स्थान पर डालने के लिए जागरूक किया गया। अभियान में सीआरपीएफ 7वीं वाहिनी बटालियन के कमांडेंट श्री हजारी लाल ने स्वच्छता के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि 17 सितम्बर से लेकर 2 अक्टूबर तक स्वच्छता अभियान कार्यक्रम चलाया जा रहा है। और स्वच्छ वातावरण ,स्वस्थ समाज की पहचान है। उन्होंने लोगों से स्वच्छता अभियान को केवल एक दिन तक सीमित न रखकर इसे अपनी दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की अपील की। तथा आसपास गंदगी एवं कचरा जमा रहने पर मच्छर, मक्खी और उनसे फैलने वाले रोगों की जानकारियां साझा की अभियान के दौरान सीआरपीएफ 7 वी वाहिनी बटालियन के जवानों के साथ स्थानीय नागरिक एवं बच्चे भी स्वच्छता कार्य में सहभागी बनकर अपना योगदान दिया।

चुनाव आयोग विवाद टीएमसी-सीपीएम साथ

ममता ने विपक्षी एकजुटता पर साधा संपर्क

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की राजनीति में लंबे समय से एक-दूसरे की धुर विरोधी रहीं तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और सीपीआई(एम) के बीच चुनाव आयोग से जुड़े एसआईआर विवाद को लेकर बातचीत शुरू हो गई है। सूत्रों के मुताबिक, टीएमसी प्रमुख और पूर्व सीएम ममता बनर्जी और सीपीआई(एम) महासचिव एम.ए. बेबी ने फोन पर बात की, जिसमें चुनावी प्रक्रिया, चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और विपक्षी दलों की आगे की रणनीति पर चर्चा हुई। यह घटनाक्रम तब हुआ है जब चुनाव आयोग के भीतर दो चुनाव आयुक्तों की आपत्तियों की रिपोर्ट सामने आई है।

रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने बीते 10 महीनों में कम से कम 14 बार कुछ फैसलों और आदेशों पर औपचारिक आपत्ति दर्ज की थी। इन आपत्तियों में नए मतदाताओं के पंजीकरण, वोटर लिस्ट से नाम हटाने, मतदाता डेटा तक पहुंच और एसआईआर से जुड़े तकनीकी मामले शामिल थे। रिपोर्ट में कहा गया है कि दोनों चुनाव आयुक्तों ने कुछ फैसलों को उनकी जानकारी के बिना लिए जाने

और मतदाता डेटा के प्रबंधन प्रक्रिया पर सवाल उठाए थे।

इस बीच, ममता बनर्जी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी से बात की और इंडी गठबंधन की जल्द बैठक बुलाने की मांग की है, जिसके अगले सप्ताह सोमवार या मंगलवार को होने की संभावना है। इस विपक्षी समन्वय की पृष्ठभूमि में, बेबी ने दो दिन पहले ही विपक्षी दलों के नेताओं को पत्र लिखकर चुनाव आयोग से जुड़े हालिया घटनाक्रमों पर चर्चा के लिए बैठक का आह्वान किया था। उन्होंने चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और एसआईआर पर गंभीर चिंता जताकर चुनावी प्रक्रिया और लोकतंत्र की विश्वसनीयता को बनाए रखने के लिए विपक्ष की एकजुटता पर जोर दिया था।

पश्चिम बंगाल में राजनीतिक रूप से एक-दूसरे के खिलाफ लड़ते रहे टीएमसी और सीपीआई(एम) के शीर्ष नेताओं का चुनाव आयोग और लोकतंत्र से जुड़े मुद्दों पर एक साथ आना महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। हालांकि, फिलहाल इसे किसी औपचारिक चुनावी गठबंधन के रूप में नहीं देखा जा रहा है, बल्कि चुनाव प्रक्रिया की पारदर्शिता और लोकतंत्र की विश्वसनीयता को लेकर विपक्षी दलों के बीच समन्वय स्थापित करने के प्रयास के तौर पर समझा जा रहा है।

27 सितंबर को देशभर में बारिश का अलर्ट

नई दिल्ली। देश में मानसून की विदाई के बीच एक बार फिर मौसम का मिजाज बदल गया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, 27 सितंबर को दिल्ली समेत कई राज्यों में बारिश, तेज हवाओं और आकाशीय बिजली का असर देखने को मिल सकता है। उत्तर-पूर्वी मध्य प्रदेश और उससे सटे उत्तरी छत्तीसगढ़ के ऊपर बने दबाव क्षेत्र के प्रभाव से मध्य और उत्तर भारत के कई हिस्सों में बारिश का दौर जारी रहने का अनुमान है। दिल्ली-एनसीआर में रविवार को आसमान में आंशिक से घने बादल छाए रहेंगे। हल्की बूंदाबांदी और तेज सतही हवाएं चल सकती हैं। अधिकतम तापमान 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में 26-27 सितंबर के दौरान कई इलाकों में बारिश की संभावना है।

अयोध्या की प्रसिद्ध रामलीला इस साल दिल्ली में, सीता बनेंगी मिस यूनिवर्स केजिया

रवि किशन राम तो अरुण बख्शी रावण, रजा मुराद समेत कई अभिनेता निभाएंगे किरदार

नई दिल्ली। अयोध्या की रामलीला इस साल दिल्ली में नए रूप में पेश होगी। यह आयोजन 10 से 20 अक्टूबर तक दिल्ली में मावलंकर हॉल में होगा, जहां भगवान श्रीराम की गाथा को आधुनिक तकनीक और कलात्मकता के साथ जीवंत किया जाएगा। इस साल की रामलीला का सबसे बड़ा आकर्षण मिस यूनिवर्स इंडिया 2026 केजिया लिज़ मेजो हैं, जो माता सीता की भूमिका में नजर आएंगी। उनके साथ लोकप्रिय सांसद और अभिनेता रवि किशन प्रभु श्रीराम का किरदार निभाएंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आयोजकों ने इस रामलीला की पूरी तैयारी कर ली है। मंच पर विशाल सेट, अत्याधुनिक प्रकाश और ध्वनि तकनीक, और बड़ी एलईडी स्क्रीन का इस्तेमाल किया जाएगा, जिससे त्रेतायुग के प्रसंगों को दर्शकों के सामने सजीव और प्रभावशाली ढंग से पेश किया जा सके। रामलीला के संस्थापक एवं अध्यक्ष सुभाष मलिक ने बताया कि पिछले सात सालों से अयोध्या में इस रामलीला का आयोजन किया जा रहा था, जिसने देश और विदेश में दर्शकों का जुड़ाव हासिल किया है। पिछले साल ऑनलाइन और ऑफलाइन माध्यमों से करीब 62 करोड़ दर्शकों ने इस रामलीला का आनंद लिया थ।

इस साल के दिल्ली मंचन में राजनीति और मनोरंजन जगत के कई चर्चित चेहरे अलग-अलग भूमिकाओं में दिखाई देंगे। सांसद एवं भोजपुरी अभिनेता मनोज तिवारी भी कई किरदारों में अपनी कला का प्रदर्शन करेंगे। दिग्गज अभिनेता अरुण बख्शी रावण की भूमिका निभाएंगे, जबकि बिंदु दारा सिंह कुंभकरण बनेंगे। अभिनेता अवतार गिल मेघनाद और पुनीत इस्सर परशुराम की भूमिकाओं में नजर आएंगे। इनके अतिरिक्त, अभिनेता रजा मुराद समेत कई अन्य जाने-माने कलाकार भी रामलीला के अहम पात्रों को मंच पर जीवंतता प्रदान करेंगे। सुभाष मलिक ने इस साल के आयोजन को भी भव्य बनाने की तैयारियों पर कहा कि प्रभु श्रीराम इस बार दिल्ली आ रहे हैं, और दिल्लीवासी इस दिव्य आयोजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

अवैध कॉलोनियों पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, अनधिकृत निर्माण गिराने के निर्देश

मेरठ में सील होंगी 16,726 संपत्तियां

नई दिल्ली। अवैध निर्माण और आवासीय संपत्तियों के व्यावसायिक इस्तेमाल पर गंभीर रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार को मेरठ में 16,726 संपत्तियों को सील करने और अनधिकृत निर्माणों को गिराने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ ने मेरठ के बाहरी इलाके उल्देपुर में अवैध आवासीय कॉलोनियों के विकसित होने की प्रकृति की विस्तृत जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया की अध्यक्षता में न्यायिक आयोग भी गठित किया है।

पीठ ने उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद के अध्यक्ष पी गुरु प्रसाद की ओर से दाखिल स्थिति रिपोर्ट देखने के बाद कहा कि हम यह जानकर स्तब्ध और परेशान हैं कि स्थिति रिपोर्ट पढ़ने पर पता चलता है कि उल्देपुर में सैकड़ों अवैध आवासीय कॉलोनियां विकसित हो गई हैं। पीठ ने कहा कि विभाग ने मेरठ के विभिन्न हिस्सों का निरीक्षण और सर्वेक्षण किया है। रिपोर्ट के अनुसार, शहर को चार जोन में बांटा गया है। इन्हें जोन ए, जोन बी, जोन सी और जोन डी नाम दिया गया है। 21 सितंबर के अपने आदेश में सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जोन ए में निरीक्षण और सर्वेक्षण के लिए लगाई गई 16 टीमों ने 16,726 निर्माणों की पहचान पूरी तरह अवैध या अनधिकृत के तौर पर की है।

यूपी में राज्यसभा की 10 और विधान परिषद की 11 सीटों के चुनाव का ऐलान

सियासी दलों में बढ़ी हलचल

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के राजनीतिक गलियारों में आगामी राज्यसभा और विधान परिषद (एमएलसी) चुनावों को लेकर सुगबुगाहट और रणनीतिक जोड़तोड़ तेज हो गया है। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी तय चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक, राज्य में खाली हो रही राज्यसभा की 10 सीटों के लिए आगामी 16 अक्टूबर को मतदान संपन्न होगा, जबकि विधानपरिषद की 11 सीटों के लिए 23 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। वर्तमान विधानसभा के संख्या बल को आधार पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और समाजवादी पार्टी (सपा) अपने-अपने उम्मीदवारों की जीत को सुनिश्चित करने की सबसे मजबूत स्थिति में हैं। इसकारण दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों ने अंदरखाने बैठकों का दौर शुरू कर दिया है और उम्मीदवारों के चयन को लेकर मंथन हो रहा है।

राज्यसभा चुनाव के अंतर्गत उत्तर प्रदेश की उन 10 सीटों पर निर्वाचन प्रक्रिया पूरी की जा रही है, जिनका वर्तमान कार्यकाल आगामी 25 नवंबर को समाप्त होने जा रहा है। निर्वाचन आयोग की समय सारणी के अनुसार, इन सीटों के लिए आधिकारिक अधिसूचना 29 सितंबर को जारी की जाएगी। इसके बाद नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 6 अक्टूबर निर्धारित की गई है, और सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद 16 अक्टूबर को मतगणना होगी। इन सेवानिवृत्त होने वाले सांसदों में भाजपा के 7, समाजवादी पार्टी का 1 और बहुजन समाज पार्टी का 1 सदस्य शामिल है। इसके अलावा, पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा का इस्तीफा पहले ही हो जाने के कारण वह सीट रिक्त है। कुल 403 सदस्यों वाली मौजूदा उत्तर प्रदेश विधानसभा में भाजपा गठबंधन के पास लगभग 288 और सपा-कांग्रेस गठबंधन के पास करीब 103 विधायक हैं। इस स्पष्ट और मजबूत संख्या बल के आधार पर पलड़ा पूरी तरह से भाजपा के पक्ष में दिखाता है।

दूसरी ओर विधान परिषद की कुल 11 सीटों के लिए भी चुनावी बिगुल बज चुका है, जिनमें 5 सीटें स्नातक निर्वाचन क्षेत्र की और 6 सीटें शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र की शामिल हैं। इन सभी सीटों पर चुने गए मौजूदा सदस्यों का कार्यकाल 6 दिसंबर को पूरा हो रहा है। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इन विधान परिषद सीटों के लिए भी 29 सितंबर को ही आधिकारिक अधिसूचना जारी कर दी जाएगी। उम्मीदवार 6 अक्टूबर तक अपने नामांकन दाखिल कर सकते है। जिसके बाद 23 अक्टूबर को मतदान होगा और 27 अक्टूबर को मतों की गणना कर परिणामों की घोषणा कर दी जाएगी। इस दोहरी चुनावी घोषणा के बाद से प्रदेश की राजनीति में एक बार फिर से बैठकों, समझौतों और उम्मीदवारों के नामों पर कयास लगाने का दौर शुरू हो गया है।

जल संरक्षण में जनभागीदारी और तकनीक लागू करने पर जोर-पाटिल

नई दिल्ली। मोदी सरकार में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल ने 9वें भारत अंतरराष्ट्रीय जल सप्ताह (आईआईडब्ल्यूडब्ल्यू) के समापन सत्र को संबोधित कर जल संरक्षण को एक साझा जिम्मेदारी बताया। उन्होंने कहा कि इस मंच पर रखे गए विचारों और प्रौद्योगिकियों को केवल चर्चाओं तक सीमित न रखकर धरातल पर ठोस परियोजनाओं के रूप में लागू होना चाहिए। भारत मंडपम में केंद्रीय मंत्री पाटिल ने कहा कि जल सुरक्षा केवल सरकार का दायित्व नहीं, बल्कि हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने जल जीवन मिशन, नमामि गंगे और स्वच्छ भारत मिशन जैसे सफल कार्यक्रमों का हवाला देकर बताया कि जब सरकार और समाज मिलकर काम करते हैं, तब ठोस परिणाम हासिल हो सकता हैं। केंद्रीय मंत्री पाटिल ने तीन महत्वपूर्ण बातें सामने आने का जिक्र किया। जल संरक्षण में जनभागीदारी, विज्ञान एवं नई प्रौद्योगिकी का जमीनी स्तर तक लाभ पहुंचाना और देशों-संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करना। केंद्रीय मंत्री पाटिल ने स्पष्ट किया कि कार्यक्रम में चर्चा की गई वैज्ञानिक पद्धतियाँ, डेटा और नई प्रौद्योगिकियाँ केवल प्रस्तुतियों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि इन्हें बड़े पैमाने पर वास्तविक परियोजनाओं में लागू किया जाना चाहिए। उनका मानना है कि जल संरक्षण के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए सरकार और समाज के संयुक्त प्रयास अत्यंत आवश्यक हैं।

आवश्यकता है
लड़कों की आवश्यकता है
10वीं पास नो डी फार्मा नो बी फार्मा
मो. 9340308019

जियांश
आपको जन्मदिवस की ढेरों शुभकामनाएं
शुभेच्छु
दादी रैयवन्ता पुसाम, पापा दिनेश पुसाम
चाचा-चाची मिनेश उमेश्वरी पुसाम
बुआ दुर्गा पुसाम-सुनीता पुसाम
समस्त पुसाम परिवार जोड़ापाट(कायदी)वारासिवनी

न्यायालय अपर कलेक्टर एवं विवाह अधिकारी जिला बालाघाट (म.प्र)

क्रमांक/9603/अति.कले./वि.अधि./2025 बालाघाट,दिनांक 09/12/2025

ज्ञापन

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि शोयब शेख उम्र 27 साल पिता श्री शेख रियाज जाति मोमिन जुलाहा निवासी वार्ड नं. 12 ग्राम भांडामुरी तह. लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र) एवं आवेदिका कु. शालिनी मूर्खे उम्र- 19 वर्ष पिता श्री सुरजलाल मुर्खे जाति गोवारी निवासी वार्ड नं. 01 ग्राम कंजई तह. लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.) द्वारा विशेष विवाह अधिनियम 1954 की धारा-05 के अन्तर्गत द्वितीय अनुसूची में उल्लेखित प्रारूप में आशयित विवाह की सूचना / आवेदन पत्र इस न्यायालय ने प्रस्तुत किया है। जिसकी प्रति इस ज्ञापन के साथ संलग्न कर आपकी ओर प्रेषित है। प्रकरण दिनांक 07.10.2026 को सुनवाई हेतु नियत है।

अत: उक्त प्रकरण मे आवेदकगण पूर्व से विवाहित है अथवा अविवाहित तथा शासन से किसी योजना का लाभ तो नहीं किया गया है के संबंध में मौका जाँच कर स्पष्ट प्रतिवेदन अपने अभिमत सहित नियम सुनवाई दिनांक 07.10.2026 के पूर्व तामिली रिपोर्ट सहित इस न्यायालय में भिजवाना सुनिश्चित करें।

अपर कलेक्टर
एवं विवाह अधिकारी
जिला-बालाघाट

In The Court Of XIV Civil Judge Class-II, District Court,Jabalpur

Presiding Officer:- तबस्सुम खान

आवेदन पत्र अंतर्गत धारा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम सक्सेशन प्रकरण क्रमांक (MJC GW/0000026/2026)

लावण्या ठाकरे नाबालिक........................आवेदक
Vs
सर्वसाधारण आमजनता.............................अनावेदक

Process Id-/2026
पेशी दिनांक-16/10/2026

प्रेषिती-
(1) सर्वसाधारण आमजनता पता- आम जनता
(2) आम जनता

आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक **लावण्या ठाकरे नाबालिक** पता ने मृतक चंद्रकिशोर ठाकरे निवासी भानेगांव तहसील लांजी जिला बालाघाट की राशि/संपत्ति हेतु उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक नियुक्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिये इस न्यायालय में आवेदन किया है जिसकी सुनवाई दिनांक **16 October 2026** को नियत है।

यदि किसी व्यक्ति को उक्त प्रकरण में आवेदक को उक्त मृतक का उत्तराधिकारी अथवा अभिभावक/संरक्षक होने सम्बन्धी प्रमाण पत्र जारी किये जाने में कोई आपत्ति हो अथवा उक्त प्रकरण में वह अपना हक समझता हो तो पेशी दिनांक **16 October 2026** को न्यायालय में स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित रहें । सूचना उपरांत, यदि अनुपस्थित रहे तो प्रकरण की सुनवायी एक पक्षीय की जाकर प्रकरण का निराकरण किया जावेगा।

यह आज तारीख **22 September 2026** को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगा कर दिया गया है।

न्यायाधीश

कृपया ध्यान दे:-

न्यायालय अवकाश पर रहेगा तो अगामी कार्यदिवस पर यह प्रकरण सुनवाई में लिया जायेगा।

कार्यालय तहसीलदार तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट (म.प्र.)

रा.प्र.क्र. 0036/ड-154/2026-27
मौजा बहियाटिकुर, रा.नि.मं. खमरिया

एतद् द्वारा आम जनता को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय मेश्राम पिता जगतलाल मेश्राम, जाति महार, निवासी ग्राम बहियाटिकुर, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मौजा बहियाटिकुर, रा.नि.मं. खमरिया, तहसील लालबर्रा, जिला बालाघाट में स्थित आवेदक द्वारा अपनी बहन पुष्पाबाई पति रेवाराम का अनुज्ञा प्रमाण पत्र रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1969 की धारा 12 (2), म.प्र. मृत्यु पंजीयन 1999 नियम 12 (2) प्रावधानों के अंतर्गत उपरोक्त मृत्यु की घटना दिनांक 02.01.2006 मृत्यु स्थल ग्राम बहियाटिकुर के अंतर्गत आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। जिस किसी भी व्यक्ति को आपत्ति हो तो वह दिनांक 05.10.2026 के पूर्व स्वयं या अपने अभिभाषक/अधिवक्ता सहित उपस्थित होकर इस न्यायालय में दावा आपत्ति पेश कर सकते है। नियत तिथि के उपरांत प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 25.09.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया।

स्थान - लालबर्रा
दिनांक - 27.09.2026

भूपेन्द्र अहिरवार
तहसीलदार
तहसील लालबर्रा जिला बालाघाट म.प्र.

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

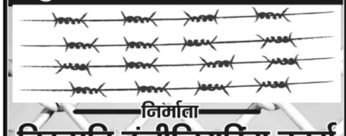

निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

गुजरी बाजार में आगजनी की वारदात

शार्ट सर्किट से आग लगने की सम्भावना

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शहर के मुख्य मार्ग स्थित गुजरी बाजार में 26 सितंबर की सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब आशीर्वाद कलेक्शन नामक कपड़े की दुकान में अचानक आग लग गई। सुबह करीब 7 से 8 बजे के बीच लगी आग ने देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और दुकान के सामने बने कमरे के साथ अंदर स्थित गोदाम में रखा कपड़ों सहित अन्य सामान जलकर खाक हो गया। आग की लपटें उठती देख आसपास के लोगों में भी अफरा-तफरी का माहौल बन गया। बताया जा रहा है कि आशीर्वाद कलेक्शन का संचालन श्याम और आनंद वाधवानी द्वारा किया जाता है। रोजाना की तरह 25 सितंबर की रात दुकान बंद कर दोनों घर चले गए थे। सुबह दुकान में आग लगने की जानकारी मिलते ही वे मौके पर पहुंचे। जब तक आग पर काबू पाने की कोशिश शुरू हुई, तब तक दुकान के भीतर रखा काफी सामान आग की चपेट में आ चुका था। दुकान संचालक श्याम वाधवानी ने आगजनी में लाखों रुपये के नुकसान की बात कही है। हालांकि वास्तविक नुकसान का आकलन जांच और सामान के विवरण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। प्रारंभिक तौर पर आग लगने की वजह शॉर्ट सर्किट बताई जा रही है, हालांकि आग का वास्तविक कारण जांच के बाद ही सामने आएगा। आग की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और कर्मचारियों

ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। समय रहते आग पर नियंत्रण नहीं होता तो कपड़ों की दुकान होने के कारण आग आसपास की दुकानों तक फैलने का खतरा भी बना हुआ था। घटना की सूचना के बाद पुलिसकर्मी भी मौके पर पहुंचे और गुजरी बाजार में यातायात व्यवस्था को संभाला। आग के कारण मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई थी, जिसे नियंत्रित करते हुए पुलिस ने यातायात को सुचारु कराया। घटना की जानकारी मिलने के बाद नगर पालिका अध्यक्ष भारती सुरजीत ठाकुर भी गुजरी बाजार पहुंचीं। मौके की स्थिति का जायजा लेते हुए उन्होंने गुजरी बाजार में अतिक्रमण और संकरे रास्तों के कारण फायर ब्रिगेड के पहुंचने में होने वाली परेशानी को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने इस तरह की घटनाओं के दौरान आपातकालीन वाहनों की आवाजाही सुगम बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। नगर पालिका अध्यक्ष की ओर से गुजरी बाजार में अतिक्रमण को लेकर कार्रवाई और 'रोको-टोको' अभियान चलाए जाने की भी अनौपचारिक चर्चा सामने आई। बाजार क्षेत्र में लगातार बढ़ते अतिक्रमण और भीड़ के बीच आग जैसी आपात स्थिति में फायर ब्रिगेड को समय पर घटनास्थल तक पहुंचाना चुनौती बन सकता है। ऐसे में शनिवार सुबह हुई आगजनी की घटना ने एक बार फिर बाजार की यातायात व्यवस्था और आपातकालीन पहुंच को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है। आग लगने के वास्तविक कारण और दुकान संचालक को हुए नुकसान का विस्तृत आकलन जांच के बाद ही सामने आएगा।

पिकअप खड़ा करने को लेकर भिड़े दो युवक

कड़े और टायर लीवर से एक-दूसरे पर किया हमला

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर थाना क्षेत्र के ग्राम हिर्री में पान दुकान के सामने पिकअप वाहन खड़ा करने को लेकर दो युवकों के बीच हुआ विवाद देखते ही देखते मारपीट में बदल गया। दोनों युवकों ने एक-दूसरे पर हमला करने के आरोप लगाए हैं। एक पक्ष ने लोहे के कड़े से सिर पर वार करने का आरोप लगाया तो दूसरे पक्ष ने टायर खोलने वाले लीवर से सिर पर हमला करने की शिकायत की है। मारपीट में दोनों युवकों के सिर में चोट आई है। घटना के बाद दोनों पक्षों ने किरनापुर थाने पहुंचकर एक दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट पर संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

हिर्री बस स्टैंड में पान ठेले के सामने पिकअप खड़ा करने पर विवाद

मिली जानकारी के अनुसार ग्राम हिर्री निवासी रविंद्र सेवईवार 38 वर्ष स्वयं की पिकअप चलाकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। वहीं मटकाटोला हिर्री निवासी रवि मातरे 24 वर्ष भवन निर्माण कार्य में मिस्त्री का काम करता है। बताया गया कि 25 सितंबर की रात 8 बजे रविंद्र सेवईवार अपने परिचित नंदकिशोर मोहारे, देवेंद्र घटरे और शिवराम मेश्राम के साथ हट्टा बाजार से पिकअप वाहन लेकर हिर्री बस स्टैंड पहुंचे थे।रविंद्र ने अपनी पिकअप को हिर्री बस स्टैंड स्थित सोनी पान ठेले के सामने सड़क किनारे खड़ा कर दिया था। इसके बाद वह पान ठेले पर गुटखा बनवा रहा था। इसी दौरान वहां रवि मातरे पहुंचा। उसने सड़क किनारे पिकअप खड़ा करने को लेकर रविंद्र से आपत्ति जताई और पूछा कि वाहन को रोड किनारे क्यों खड़ा किया गया है। इसी बात को लेकर दोनों के बीच कहासुनी शुरू हो गई।देखते ही देखते विवाद बढ़ गया और दोनों एक-दूसरे से गाली-गलौज करने लगे। मामला इतना बढ़ा कि दोनों युवकों के बीच हाथापाई शुरू हो गई। आसपास मौजूद लोगों के सामने दोनों ने एक-दूसरे के साथ मारपीट की।

लोहे के कड़े और लीवर से सिर पर वार करने का आरोप

रविंद्र सेवईवार ने आरोप लगाया कि विवाद के दौरान रवि मातरे ने हाथ में पहने लोहे के कड़े से उसके सिर पर वार कर दिया। सिर पर चोट लगने से वह घायल हो गया और खून निकलने लगा। वहीं रवि मातरे ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया कि रविंद्र ने टायर खोलने वाले लोहे के लीवर से उसके सिर और माथे पर वार किया। इस हमले में रवि के सिर पर भी चोट आई और वह घायल हो गया।

बीच-बचाव करने पहुंचे लोग

दोनों युवकों के बीच मारपीट होते देख मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। लोगों ने बीच-बचाव कर दोनों को अलग किया। इसके बाद भी दोनों पक्षों के बीच विवाद पूरी तरह शांत नहीं हुआ और दोनों ने एक-दूसरे को जान से मार डालने की धमकी देने का आरोप लगाया।घटना के बाद दोनों घायल युवक अपनी-अपनी शिकायत लेकर किरनापुर थाने पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायत दर्ज करने के बाद घायलों को चिकित्सकीय परीक्षण और उपचार के लिए अस्पताल भेजा। पुलिस के अनुसार दोनों पक्षों के आरोपों के आधार पर मारपीट, गाली-गलौज और जान से मारने की धमकी देने से संबंधित भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

पुलिस कर रही मामले की जांच

किरनापुर पुलिस ने दोनों पक्षों के बयान दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस घटना के दौरान मौजूद लोगों से भी जानकारी जुटा रही है। विवाद की शुरुआत पिकअप वाहन सड़क किनारे खड़ा करने को लेकर हुई थी जो बाद में मारपीट तक पहुंच गई। फिलहाल पुलिस मामले के सभी पहलुओं की जांच कर रही है।

किरनापुर प्रकरण में अब आंदोलन नहीं, बल्कि दोषियों पर कार्रवाई को लेकर बन रही रणनीति

25 सितंबर की प्रदेश स्तरीय बैठक के बाद जिला पदाधिकारियों से राय-मशविरा जारी, समाज की मांग दोषी पुलिसकर्मियों पर भी हो कार्रवाई, निर्दोषों को मिले राहत

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। किरनापुर प्रकरण को लेकर 25 सितंबर को हुई मरार-माली समाज की प्रदेश स्तरीय बैठक के बाद अब तस्वीर धीरे-धीरे साफ होती दिखाई दे रही है। बैठक में प्रदेश के अलग-अलग जिलों से पहुंचे पदाधिकारियों और जिला स्तर के प्रतिनिधियों ने पूरे घटनाक्रम को लेकर अपने सुझाव रखे। इसके बाद मरार-माली समाज बालाघाट के जिला अध्यक्ष रमेश पांचे अब जिला कार्यकारिणी और पदाधिकारियों के साथ लगातार चर्चा कर आगे की रणनीति तैयार कर रहे हैं। उन्होंने पद्मेश न्यूज़ से दूरभाष पर चर्चा में स्पष्ट किया कि फिलहाल समाज किसी बड़े आंदोलन या प्रदर्शन की तैयारी में नहीं है, बल्कि कानूनी और न्यायिक प्रक्रिया के जरिए अपनी मांग प्रशासन के सामने रखने की तैयारी कर रहा है।

रमेश पांचे ने बताया कि प्रदेश स्तरीय बैठक में विभिन्न जिलों से आए समाज पदाधिकारियों की राय सुनी गई है और अब जिला स्तर पर भी सुझाव लिए जा रहे हैं। किरनापुर थाने में हुई घटना, चौधरी दंपति के साथ कथित मारपीट, सावित्री चौधरी के गर्भपात तथा थाने में हुई तोड़फोड़ के बाद उत्पन्न परिस्थितियों को लेकर समाज अपने स्तर पर सभी पहलुओं को समझ रहा है। उनका कहना है कि इस पूरे मामले में समाज के कुछ युवा और अन्य लोग जेल में बंद हैं, ऐसे में उनके कानूनी पक्ष को भी प्राथमिकता से देखा जा रहा है।समाज की ओर से अब पुलिस कार्रवाई को लेकर भी स्पष्ट मांग सामने रखी जा रही है। रमेश पांचे ने कहा कि जिस प्रकार थाने में हुई तोड़फोड़ के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है, उसी प्रकार सावित्री चौधरी के साथ कथित मारपीट के मामले में जिन पुलिसकर्मियों की भूमिका जांच में सामने आती है, उनके खिलाफ भी नियमानुसार कार्रवाई होनी चाहिए। यदि जांच और मेडिकल साक्ष्यों के आधार पर पुलिसकर्मियों पर धाराएं बढ़ाई जाती हैं तो उनकी गिरफ्तारी और कड़ी कार्रवाई को लेकर भी समाज चर्चा कर रहा है।उन्होंने कहा कि समाज की मांग किसी व्यक्ति को बचाने की नहीं, बल्कि निष्पक्ष कार्रवाई की है। जो लोग घटनाक्रम में दोषी हैं, उनके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन जिन लोगों की घटना में कोई भूमिका नहीं है, उन्हें भी मामले में अनावश्यक रूप से नहीं घसीटा जाना चाहिए। समाज इसी बिंदु को लेकर प्रशासन के समक्ष अपनी बात रखने की तैयारी में है।खास बात यह है कि 25 सितंबर की प्रदेश स्तरीय बैठक से पहले जिले में इस बात को लेकर चर्चाएं तेज थीं कि बैठक के बाद मरार-माली समाज कोई बड़ा आंदोलन या प्रदर्शन कर सकता है। प्रशासनिक स्तर पर भी समाज के अगले कदम को लेकर नजर रखी जा रही थी। राजनीतिक गलियारों से लेकर आम लोगों के बीच भी यह चर्चा थी कि प्रदेश स्तरीय बैठक के बाद संगठन किस दिशा में आगे बढ़ेगा।लेकिन बैठक के बाद समाज ने फिलहाल बड़ा आंदोलन करने की अटकलों पर विराम लगा दिया है। रमेश पांचे ने साफ किया कि अभी किसी प्रदर्शन या आंदोलन का निर्णय नहीं लिया गया है। समाज प्रशासन से निष्पक्ष और न्यायोचित कार्रवाई की अपेक्षा कर रहा है और इसी दिशा में कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे बढ़ेगा। उन्होंने बताया कि अगले एक-दो दिनों में जिला पदाधिकारियों के साथ बैठक कर विभिन्न बिंदुओं पर अंतिम चर्चा की जाएगी और उसके बाद प्रशासन के समक्ष कार्रवाई की मांग रखी जाएगी।रमेश पांचे ने यह भी कहा कि समाज जिन मुद्दों को लेकर पहले से आवाज उठा रहा था, उनमें से कुछ बिंदुओं पर पुलिस की ओर से कार्रवाई शुरू की गई है। पुलिस द्वारा लगातार जांच और कार्रवाई किए जाने को देखते हुए समाज फिलहाल न्यायिक और कानूनी तरीके से अपनी बात रखने के पक्ष में है।हालांकि समाज ने आंदोलन का रास्ता पूरी तरह बंद नहीं किया है। जिला अध्यक्ष के अनुसार यदि निष्पक्ष और न्यायसंगत कार्रवाई नहीं होती, निर्दोष लोगों को राहत नहीं मिलती और दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई नहीं की जाती, तो आंदोलन को अंतिम विकल्प के रूप में अपनाया जा सकता है। फिलहाल प्राथमिकता कानूनी लड़ाई और प्रशासन से कार्रवाई की मांग करना है।इस पूरे घटनाक्रम के बीच 25 सितंबर की प्रदेश स्तरीय बैठक के बाद मरार-माली समाज ने तत्काल सड़क पर उतरने के बजाय न्यायिक प्रक्रिया को प्राथमिकता देकर अपनी दिशा स्पष्ट कर दी है। अब आने वाले एक-दो दिनों में जिला पदाधिकारियों की बैठक और प्रशासन के समक्ष रखे जाने वाले मांग-पत्र से यह और स्पष्ट होगा कि समाज किरनापुर प्रकरण को लेकर आगे किस रणनीति के साथ बढ़ता है।

उत्तम क्षमा पर्व के साथ दसलक्षण महापर्व का भव्य समापन

नगर में निकाली गई श्रीजी की शोभायात्रा, उमड़ा जनसैलाब

पदमेश न्यूज़। बालाघाट। श्री दिगंबर जैन पंचायत एवं सकल दिगंबर जैन समाज के तत्वावधान में आयोजित दसलक्षण महापर्व का शनिवार को श्रद्धा, भक्ति, तप और धर्माराधना के साथ समापन हुआ। महापर्व के अंतिम दिन उत्तम क्षमा धर्म की आराधना के साथ क्षमावाणी पर्व मनाया गया। इस अवसर पर मुनिश्री विराटसागर जी महाराज एवं मुनिश्री निस्संगसागर जी महाराज के पावन सानिध्य में विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित हुए। वहीं श्रीजी की भव्य शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए।

नगर में श्रीजी की निकाली भव्य शोभायात्रा

महापर्व के समापन अवसर पर नगर में श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए निकली, जिसमें समाज के महिला-पुरुष, युवा एवं बच्चे श्रद्धा के साथ शामिल हुए। धार्मिक जयघोष और भक्ति भाव के बीच वातावरण धर्ममय नजर आया।

'मिच्छामि दुक्कडम' के साथ मांगी क्षमा

समापन अवसर पर उत्तम क्षमा धर्म की भावना के साथ क्षमावाणी पर्व मनाया गया। समाजजनों ने मन, वचन और काय से हुई भूलों के लिए एक-दूसरे से क्षमा याचना की। 'मिच्छामि दुक्कडम' के संदेश के साथ आपसी प्रेम, सद्भाव और मैत्री की भावना को मजबूत करने का संकल्प लिया गया।

तपस्वियों ने की कठिन तप आराधना

बताया गया कि दसलक्षण महापर्व के दौरान समाज के अनेक श्रावक-श्राविकाओं ने उपवास एवं कठिन तपस्या की। मीना दीदी के मार्गदर्शन में जल उपवास सहित विभिन्न तप आराधनाएं की गईं। दस उपवास की आराधना करने वाले तपस्वियों में सुनीता जैन सिंघई, अंकुश जैन, पलकेश जैन, रिजु आगम जैन, प्रणीत ईशू जैन, संकल्प जैन 'छोटू', अमन राजेंद्र जैन, आकांक्षा आकाश जैन, नितेश जैन 'पिंटू', प्राची प्रवीण जैन, आनंद मॉडल, अभिषेक बाहुबली, रचना मोनू जैन, मौली जैन, श्रीमती आयुषी एकांत जैन, सुबोध जैन, अंजली आशीष जैन, रिद्धि आशीष जैन एवं मान्या जैन सहित अन्य तपस्वियों ने धर्म आराधना की।वहीं श्रीमती वंदना राजेश जैन ने आठ उपवास की तपस्या की। कठिन तप आराधना करने वाले तपस्वियों की समाजजनों ने अनुमोदना करते हुए कहा— 'तपस्या को नमन, तपस्वियों को वंदन।' तपस्वियों के आत्मसंयम और साधना को समाज के लिए प्रेरणादायी बताया गया।

प्रतिदिन हुए धार्मिक आयोजन

दसलक्षण महापर्व के दौरान प्रतिदिन प्रातः आत्मध्यान, श्रीजी का अभिषेक-शांतिधारा, मंगल प्रवचन, पूजन एवं आहारचर्या सहित विभिन्न धार्मिक आयोजन हुए। वहीं सायंकाल आचार्य भक्ति, श्रावक प्रतिक्रमण, भावना भक्ति, मंगल आरती एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए।समाज प्रतिनिधि ने बताया कि दसलक्षण महापर्व केवल धार्मिक अनुष्ठानों तक सीमित नहीं है, बल्कि आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि, संयम, त्याग, तप, क्षमा और अहिंसा जैसे जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का अवसर है। मुनिश्री के पावन सानिध्य में संपन्न महापर्व से श्रद्धालुओं में धर्म के प्रति नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार हुआ।

दस दिनों तक हुई दस धर्मों की आराधना- सिंघई

समाज के प्रतिनिधि अमन सिंघई ने औपचारिक चर्चा में बताया कि जैन धर्म में दसलक्षण महापर्व आत्मशुद्धि, संयम, त्याग और साधना का विशेष पर्व माना जाता है। दस दिनों तक श्रद्धालुओं ने उत्तम क्षमा, उत्तम मार्दव, उत्तम आर्जव, उत्तम शौच, उत्तम सत्य, उत्तम संयम, उत्तम तप, उत्तम त्याग, उत्तम आकिंचन्य एवं उत्तम ब्रह्मचर्य धर्म की आराधना की।इस दौरान श्रद्धालुओं ने धार्मिक अनुष्ठानों के साथ इन दस धर्मों के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। मुनिश्री के मंगल प्रवचनों से श्रद्धालुओं को आत्मकल्याण, संयम, त्याग और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रेरणा मिली है।

ग्राम जागपुर में भक्तिभाव के साथ हुआ गणेश विसर्जन

गांव के प्रमुख मार्गों से निकली विसर्जन यात्रा, वैनगंगा नदी में विधिवत किया गया गणेश प्रतिमा का विसर्जन

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। गणेश उत्सव के समापन अवसर पर ग्राम पंचायत जागपुर में श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था और भक्तिभाव के साथ गणेश प्रतिमा का विसर्जन किया। विसर्जन से पहले ग्रामीणों द्वारा गणेश प्रतिमा को गांव के विभिन्न मार्गों से भ्रमण कराया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण श्रद्धालु शामिल हुए और पूरे उत्साह के साथ भगवान गणेश की विदाई की। गांव के भ्रमण के बाद श्रद्धालु गणेश प्रतिमा को लेकर वैनगंगा नदी के तट पर पहुंचे, जहां विधि-विधान और पूजा-अर्चना के

साथ प्रतिमा का विसर्जन किया गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश से सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए अगले वर्ष पुनः पधारने की प्रार्थना की। ग्रामीण अंचलों में भी गणेश उत्सव को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है। गणेश उत्सव के दौरान गांव-गांव में स्थापित प्रतिमाओं की पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालु परंपरागत तरीके से विसर्जन कर रहे हैं। जागपुर में भी गणेश विसर्जन के दौरान आस्था और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

सोनपुरी मे सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति की बैठक आज

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। सार्वजनिक दुर्गा उत्सव समिति हनुमान मंदिर सोनपुरी किरनापुर की आवश्यक बैठक आज 27 सितंबर 2026 , दिन रविवार को दोपहर 12 बजे से हनुमान मंदिर सोनपुरी मे रखी गई हैं। समिति अध्यक्ष भूपेन्द्र अजीत ने जानकारी देते हुए आयोजित होने वाली इस बैठक मे नवीन कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार किए जाने समिति के सभी सदस्यों से बैठक मे उपस्थित होने का आव्हान किया है।

हट्टा क्षेत्र में 14 वर्षीय छात्रा से दुष्कर्म- नाबालिग आरोपी गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के हट्टा थाना क्षेत्र के एक गांव में 14 वर्षीय नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर तत्काल कार्रवाई करते हुए नाबालिग आरोपी को हिरासत में लेकर किशोर न्याय बोर्ड में पेश किया।जहां से उसे संप्रेक्षण गृह सिवनी भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडिता कक्षा 9वीं की छात्रा है। उसके माता-पिता मजदूरी के लिए हैदराबाद गए हुए हैं और वह गांव में दादा-दादी व भाई-बहन के साथ रहकर पढ़ाई कर रही है। घटना 21 सितंबर की रात लगभग 11.30 बजे रात में खाना खाने के बाद परिवार सो रहा था। इसी दौरान आरोपी युवक घर में घुस आया और छात्रा के साथ जबरन दुष्कर्म किया। विरोध करने पर आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी। छात्रा के साहस दिखाने पर आरोपी मौके से फरार हो गया।परिजनों के लौटने पर पीड़िता ने आपबीती बताई और हट्टा थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई। हट्टा पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं एवं लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया है। चूंकि आरोपी भी नाबालिग है इसलिए विधि अनुसार उसे गिरफ्तार कर बालाघाट स्थित किशोर न्याय बोर्ड के समक्ष पेश किया गया जहां से उसे सिवनी स्थित संप्रेक्षण गृह भेजने के आदेश दिए गए हैं। पुलिस मामले की विवेचना कर रही है।

आस-पास की खबरें

अमोली में आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम का हुआ आयोजन

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय से सटी ग्राम पंचायत अमोली में सेवा से संकल्प अभियान के तहत शनिवार को आंगन मिलन कार्यक्रम संपन्न

हुआ। यह कार्यक्रम सरपंच श्रीमती सुखवन समनपुरे, सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती अनिता अग्रवाल, पूर्व सरपंच श्रीमती जया सोनी, उमा अवधिया, सुमन नामदेव की उपस्थिति में प्रारंभ हुआ। इस अवसर पर अतिथि महोदया श्रीमती अनिता अग्रवाल का शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया गया। साथ ही आशा कार्यकर्ता श्रीमती कुसुम बसेने, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती सविता गुप्ता, श्रीमती शाहेदा खान, श्रीमती तस्कीन कुरैशी एवं सहायिका श्रीमती सुशीला शिव, श्रीमती मीना यादव, श्रीमती बिंदु धाकड़े को आंगनबाड़ी मिलन सेवा कार्यक्रम के सम्मान पत्र से सम्मानित किया गया। इस आंगन मिलन सेवा कार्यक्रम के अवसर पर आंगनवाड़ी केन्द्र में पौधारोपण किया गया तत्पश्चात स्वच्छता जागरूकता के बारे में उपस्थितजनों को समझाया गया और मुख्यमंत्री जी के पत्र का वाचन कर वीडियों संदेश का प्रदर्शन किया गया। साथ ही सीएचओं श्रीमती साक्षी सोलंकी के द्वारा ब%चों की स्वास्थ्य जांच कर दवाईयां प्रदान की गई। वहीं महिलाओं को पोषण एवं स्वास्थ्य के बारे में पर्यवेक्षक श्रीमती कामना वर्मा के द्वारा विस्तृत जानकारी प्रदान की गई और संतुलित आहार, एनीमिया, स्तनपान, शिशु देखभाल के बारे में बताया गया। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाएं एवं बच्चें उपस्थित रहे।

कोसमी में गणपति बप्पा मोरिया के जयकारों के साथ विदा हुए श्री गणेश

पद्मेश न्यूज। खमरिया/लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत रटेगांव के ग्राम कोसमी में शुक्रवार को भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विसर्जित किया गया। इसी तरह घर-

घर एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विराजित श्री गणेशजी की प्रतिमाओं को भक्तों ने बैंड-बाजों और डीजे की धुन पर अगले बरस तु जल्दी आ के आव्हान के साथ विदा किया। वहीं 10 दिनों तक प्रथम पू'य भगवान श्रीगणेश की भक्ति-भाव से पूजन कर श्रध्दालुओं के द्वारा की गई और परिवार की खुशहाली, सुख समृध्दि की कामना की। वहीं विसर्जन का दौर शुक्रवार एवं शनिवार को देरशाम तक चला। इस दौरान नदी, तालाबों एवं नहरों के तटों पर भक्तों ने भगवान श्री गणेश की विशेष पूजा अर्चना एवं महाआरती के बाद भगवान श्री गणेश का विसर्जन किया। वहीं अगले बरस जल्द आने के जयकारे लगाये।

बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग पर..नज़र हटी-दुर्घटना घटी...!

जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढों से हादसों का खतरा

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय का अति-व्यस्ततम और प्रमुख बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग इन दिनों अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। वहीं इस मार्ग का सबसे अधिक खस्ताहाल लालबर्रा मजार से लेकर पांगा तालाब मोड़ाई तक बनी हुई। इस दो किमी. दुरी तक मार्ग में अनगिनत जानलेवा गड्ढे बन गये है। वहीं कुछ स्थानों पर जानलेवा गड्ढों के कारण राहगीरों का सफर सुहाना होने के बजाय खौफनाक साबित हो रहा है। गड्ढों के कारण आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। जबकि यह एक व्यस्तम मार्ग है और सड़क गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। साथ ही सेंट्रल बैंक के समीप, मानपुर पुल के आगे, मानपुर बैरियर के आगे सहित अन्य स्थानों पर सड़क के बीचों-बीच बने गड्ढों में रोजाना लोग गिरकर चोटिल हो रहे है। लेकिन जिम्मेदार इस समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे है। जिससे ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रहा है। जल्द मार्ग में जगह-जगह बने जानलेवा गड्ढे सहित अन्य गड्ढों का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी हुई है। वहीं सड़क में बने गड्ढों के कारण लोग अब सड़क को छोड़कर पटरी से आवागमन करने को मजबूर है। लेकिन प्रशासन इस समस्या को दुर करने हेतु प्रयास नही कर रही है, जिससे सभी में रोष व्याप्त है।

जनता में गहरा आक्रोश, आंदोलन की चेतावनी

आपकों बता दे कि बालाघाट से सिवनी हाईवे मार्ग वर्तमान में गड्ढों से पट चुका है और जगह-जगह से डामर उखड़ चुकी है। गड्ढे अनगिनत बन गये हैं यहां मानकर चले कि इस मार्ग से चलना है तो सावधानी पूर्वक आवागमन करना जरूरी है। अगर वाहन चलाते समय चालक की नजर हटी तो समझों की दुर्घटना घटी ऐसी नौबत बन चुकी है। वहीं सबसे अधिक परेशानी लालबर्रा मजार से पांगा तालाब की मोड़ाई तक बनी हुई है। यह सबसे अधिक व्यस्तम स्थान होने के साथ ही लोगों का आवागमन अधिक रहता है और इन्ही स्थानों के बीच में बड़े-बड़े सड़क के बीचों बीच सहित अन्य स्थानों पर गहरे गड्ढे बन गये है और बारिश होने पर उक्त गड्ढों में पानी जमा होने पर दुर से गड्ढे दिखाई नही देने से वाहन गड्ढे में जाने से लोग अनियंत्रित होकर चोटिल हो रहे है। जबकि यह मार्ग केवल दो जिलों को जोड़ने वाली सड़क नहीं, बल्कि क्षेत्र की जीवनरेखा है। एक ओर यह सिवनी और जबलपुर होते हुए राजधानी भोपाल तथा इंदौर को जोड़ता है, तो दूसरी ओर बालाघाट होते हुए महाराष्ट्र (नागपुर) और छत्तीसगढ़ (रायपुर) जाने का मुख्य जरिया है। इतने महत्वपूर्ण और भारी यातायात वाले मार्ग की विगत कई वर्षों से यही दुर्दशा बनी हुई है, लेकिन शासन-प्रशासन इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा है। बस फोरलेन सड़क का निर्माण करवाने का क्षेत्रीय जनता को आश्वासन ही दे रहे है और इस सड़क निर्माण के लिए कई बार घोषणाएं भी हो चुकी है लेकिन धरातल पर कुछ भी काम नही हुआ है। क्षेत्रीयजनों की मांग है कि निर्माण कार्य जब शुरू करना है करें प्रशासन, पहले सड़क में बने जानलेवा गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये ताकि वर्तमान में आवागमन में हो रही परेशानियों से निजात एवं दुर्घटनाओं को रोका जा सके।

सिर्फ हवा-हवाई घोषणाएं, धरातल पर काम शून्य

जागरूक नागरिक एवं स्थानीयजनों का आरोप है कि इस मार्ग के नवनिर्माण और मरम्मत को लेकर हर बार जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा सिर्फ बड़ी-बड़ी घोषणाएं की जाती हैं। जन-आंदोलनों और शिकायतों के बाद केवल आश्वासन की घूंटी पिला दी जाती है, परंतु जमीनी स्तर पर कार्य प्रारंभ नहीं हो पा रहा है। निर्माण कार्य अधर में लटके होने के कारण रोजाना दुर्घटनाएं हो रही हैं और लोग घायल हो रहे हैं। इस तरह से बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग निर्माण की घोषणाएं सिर्फ हवा-हवाई साबित हो रही है। शासन-प्रशासन की इस निरंतर उदासीनता को लेकर क्षेत्रवासियों में भारी रोष व्याप्त है। वहीं वाहन चालकों का कहना है कि गड्ढों के कारण वाहनों के कलपुर्जे समय से पहले खराब हो रहे हैं, साथ ही धूल से बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। प्रशासन से मांग है कि सड़क में बने गड्ढों का जल्द मरम्मत कार्य करवाये, नही तो क्षेत्रीयजन आंदोलन करने बाध्य होगें।

गड्ढों में तब्दील हो चुकी है सड़क - अंकित

युथ कांग्रेस लालबर्रा अध्यक्ष अंकित पिपलोद ने बताया कि बालाघाट-सिवनी हाईवे मार्ग का खस्ताहाल हो चुका है और लालबर्रा मजार से लेकर पांगा तालाब की मोडाई के बीच में अनगिनत गड्ढे बन गये है। इस तरह से यह मार्ग गड्ढों में तब्दील हो चुकी है, गत दिवस मानपुर पुल के आगे बने गड्ढों में गिरकर लोग चोटिल हो गये थे और आये-दिन दुर्घटना घटित हो रही है, लेकिन प्रशासन कोई ध्यान नही दे रहा है। श्री पिपलोद ने बताया कि यह मार्ग लालबर्रा मुख्यालय को जोड़ने वाला मुख्य रास्ता है, लेकिन देखरेख के अभाव में सड़क की जगह केवल गड्ढे ही नजर आते हैं। जल्द गड्ढों का मरम्मत कार्य नही करवाया गया तो आंदोलन करने बाध्य होगें।

ट्रांसफार्मरों से ऑयल चोरी का सिलसिला रूकने का नाम नहीं ले रहा

पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के सामने लगे ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी, नया ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति कराई गई बहाल

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित आसपास के क्षेत्रों में इन दिनों विद्युत विभाग के ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) चोरी करने वाला एक

शातिर गिरोह सक्रिय है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि वे आये दिन अलग-अलग इलाकों में लगे ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाकर कीमती ऑयल चोरी कर रफूचक्कर हो रहे हैं। ताजा मामला विद्युत वितरण केंद्र लालबर्रा के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत पनबिहरी का है, जहां पुराने जनपद पंचायत कार्यालय के सामने लगे ट्रांसफार्मर से बीती रात अज्ञात चोरों ने ऑयल चोरी की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गये। ऑयल निकलने के कारण आधी रात में अचानक ट्रांसफार्मर से चिंगारियां निकलने लगी और क्षेत्र की विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो गई। बारिश के मौसम में ग्रामीणों को पूरी रात अंधेरे में गुजारनी पड़ी। वहीं अचानक बिजली बंद होने पर ग्रामीणों ने विद्युत विभाग को सूचना दी। शनिवार की सुबह जब बिजली कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तो उन्होंने देखा कि ट्रांसफार्मर से सारा ऑयल चोरी हो चुका था, जिसके कारण ट्रांसफार्मर जलकर खराब हो गया। जिसके बाद कर्मचारियों ने तुरंत इसकी जानकारी उ'चाधिकारियों को दी। शनिवार को विद्युत विभाग की टीम ने त्वरित कार्यवाही करते हुए मौके पर सुधार कार्य शुरू किया और खराब ट्रांसफार्मर को हटाकर नया ट्रांसफार्मर स्थापित किया गया। जिसके बाद क्षेत्र की बिजली आपूर्ति बहाल हो सकी, तब जाकर स्थानीय निवासियों ने राहत की सांस ली।

रात के अंधेरे का फायदा उठा रहा गिरोह

आपकों बता दे कि लालबर्रा क्षेत्र में ट्रांसफार्मरों से ऑयल चोरी की ये घटनाएं मुख्य रूप से देर रात के समय अंजाम दी जा रही हैं। चोरों को अच्छी तरह से पता रहता है कि किस समय विद्युत विभाग या स्थानीय लोगों की आवाजाही कम रहती है। क्षेत्र में इस तरह की वारदातें पहली बार नहीं हुई हैं, बल्कि इसके पूर्व भी विगत माह से क्षेत्र में अलग-अलग स्थानों पर इस तरह की कई वारदाते सामने आ चुकी है। लेकिन पुलिस अब तक अज्ञात चोरों का सुराग लगाने में नाकाम रही है। विद्युत ट्रांसफार्मरों से ऑयल (तेल) ट्रांसफार्मर से तेल चोरी होने के कारण विभाग को भारी वित्तीय नुकसान उठाना पड़ रहा है। साथ ही नई व्यवस्था बहाल करने और तेल दोबारा भरने में काफी समय लग रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। लगातार हो रही चोरियों और बिजली कटौती से स्थानीय जनता और किसानों में रोष व्याप्त है। वहीं विद्युत विभाग ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज करवाकर अज्ञात चोरों को जल्द गिरफ्तार करने और सख्त कानूनी कार्यवाही करने की मांग पुलिस प्रशासन से की है। चर्चा में लाइनमेन धनीराम चौधरी ने बताया कि पनबिहरी के पुराने ज नपद पंचायत कार्यालय के सामने स्थित ट्रांसफार्मर से अज्ञात चोरों द्वारा ऑयल चोरी कर लिया गया था और ऑयल न होने के कारण ट्रांसफार्मर खराब हो गया था। श्री चौधरी ने बताया कि अज्ञात चोर इसके पूर्व में भी ट्रांसफार्मरों से ऑयल की चोरी कर चुके है। पनबिहरी स्थित ट्रांसफार्मर जो खराब हो गया था, जिसके स्थान पर दुसरा ट्रांसफार्मर लगाकर बिजली आपूर्ति बहाल की गई है।

मॉडल सीएलएफ मातृधाम महिला आजीविका संगठन की वार्षिक आमसभा हुई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय स्थित मॉडल सीएलएफ मातृधाम महिला आजीविका संगठन लालबर्रा की वार्षिक आमसभा शनिवार को मानपुर स्थित लॉन में संपन्न हुई। कार्यक्रम में संगठन की प्रबंधक श्रीमती ममता चौहान, अन्य पदाधिकारियों तथा 25 ग्रामों से आई स्व-सहायता समूहों की महिला पदाधिकारियों व सदस्यों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ मॉडल सीएलएफ मातृधाम महिला आजीविका संगठन कार्यालय से निकाली गई एक भव्य रैली से हुआ। रैली ने नगर मुख्यालय का भ्रमण कर लोगों को जागरूक किया और कार्यक्रम स्थल मानपुर पहुंची। जिसके पश्चात मंचीय कार्यक्रम की शुरूआत मुख्य अतिथियों एवं पदाधिकारियों द्वारा माँ सरस्वती के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्वलित एवं माल्यार्पण के साथ हुई। आयोजित वार्षिक आमसभा में संगठन के वर्षभर के आय-व्यय का ब्योरा प्रस्तुत किया गया और विभिन्न स्व-सहायता समूहों द्वारा किये गये कार्यों की समीक्षा की गई। बैठक में इस बात पर विशेष जोर दिया गया कि महिलाएं शासकीय योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाकर किस प्रकार स्वावलंबी और सशक्त बन सकती हैं। वहीं कृषि विभाग सहित अन्य विभाग के अधिकारियों ने भी अपने-अपने विभाग की जानकारी महिलाओं को प्रदान की। कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारियों ने सभी स्व सहायता समूह की महिलाओं को संगठित रहकर कार्य करने तथा आजीविका संवर्धन के माध्यम से अपनी आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए प्रेरित किया। चर्चा में मॉडल सीएलएफ मातृधाम महिला आजीविका संगठन लालबर्रा की प्रबंधक श्रीमती ममता चौहान ने बताया कि आमसभा के दौरान वार्षिक लेखा-जोखा प्रस्तुत करने के साथ-साथ आगामी वर्ष की कार्ययोजना भी तैयार की गई है। साथ ही यह भी बताया कि स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए सरकार द्वारा कई कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। संगठन का मुख्य उद्देश्य इन योजनाओं का पूरा लाभ महिलाओं तक पहुंचाकर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त और स्वावलंबी बनाना है। इस अवसर पर स्व-सहायता समूह की महिलाएं बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

दूसरे दिन भी भक्तिभाव के साथ विघ्नहर्ता लंबोदर महाराज को दी गई विदाई

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में आस्थापूर्वक एवं भक्तिभाव के साथ गणेशोत्सव पर्व मनाया गया। वहीं पर्व के दूसरे दिन शनिवार को भी लंबोदर महाराज भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन करने का दौर जारी है। इस अवसर पर सार्वजनिक समिति एवं घरों में विराजित भगवान श्रीगणेश की प्रतिमाओं की डीजे व बैडबाजों की धून के साथ शोभायात्रा निकालकर नगर एवं ग्राम का भ्रमण करवाया गया। इस दौरान भक्तजनों के द्वारा जमकर नृत्य एवं रंग-गुलाल उड़ाते हुए गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ सहित अन्य नारे लगाते हुए तालाब, नदी, ढूटी वीयर वैनगंगा बड़ी नहर एवं पोटियापाट धाम विसर्जन स्थल पहुंचे तत्पश्चात आरती कर प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया और यह विसर्जन का दौर शनिवार को भी देरशाम तक जारी रहा। इसी तरह नगर मुख्यालय स्थित थाने में विराजित भगवान श्रीगणेश एवं बम्हनी के सार्वजनिक गणेशोत्सव समिति के द्वारा भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विसर्जन के लिए डीजे की धुन पर शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान समिति के पदाधिकारी एवं भक्तजनों

के द्वारा फिल्मी एवं भक्ति गीतों की धुन पर जमकर थिरके और यह शोभायात्रा ग्राम का भ्रमण करते हुए वैनगंगा नदी स्थित पोटियापाट धाम पहुंची। जहां विसर्जन के पहले भक्तजनों के द्वारा विधि-विधान से भगवान श्रीगणेश की आरती के बाद गणपति बप्पा मोरिया अगले बरस तू जल्दी आ के जयघोष के साथ प्रतिमा का विसर्जन किया तत्पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया। इस तरह से क्षेत्र में दो दिनों तक भगवान श्रीगणेश की प्रतिमा विसर्जन का दौर देरशाम तक जारी रहा।

ग्राम मोहगाव खुर्द में अतिक्रमण हटाने पहुंचा राजस्व दल बैरंग लौटा

कुछ लोगों ने ग्राम की शासकीय चारागाह भूमि पर किया अतिक्रमण

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द में शासकीय चरागाह एवं मरघट की भूमि पर किए गए कथित अतिक्रमण को हटाने पहुंचा राजस्व अमला बिना कार्यवाही वापस लौट गया। राजस्व न्यायालय के द्वारा अतिक्रमण हटाने के आदेश जारी किए जाने के बाद राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी । लेकिन वहां विवाद की स्थिति निर्मित होने तथा पुलिस प्रशासन उपलब्ध नहीं होने के कारण अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ सकी। राजस्व दल ने मौके का पंचनामा तैयार कर बैरंग वापस लौट गया।

अतिक्रमणकर्ता के विरोध पर लौटा था राजस्व अमला

राजस्व विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मोहगांव खुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर २२०/१ रकबा ६.६१८ हेक्टेयर में शासकीय चारागाह में से रकबा क्रमशः ०.०२४ हे., ०.०२४ हे.,०.०१२ हे., ०.००८ हे.,०.०२४ हे. भूमि पर अनावेदकगणों महेश मरठे पिता सुरजलाल मरठे, मुकेश पिता सुरजलाल मरठे, सुजीत मरठे पिता बाबुलाल, रंजीता बावने, राजकुमार मरठे पिता सुरजलाल के द्वारा शासकीय चरागाह भूमि पर मकान की नींव, दीवार,कॉलम गाड़कर तथा झोपड़ी बनाकर अतिक्रमण किए जाने की शिकायत ग्राम के युवाओं के द्वारा जिला प्रशासन वारासिवनी तहसीलदार सहित मुख्यमंत्री हेल्पलाइन १८१ पर की गई थी। मामले में नायब तहसीलदार वारासिवनी की अदालत में राजस्व प्रकरण दर्ज कर सुनवाई के बाद २२ जून २०२६ को आदेश पारित किए गए। आदेश में शासकीय चरागाह भूमि पर किए गए अतिक्रमण को हटाने के निर्देश दिए गए थे।आदेश में संबंधित अतिक्रमणकारियों के द्वारा किए गए निर्माण का उल्लेख करते हुए उन्हें भूमि से बेदखल करने की कार्यवाही के निर्देश दिए गए।आदेश के पालन के लिए राजस्व निरीक्षक मेंढ़की प्रभारी में दल गठित किया गया। जिसमें राजस्व निरीक्षक चंद्रप्रकाश टेंभरे तथा संबंधित हल्का पटवारियों को शामिल किया गया। दल को २४ सितंबर २०२६ की सुबह ११ बजे मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए थे।राजस्व अमला मौके पर पहुंचा लेकिन वहां अतिक्रमण हटाने को लेकर विवाद की स्थिति निर्मित हो गई। मौके पर मौजूद लोगों की ओर से कार्यवाही का विरोध किए जाने तथा पुलिस प्रशासन का सहयोग उपलब्ध नहीं होने के कारण राजस्व दल द्वारा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही आगे नहीं बढ़ाई जा सकी। इसके बाद स्थिति को देखते हुए राजस्व अमले ने मौके पर पंचनामा तैयार किया और बिना अतिक्रमण हटाए वापस लौट गया। वहीं मामले में प्रशासन के द्वारा पुलिस बल की उपलब्धता के साथ दोबारा कार्यवाही किये जाने की संभावना जताई जा रही है।

इनका कहना हैं

ग्राम पंचायत मोहगांव खुर्द में कुछ लोगो ने शासकीय भूमि पर अतिक्रमण किया है। जिसे हटाने के लिए दल गठित किया गया था परंतु मौके पर विरोध एवं विभिन्न कारणो से दल को वापस लौटना पड़ा।पुनः कार्यवाही करने आगामी ३० सितंबर को अतिक्रमण को हटाने के लिए दल का गठन कर दिया गया है।

वंदना कुशराम
तहसीलदार वारासिवनी

विधायक कार्यालय कटंगी के ईको फ्रेंडली गणेश का विधि विधान से हुआ विसर्जन

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। अनंत चतुर्दशी के अवसर पर कटंगी स्थित विधायक गौरव सिंह पारधी के कार्यालय में विराजित भगवान श्री गणेश जी का हवन.पूजन महाआरती एवं महाप्रसादी वितरण कार्यक्रम श्रद्धा और उत्साह के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर विधायक गौरव सिंह पारधी ने पूरे विधि.विधान के साथ भगवान श्री गणेश जी का पूजन अर्चन एवं हवन किया तथा महाआरती में शामिल होकर भगवान का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात श्रद्धालुओं एवं उपस्थित जनों को महाप्रसादी का वितरण किया गया। विधायक कार्यालय में प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी गणेश उत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। जिसमें कार्यालय से जुड़े कार्यकर्ताओं एवं श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। गणेश उत्सव के दौरान विधायक कार्यालय में इस वर्ष भी पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखते हुए पूरी तरह मिट्टी से निर्मित इको.फ्रेंडली भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा स्थापित की गई थी। प्राकृतिक एवं पर्यावरण के अनुकूल प्रतिमा के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। उत्सव के दौरान प्रतिदिन भगवान श्री गणेश जी की पूजा अर्चना एवं आरती की गई। अनंत चतुर्दशी के दिन हवन पूजन एवं महाआरती के बाद महाप्रसादी का वितरण किया गया और इसके पश्चात भगवान श्री गणेश जी की प्रतिमा को श्रद्धा एवं विधि विधान के साथ विसर्जन के लिए ले जाया गया। विधायक गौरव सिंह पारधी ने क्षेत्र में खुशहाली के साथ ही किसानों की अच्छी फसल और सभी परिवारों के जीवन में सुख समृद्धि की प्रार्थना की। श्रद्धा और भक्तिभाव के वातावरण में गणपति बप्पा को विदाई दी गई। विसर्जन के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भगवान श्री गणेश जी से क्षेत्रवासियों के सुख, शांति, समृद्धि एवं वैभव की कामना की गई।

चंदोरी शिव मंदिर में १० दिवसीय गणेशोत्सव का हुआ समापन

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के वार्ड क्रमांक ८ चंदोरी स्थित शिव मंदिर परिसर में सार्वजनिक युवा गणेश उत्सव समिति के तत्वावधान में आयोजित १० दिवसीय गणेशोत्सव पर्व का २५ सितंबर को धार्मिक उल्लास और श्रद्धा के साथ समापन हुआ। समापन अवसर पर विधि विधान से हवन पूजन, महाप्रसादी वितरण एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं नगरवासी शामिल हुए। प्राप्त जानकारी के अनुसार सार्वजनिक युवा गणेश उत्सव समिति के द्वारा प्रतिवर्ष की परंपरा के अनुसार इस वर्ष भी शिव मंदिर परिसर में भगवान श्रीगणेश की आकर्षक प्रतिमा की विधि विधान से स्थापना की गई थी। दस दिनों तक समिति एवं श्रद्धालुओं के द्वारा भगवान गणेश की नियमित पूजा अर्चना एवं आराधना की गई। गणेशोत्सव के अंतिम दिन २५ सितंबर की सुबह विधि विधान से

हवन पूजन संपन्न कराया गया। इसके पश्चात शाम को श्रद्धालुओं के लिए महाप्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने प्रसादी ग्रहण कर धर्मलाभ अर्जित किया। महाप्रसादी के बाद जागरण ग्रुप के कलाकारों के द्वारा भजन संध्या प्रस्तुती दी गई। कलाकारों ने भगवान श्रीगणेश,भगवान शिव, भगवान हनुमान सहित विभिन्न देवी देवताओं के भक्ति गीतों एवं भजनों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। भक्ति संगीत की धुनों से शिव मंदिर परिसर भक्तिमय हो उठा। कई श्रद्धालु भजनों पर झूमते और नृत्य करते नजर आए। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया।

दसलक्षण पर्युषण महापर्व के समापन पर निकली श्री जी की शोभायात्रा

बैंड बाजे के साथ किया नगर भ्रमण, जगह-जगह श्रद्धालुओं ने की आरती

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी।नगर स्थित दिगंबर जैन मंदिर में २६ सितंबर को १० दिवसीय दसलक्षण पर्युषण महापर्व का धार्मिक एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में समापन हुआ। महापर्व के समापन अवसर पर दिगंबर जैन समाज के द्वारा भगवान श्री जी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा में बड़ी संख्या में जैन समाज के महिला-पुरुष, बच्चे एवं स्वजातीय बंधु शामिल हुए। बैंड.बाजे के साथ निकली शोभायात्रा ने नगर के प्रमुख मार्गों का भ्रमण किया और पुनः दिगंबर जैन मंदिर पहुंचकर संपन्न हुई। महापर्व के समापन अवसर पर प्रात:काल से ही दिगंबर जैन मंदिर में धार्मिक कार्यक्रमों का सिलसिला प्रारंभ हो गया था। श्रद्धालुओं द्वारा श्री जी का अभिषेक, शांतिधारा एवं विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। इसके उपरांत दोपहर में भगवान श्री जी की भव्य पालकी सजाकर शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा के मंदिर से रवाना होते ही श्रद्धालुओं में उत्साह का वातावरण देखने को मिला। इस अवसर पर दिगंबर जैन पंचायत के पदाधिकारी सदस्य एवं बड़ी संख्या में समाज के लोग उपस्थित रहे।

नगर के प्रमुख मार्गों से निकली शोभायात्रा

श्री जी की शोभायात्रा दिगंबर जैन मंदिर से प्रारंभ होकर गोलीबारी चौक ,आंबेडकर चौक ,नेहरू चौक एवं जय स्तंभ चौक सहित नगर के विभिन्न मार्गों एवं चौक चौराहों से होकर गुजरी।शोभायात्रा के दौरान बड़ी संख्या में नगरवासी मार्गों के किनारे खड़े होकर धार्मिक आयोजन के साक्षी बने। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं एवं जैन धर्मावलंबियों के द्वारा अपने घरों के सामने शोभायात्रा का स्वागत किया गया तथा श्री जी की आरती उतारकर श्रीफल अर्पित किया गया।श्रद्धालुओं ने भगवान का आशीर्वाद प्राप्त कर परिवार एवं क्षेत्र की सुख शांति तथा समृद्धि की कामना की।नगर भ्रमण के बाद शोभायात्रा वापस दिगंबर जैन मंदिर पहुंची,जहां इसका समापन किया गया। इसके पश्चात पुनः अभिषेक एवं पूजन का आयोजन हुआ।

दस दिनों तक हुए धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन

दिगंबर जैन मंदिर में दसलक्षण पर्युषण महापर्व के प्रारंभ से ही प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। धार्मिक मान्यताओं एवं परंपराओं के अनुरूप प्रतिदिन श्री जी का अभिषेक एवं शांतिधारा के साथ पूजा अर्चना की गई। इसके पश्चात आरती और प्रवचन का आयोजन हुआ। माताजी ससंघ द्वारा प्रवचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, ज्ञान, संयम एवं सदाचार का महत्व बताया गया।महापर्व के दौरान संध्या समय बच्चों के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए। इसमें नन्हे.मुन्ने बच्चों ने विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया।इन कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों में धार्मिक संस्कारों एवं संस्कृति के प्रति रुचि विकसित करने का संदेश भी दिया गया।

जनप्रतिनिधि भी हुए शोभायात्रा में शामिल

दिगंबर जैन समाज के द्वारा निकाली गई शोभायात्रा में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल एवं विधायक विवेक पटेल भी अपने साथियों के साथ शामिल हुए। जनप्रतिनिधियों ने जैन समाज के लोगों को दसलक्षण पर्युषण महापर्व की शुभकामनाएं दीं तथा श्री जी की पालकी के समक्ष पहुंचकर आशीर्वाद ग्रहण किया।उन्होंने क्षेत्र में सुख.शांति एवं समृद्धि की कामना करते हुए शोभायात्रा में कुछ दूरी तक सहभागिता की।शोभायात्रा में सुसज्जित भगवान श्री जी की पालकी विशेष आकर्षण का केंद्र रही। वहीं शोभायात्रा में शामिल घोड़ों ने भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया।घोड़ों पर सवार नन्हे.मुन्ने बालकों को देखने के लिए मार्ग के दोनों ओर लोगों की भीड़ नजर आई।बैंड.बाजे और धार्मिक वातावरण के बीच निकली शोभायात्रा ने नगरवासियों का ध्यान अपनी ओर खींचा। शोभायात्रा के दौरान राहगीर, दुकानदार एवं नगरवासी अपने घरों और प्रतिष्ठानों के सामने खड़े होकर धार्मिक आयोजन को देखते रहे। पूरे नगर में श्रद्धा एवं उल्लास का वातावरण बना रहा।

सीताखोह में आगजनी प्रभावित परिवारों से मिले विधायक पारधी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। कटंगी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम सीताखोह में मानिकलाल शरणागत एवं बिहारी लाल शरणागत के घरों में आग लगने की घटना सामने आई।आगजनी के कारण दोनों परिवारों को काफी नुकसान हुआ है घटना की जानकारी मिलने के बाद क्षेत्र में भी इस घटना को लेकर चिंता का माहौल है। घटना की जानकारी मिलने पर कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी मौके पर पहुंचे और प्रभावित परिवारों से मुलाकात की। उन्होंने परिवार के सदस्यों से चर्चा कर आगजनी की घटना के संबंध में जानकारी ली तथा आग से हुए नुकसान का जायजा लिया।इस दौरान पीड़ित परिवारों ने आगजनी के कारण घर में हुए नुकसान एवं आवश्यक घरेलू सामग्री के नुकसान की जानकारी विधायक को दी। विधायक पारधी ने पीड़ित परिवारों को ढांढस बंधाते हुए कहा कि अचानक हुई इस घटना से परिवारों को कठिन परिस्थिति का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि इस दु:ख की घड़ी में वे प्रभावित परिवारों के साथ खड़े हैं और नियमानुसार मिलने वाली सहायता उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक प्रयास किए जाएंगे। विधायक ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर आगजनी से हुए नुकसान का नियमानुसार आकलन करने तथा आवश्यक प्रक्रिया पूरी कर प्रभावित परिवारों को शासन के प्रावधानों के अनुसार सहायता उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि नुकसान का उचित मूल्यांकन कर आवश्यक कार्यवाही समय पर सुनिश्चित की जाए ताकि पीड़ित परिवारों को राहत मिल सके। आगजनी की इस घटना में हुए नुकसान का प्रशासनिक स्तर पर आंकलन किया जा रहा है। नियमानुसार प्रकिया पूर्ण होने के बाद प्रभावित परिवारों को शासन की राहत एवं सहायता संबंधी योजनाओं का लाभ मिलने की उम्मीद है।

गणेश पंडालों में पहुंचे राहुल गांधी विचार मंच जिलाध्यक्ष जावेद अली ने लिया आशीर्वाद

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर सहित क्षेत्र में आयोजित दस दिवसीय गणेशोत्सव पर्व श्रद्धा भक्ति और उत्साह के साथ मनाया गया। पर्व के अंतिम चरण में विभिन्न सार्वजनिक गणेशोत्सव पंडालों में हवन पूजन सहित धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इसी क्रम में राहुल गांधी विचार मंच के जिलाध्यक्ष जावेद अली ने नगर एवं क्षेत्र के विभिन्न गणेश पंडालों में पहुंचकर भगवान श्री गणेश के दर्शन किए और विधि विधान से पूजा अर्चना कर आशीर्वाद प्राप्त किया। जावेद अली ने ग्वालबंशी सेवा समिति के तत्वावधान में वार्ड क्रमांक ७ खंडवा सहित अन्य सार्वजनिक गणेशोत्सव पंडालों में पहुंचकर विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के दर्शन किए। इस दौरान उन्होंने पंडालों में आयोजित हवन पूजन कार्यक्रमों में भी सहभागिता की तथा गणेश भक्तों एवं आयोजन समितियों से मुलाकात कर पर्व की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जावेद अली ने भगवान श्री गणेश से संपूर्ण क्षेत्र में सुख.समृद्धि, खुशहाली, शांति एवं आपसी सौहार्द बनाए रखने की प्रार्थना की। साथ ही क्षेत्रवासियों के उत्तम स्वास्थ्य, उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की मंगल कामना की।

कांग्रेस जनसंपर्क कार्यालय में मनाई गई पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह की जन्म जयंती

पद्मेश न्यूज।वारासिवनी। वारासिवनी कांग्रेस जनसंपर्क कार्यालय में शनिवार को देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह की जन्म जयंती मनाई गई। जिसमें सर्वप्रथम समस्त कांग्रेसियों ने उनके छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित की। इस दौरान विधायक विवेक पटेल ने कहा कि देश के आर्थिक सुधारों के जनक, महान,अर्थशास्त्री,कुशल एवं ईमानदार प्रशासक के साथ सरल सहज व्यक्तिव्त के धनी,देश को मनरेगा,भोजन का अधिकार जैसी शानदार जनहितकारी नीतियां व अधिकार देने वाले भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉक्टर मनमोहन सिंह को आज हमारा देश याद कर रहा है। उन्होंने देश की अर्थव्यवस्था और सामाजिक न्याय को नई दिशा दी है। उनके राजनीति जीवन और उनके योगदान को बया करता उस एक कथन को हमेशा याद दिलाता है, वे जाने माने अर्थशास्त्री थे। देश सेवा के अमूल्य योगदान के देश उनको याद करता रहेगा। इस दौरान ब्लॉक अध्यक्ष जीतू राजपूत, रामकिशोर बिसेन, राजकुमार चौधरी,संदेश बिसेन, ईश्वरीय दामनकर, सोनिया नगपुरे,अमित थोटे, मनीष मरठे,गोलू लिल्हारे, राधेश्याम तूरकर, मुकेश दमाहे, विकास करपगए,आनंद डोंगरे,रीजनलाल बिसेन,शिवशक्ति सिंह सोलंकी, सर्वेश लिमजे सहित अन्य कांग्रेसजन मौजूद रहे।

भारत में रोजगार का महत्वपूर्ण साधन है पर्यटन उद्योग

देश के लिए बहुमूल्य विदेशी मुद्रा की कमाई करने में पर्यटन उद्योग का अच्छा खासा महत्व है। पर्यटन जिसे चिमनी विहीन उद्योग के नाम से भी जाना जाता हैं। आज भी लाखों लोगों को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार उपलब्ध करा रहा है। भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से है जहां कलात्मक, धार्मिक और प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर दर्शनीय स्थलों एवं कृतियों की कमी नहीं है। यही कारण है कि हजारों मील दूर रहने वाले विदेशी लोग भी पर्यटन के लिए यहां आने का लोभ छोड़ नहीं पाते हैं। यही नहीं देशी पर्यटक भी बड़ी तादाद में कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक फैले देश के विभिन्न पर्यटन केंद्रों पर देखे जा सकते हैं। विश्व पर्यटन दिवस मानाने का उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। विश्व पर्यटन दिवस मनाने से हमें पर्यटन के हम पर और हमारे आसपास की दुनिया पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाने में मदद मिलती है। इसमें विश्व भर में आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ नैतिक, सामाजिक विचार भी शामिल हैं। भारत में पर्यटन सबसे बड़ा सेवा उद्योग है। जहां इसका राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 6.23 प्रतिशत और भारत के कुल रोजगार में 8.78 प्रतिशत योगदान है। भारत में वार्षिक तौर पर 50 लाख विदेशी पर्यटकों का आगमन और 56 करोड़ घरेलू पर्यटकों द्वारा भ्रमण परिलक्षित होता है। विश्व पर्यटन दिवस एक वार्षिक आयोजन है। जिसका उद्देश्य वैश्विक उद्योग के रूप में पर्यटन के महत्व तथा इसके सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक और आर्थिक प्रभाव के बारे में जागरूकता को बढ़ावा देना है। संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (यूएनडब्ल्यूटीओ) ने विश्व पर्यटन दिवस की स्थापना की। 1980 से हर साल 27 सितंबर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इसी दिन यूनाइटेड नेशंस वर्ल्ड टूरिज्म ऑर्गनाइजेशन के कानूनों को अपनाया गया था। हर साल विश्व पर्यटन दिवस एक विशेष थीम के साथ मनाया जाता है। विश्व पर्यटन दिवस 2026 का आधिकारिक विषय (थीम) संयुक्त राष्ट्र पर्यटन के अनुसार पर्यटन क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन को अपनाना और कृत्रिम बुद्धिमत्ता के एकीकरण को बढ़ावा देना है। यह विषय इस बात पर प्रकाश डालता है कि कैसे आधुनिक तकनीक और नवाचार मिलकर पर्यटन के भविष्य को अधिक आधुनिक, पारदर्शी और सुलभ बना रहे हैं। विश्व यात्रा एवं पर्यटन परिषद (डब्ल्यूटीटीसी) की नवीनतम आर्थिक प्रभाव प्रवृत्ति रिपोर्ट के अनुसार भारत ने 2025 में विश्व की सबसे बड़ी पर्यटन अर्थव्यवस्थाओं में अपने पिछले दसवें स्थान से 8वें स्थान पर एक महत्वपूर्ण छलांग लगाई है। रिपोर्ट में वैश्विक यात्रा क्षेत्र में भारत के बढ़ते कद पर प्रकाश डाला गया है और अनुमान है कि अगले दशक में यह चौथे स्थान पर होगा। भारत का पर्यटन क्षेत्र 2025 में 231.6 अरब डॉलर का योगदान देगा जो बुनियादी ढाँचे, विपणन और सेवा वितरण में मज़बूत वृद्धि और रणनीतिक विकास को दर्शाता है। यह बढ़ता रुझान एक वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में भारत की क्षमता को रेखांकित करता है और आर्थिक विस्तार एवं रोज़गार को बढ़ावा देने में इस क्षेत्र की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करता है। यूरोपीय देश जर्मनी, यूनाइटेड किंगडम, फ्रांस, इटली और स्पेन प्रमुख खिलाड़ी बने हुए हैं। वहीं हांगकांग एसएआर, मलेशिया और फिलीपींस जैसे एशियाई गंतव्य पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में तेज़ी से अपनी पहचान बना रहे हैं।

पितरों को तर्पण -मृत्यु के बाद भव्य श्राद्ध,पर जीते-जी बुजुर्गों व माता-पिता की उपेक्षा क्यों?

डिजिटल पीढ़ी के सामने संस्कारों की सबसे बड़ी परीक्षा -अब संवेदनाओं की सामाजिक क्रांति जरूरी -समग्र व्यापक विश्लेषण

वैश्विक स्तरपर भारत की हजारों वर्षों पुरानी सभ्यता में माता-पिता,गुरु और पूर्वजों के प्रति कृतज्ञता को केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं,बल्कि जीवन-मूल्य माना गया है।इसी भावना का एक अत्यंत महत्वपूर्ण स्वरूप है पितृ पक्ष,जिसमें मनुष्य अपने दिवंगत पूर्वजों को स्मरण कर उनके प्रति श्रद्धा व्यक्त करता है।वर्ष 2026 में तिथियों को लेकर 26 और 27 सितंबर का कुछ भ्रम दिखाई दे रहा है,किंतु मीडिया में आई पंचांग गणना के अनुसार 26 सितंबर 2026,शनिवार को भाद्रपद पूर्णिमा और पूर्णिमा श्राद्ध है,जबकि मुख्य पितृ पक्ष का आरंभ 27 सितंबर 2026, रविवार को प्रतिपदा श्राद्ध से होगा और 10 अक्टूबर 2026,शनिवार को सर्वपितृ अमावस्या के साथ इसका समापन होगा।पूर्णिमा श्राद्ध 26 सितंबर को पितृ पक्ष से ठीक पहले पड़ता है।प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर की रात प्रारंभ होने के कारण भी दोनों तारीखों को लेकर भ्रम पैदा होता है।सर्वपितृ अमावस्या 10 अक्टूबर को है। इस प्रकार धार्मिक दृष्टि से 26 सितंबर का भी श्राद्ध संबंधी महत्व है,लेकिन प्रतिपदा से आरंभ होने वाला पितृ पक्ष 27 सितंबर से माना जाना अधिक सटीक है।परंतु मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र बताना चाहूंगा कि पितृ पक्ष 2026 का सबसे बड़ा प्रश्न पंचांग की तारीख नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक चरित्र की तारीख बदलने का है। जिस देश की संस्कृति 卐मातृ देवो भव,पितृ देवो भव का संदेश देती है,उसी समाज के सामने आज यह असहज प्रश्न खड़ा है कि कहीं हम मृत्यु के बाद माता-पिता के प्रति श्रद्धा प्रदर्शित करने में तो आगे नहीं बढ़ रहे, लेकिन उनके जीवित रहते हुए उनके लिए समय, संवाद, सम्मान और सहारा देने में पीछे तो नहीं हट रहे? तकनीकी और डिजिटल युग ने दुनिया को हथेली पर ला दिया है, परंतु कई परिवारों में एक ही घर के सदस्यों के बीच भावनात्मक दूरी बढ़ने की चिंता भी लगातार व्यक्त की जाती है।नई पीढ़ी शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय और वैश्विक अवसरों के कारण शहरों तथा विदेशों तक पहुंच रही है जो स्वयं में सकारात्मक सामाजिक-आर्थिक प्रगति है लेकिन इस प्रगति का अर्थ माता-पिता और बुजुर्गों से भावनात्मक संबंध समाप्त होना नहीं हो सकता।तकनीक समस्या नहीं है; समस्या तब है जब सुविधा संवेदना की जगह लेने लगे।

साथियों बात अगर हम 26 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक प्रत्येक दिन के श्राद्ध को समझने की करें तो 26 सितंबर 2026, शनिवार- पूर्णिमा श्राद्ध,27 सितंबर, रविवार-प्रतिपदा श्राद्ध, 28 सितंबर,सोमवार- द्वितीया श्राद्ध, 29 सितंबर, मंगलवार- तृतीया श्राद्ध और महाभरणी श्राद्ध 30 सितंबर,बुधवार- चतुर्थी और पंचमी श्राद्ध, 1 अक्टूबर, गुरुवार- षष्ठी श्राद्ध, 2 अक्टूबर, शुक्रवार- सप्तमी श्राद्ध, 3 अक्टूबर, शनिवार- अष्टमी श्राद्ध, 4 अक्टूबर, रविवार- नवमी श्राद्ध, 5 अक्टूबर, सोमवार- दशमी श्राद्ध, 6 अक्टूबर, मंगलवार- एकादशी श्राद्ध, 7 अक्टूबर, बुधवार- द्वादशी और मघा श्राद्ध, 8 अक्टूबर, गुरुवार- त्रयोदशी श्राद्ध, 9 अक्टूबर, शुक्रवार- चतुर्दशी श्राद्ध, 10 अक्टूबर शनिवार सर्वपितृ अमावस्या

साथियों,सोशल मीडिया पर समय-समय पर ऐसे मार्मिक वीडियो,समाचार और दावे सामने आते रहते हैं जिनमें कहीं वृद्ध माता-पिता को अकेला छोड़ने, कहीं बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और कहीं संतान द्वारा अंतिम समय में भी उपस्थित न हो पाने जैसी घटनाएं दिखाई जाती हैं। प्रत्येक वायरल वीडियो की स्वतंत्र सत्यता जांचे बिना उसे पूरे समाज का प्रतिनिधि तथ्य नहीं माना जा सकता, लेकिन ऐसी घटनाएं एक अत्यंत महत्वपूर्ण प्रश्न अवश्य खड़ा करती हैं,यदि माता-पिता जीवित रहते हुए हमारी उपस्थिति, प्रेम और सहारे के लिए तरसते रहें, तो उनके निधन के बाद विशाल आयोजन महंगे कर्मकांड और सार्वजनिक प्रदर्शन क्या उस अनुपस्थिति की भरपाई कर सकते हैं?श्राद्ध की आत्मा श्रद्धा है और श्रद्धा का पहला प्रमाण जीवित माता-पिता के प्रति व्यवहार होना चाहिए। मृत्यु के बाद फूल चढ़ाना सुंदर परंपरा हो सकती है, किंतु जीवन रहते हुए प्रेम के दो शब्द, साथ बैठकर भोजन, बीमारी में सेवा, नियमित संवाद और सम्मान कहीं अधिक जीवंत श्रद्धांजलि हैं।

साथियों,यहीं पितृ पक्ष का आध्यात्मिक संदेश आधुनिक सामाजिक विमर्श में असाधारण रूप से प्रासंगिक हो जाता है। यदि कोई व्यक्ति अपने बुजुर्ग माता-पिता को अकेलेपन,आर्थिक असुरक्षा या अपमान में छोड़कर बाद में भव्य श्राद्ध आयोजित करता है,तो समाज कोकर्मकांड के साथ उसके मूल उद्देश्य पर भी विचार करना चाहिए। इसका अर्थ धार्मिक अनुष्ठानों को कमतर आंकना नहीं है; बल्कि उनके भीतर निहित कर्तव्य, सेवा और कृतज्ञता को व्यवहार में उतारना है।जिस पिता ने अपनी आवश्यकताओं को सीमित करके संतान की शिक्षा पर खर्च किया, जिस मां ने अपना सुख त्यागकर बच्चों का भविष्य बनाया,उनके वृद्ध होने पर उन्हें बोझ समझना केवल पारिवारिक विफलता नहीं,बल्कि सामाजिक मूल्यों के क्षरण का संकेत है।विदेश या दूसरे शहर में रहना उपेक्षा का पर्याय नहीं होना चाहिए।आज वीडियो संवाद,तत्काल धन हस्तांतरण,स्वास्थ्य निगरानी और अनेक डिजिटल सुविधाएं उपलब्ध हैं;अर्थात वही तकनीक जिसे दूरी का कारण माना जाता है, सही उपयोग से माता-पिता के साथ संबंध मजबूत करने का माध्यम भी सटीकता से बन सकती है।

साथियों, हिंदू धार्मिक परंपरा में पितृ पक्ष केवल कर्मकांड का समय नहीं,बल्कि अपनी जड़ों की ओर लौटने, अपने अस्तित्व में पूर्वजों के योगदान को स्वीकार करने और अगली पीढ़ी तक कृतज्ञता के संस्कार पहुंचाने का अवसर है।धार्मिक मान्यता है कि इस अवधि में पितर सूक्ष्म रूप से अपने वंशजों के निकट आते हैं और श्रद्धापूर्वक किए गए तर्पण, पिंडदान, अन्नदान तथा श्राद्ध को स्वीकार कर आशीर्वाद देते हैं। इसे वैज्ञानिक तथ्य के बजाय धार्मिक आस्था और परंपरा के रूप में समझना उचित है। किंतु इसके पीछे छिपा सामाजिक और दार्शनिक संदेश सार्वभौमिक है,मनुष्य अकेला नहीं बनता; उसके वर्तमान के पीछे माता-पिता और अनेक पीढ़ियों का त्याग,परिश्रम, संस्कार और संघर्ष खड़ा होता है। यही कारण है कि पूर्वज- स्मरण की परंपराएं केवल भारत तक सीमित नहीं हैं।दुनियाँ की अनेक संस्कृतियों में अलग-अलग रूपों में दिवंगत पूर्वजों को स्मरण करने, उनकी कब्रों या स्मृति-स्थलों पर जाने और परिवार के साथ उनकी स्मृतियां साझा करने की परंपराएं मिलती हैं। इसलिए पितृ पक्ष को भारतीय संस्कृति के साथ-साथ मानवीय कृतज्ञता के व्यापक दर्शन के रूप में भी सटीकता से देखा जा सकता है।

साथियों,भारत में बुजुर्गों के अधिकारों को केवल नैतिकता के भरोसे नहीं छोड़ा गया है। माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों का भरण- पोषण तथा कल्याण अधिनियम, 2007 जैसी कानूनी व्यवस्था संतान और रिश्तेदारों की जिम्मेदारियों के प्रश्न को विधिक आयाम भी देती है। लेकिन प्रत्येक पारिवारिक संबंध को कानून के सहारे जीवित नहीं रखा जा सकता। अदालत आर्थिक भरण- पोषण का आदेश दे सकती है, परंतु माता के अकेलेपन को पुत्र के स्नेह में और पिता की प्रतीक्षा को बेटी के संवाद में परिवर्तित करने का आदेश कोई कानून नहीं दे सकता। उसके लिए संस्कारों की सामाजिक पुनर्जागृति आवश्यक है।विद्यालयों, परिवारों, धार्मिक- सामाजिक संस्थाओं और जनसंचार माध्यमों को मिलकर ऐसी चेतना विकसित करनी होगी जिसमें बच्चों को सफलता का अर्थ केवल उच्च वेतन, बड़ा पद और विदेश में नौकरी नहीं, बल्कि उन हाथों का सम्मान करना भी सिखाया जाए जिन्होंने उन्हें वहां तक पहुंचाया है।

साथियों,आज आवश्यकता किसी हिंसक अथवा टकराव पूर्ण क्रांति की नहीं, बल्कि संवेदनाओं की विराट सामाजिक क्रांति की है,ऐसी क्रांति जिसमें पितृ पक्ष के सोलह दिनों की श्रद्धा वर्ष के शेष दिनों में भी माता-पिता की सेवा में दिखाई दे।परिवार सप्ताह में कम-से-कम कुछ निश्चित समय बुजुर्गों के साथ संवाद के लिए निर्धारित करें; दूर रहने वाली संतान नियमित संपर्क रखे; स्वास्थ्य, आर्थिक सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता की जिम्मेदारी साझा की जाए; बच्चों को दादा-दादी और नाना-नानी के जीवन-संघर्ष की कहानियां सुनाई जाएं। इससे पीढ़ियों के बीच केवल संबंध नहीं, बल्कि अनुभव और संस्कारों का हस्तांतरण भी होगा। डिजिटल युग को दोष देने के बजाय डिजिटल साधनों को पीढ़ियों को जोड़ने वाला सेतु बनाना आज की वास्तविक आवश्यकता है।

अत: 27 सितंबर से 10 अक्टूबर 2026 तक का पितृ पक्ष हमारे सामने केवल पूर्वजों का श्राद्ध करने का अवसर नहीं, बल्कि आत्ममंथन का दर्पण लेकर आ रहा है। प्रश्न यह नहीं कि हमने पितरों के लिए कितने दीप जलाए, कितने लोगों को भोजन कराया अथवा कितना बड़ा अनुष्ठान किया; बड़ा प्रश्न यह है कि जब हमारे माता- पिता हमारे सामने थे, तब हमने उनके जीवन में कितनी रोशनी भरी? पितृ पक्ष की सार्थकता तभी पूर्ण होगी जब मृत्यु के बाद श्रद्धा के साथ जीवन रहते सेवा हमारी पारिवारिक संस्कृति का अटूट सिद्धांत बने। शायद आधुनिक भारत के लिए पितृ पक्ष का सबसे बड़ा संदेश यही है,श्राद्ध से पहले श्रद्धा, कर्मकांड से पहले कर्तव्य और मृत्यु के बाद सम्मान से पहले जीवन रहते माता-पिता का मान- सम्मान।

-किशन सनमुखदास भावनानी

डेंगू के खिलाफ लड़ाई में बड़ी जीत

वैज्ञानिक प्रगति से विकसित भारत की स्वास्थ्य सुरक्षा को मिली नई ताकत डेंगू के खिलाफ भारत की लड़ाई अब एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई है। लंबे समय से देश में डेंगू एक गंभीर स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग इसकी चपेट में आते हैं और गंभीर स्थिति में यह बीमारी जानलेवा भी साबित होती है। ऐसे समय में भारत में डेंगू से बचाव के लिए पहली वैक्सीन के आने की खबर स्वास्थ्य क्षेत्र के साथ आम लोगों के लिए भी बड़ी राहत और उम्मीद लेकर आई है। जापान की टेकेडा फार्मास्युटिकल्स और हैदराबाद की डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुए समझौते के बाद टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन को भारत के निजी बाजार में उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। कंपनियों के अनुसार यह वैक्सीन वर्ष 2027 की पहली छमाही में भारत में उपलब्ध हो सकती है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में आना केवल चिकित्सा क्षेत्र की एक उपलब्धि नहीं है, बल्कि वैज्ञानिक अनुसंधान की लंबी यात्रा का परिणाम भी है। डेंगू मच्छर से फैलने वाली बीमारी है और इसके प्रसार को रोकना आसान नहीं रहा है। मानसून के दौरान जगह-जगह पानी जमा होने से मच्छरों के प्रजनन की स्थिति बनती है और इसके साथ डेंगू का खतरा भी बढ़ जाता है। देश के बड़े शहरों से लेकर छोटे कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक डेंगू के मामले सामने आते रहे हैं। इसलिए इस बीमारी से बचाव के लिए वैक्सीन का विकल्प उपलब्ध होना सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जा सकता है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज और टेकेडा फार्मास्युटिकल्स के बीच हुआ समझौता भारत में इस वैक्सीन की उपलब्धता की दिशा में अहम कदम है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज बच्चों और वयस्कों के लिए निजी बाजार में क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रचार और वितरण की जिम्मेदारी संभालेगी। वैक्सीन की कीमत के बारे में अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इसलिए आम लोगों के लिए इसकी पहुंच कितनी व्यापक होगी, यह आने वाले समय में स्पष्ट होगा। किसी भी वैक्सीन को बड़ी आबादी तक पहुंचाने में कीमत, उपलब्धता, चिकित्सकीय सलाह और जागरूकता महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। डेंगू की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि इसके लक्षण कई बार सामान्य बुखार जैसे दिखाई दे सकते हैं। तेज बुखार, सिरदर्द, शरीर में दर्द और कमजोरी जैसे लक्षणों के कारण शुरुआत में बीमारी की गंभीरता का अंदाजा लगाना कठिन हो सकता है। गंभीर मामलों में मरीज को अस्पताल में उपचार की आवश्यकता पड़ सकती है। यही कारण है कि डेंगू के प्रति जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय सलाह लेना बहुत जरूरी है। वैक्सीन की उपलब्धता इस बीमारी से बचाव की रणनीति में एक नया विकल्प जोड़ सकती है। वैज्ञानिकों के लिए डेंगू के खिलाफ वैक्सीन विकसित करना लंबे समय से चुनौतीपूर्ण कार्य रहा है। डेंगू वायरस के अलग-अलग प्रकार होते हैं और बीमारी की जटिल प्रकृति के कारण प्रभावी टीका विकसित करने के लिए व्यापक अनुसंधान की आवश्यकता रही है। क्यूडेंगा का विकास भी इसी वैश्विक वैज्ञानिक प्रयास का हिस्सा है। भारत में इसके आने की तैयारी यह दर्शाती है कि आधुनिक चिकित्सा विज्ञान लगातार ऐसी बीमारियों के खिलाफ नए समाधान खोज रहा है, जो दशकों से मानव स्वास्थ्य के लिए चुनौती बनी हुई हैं। भारत के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि देश की विशाल आबादी को देखते हुए सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौतियां भी बहुत बड़ी हैं। यहां किसी बीमारी से निपटने के लिए केवल अस्पताल और दवाइयां पर्याप्त नहीं हैं। रोकथाम, जागरूकता और समय पर उपचार को भी समान महत्व देना पड़ता है। डेंगू के मामले में यह बात और अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि मच्छरों के प्रजनन को रोकने के लिए नागरिकों, स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग को मिलकर काम करना पड़ता है। घर और आसपास पानी जमा नहीं होने देना, साफ-सफाई बनाए रखना और मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना डेंगू की रोकथाम के महत्वपूर्ण उपाय हैं। वैक्सीन उपलब्ध होने के बाद भी इन उपायों की आवश्यकता बनी रहेगी। टीकाकरण बीमारी से बचाव की व्यवस्था को मजबूत कर सकता है, लेकिन स्वच्छता और मच्छर नियंत्रण की भूमिका समाप्त नहीं होगी। इसलिए डेंगू के खिलाफ प्रभावी लड़ाई के लिए वैज्ञानिक टीकाकरण के साथ जनजागरूकता और स्थानीय स्तर पर रोकथाम के प्रयासों को भी लगातार मजबूत करना होगा। भारत ने पिछले वर्षों में चिकित्सा और विज्ञान के क्षेत्र में अपनी क्षमता का विस्तार किया है। दवाइयों के उत्पादन से लेकर वैक्सीन निर्माण और जैव प्रौद्योगिकी तक भारतीय वैज्ञानिकों और कंपनियों ने अपनी मजबूत उपस्थिति दर्ज कराई है। कोरोना महामारी के दौरान भारत ने बड़े स्तर पर टीकों का निर्माण और वितरण करके अपनी उत्पादन क्षमता का परिचय दिया था। आज देश स्वास्थ्य संबंधी अनेक चुनौतियों के समाधान के लिए आधुनिक विज्ञान और अनुसंधान पर अधिक जोर दे रहा है। डेंगू वैक्सीन की उपलब्धता इसी दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है। यह उपलब्धि विकसित भारत की उस तस्वीर को भी सामने रखती है जिसमें वैज्ञानिक अनुसंधान का लाभ सीधे आम नागरिक के जीवन तक पहुंचता है। किसी देश की प्रगति केवल सड़क, रेल, उद्योग और तकनीक के विकास से नहीं मापी जाती, बल्कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना भी विकास का महत्वपूर्ण आधार है। स्वस्थ नागरिक ही शिक्षा, रोजगार, उद्योग और राष्ट्र निर्माण में अपनी पूरी क्षमता के साथ योगदान दे सकते हैं। इसलिए डेंगू जैसी बीमारी के खिलाफ सुरक्षा बढ़ाने वाला हर वैज्ञानिक प्रयास देश की सामाजिक और आर्थिक प्रगति से जुड़ा हुआ है। डेंगू से होने वाली बीमारी का असर केवल मरीज तक सीमित नहीं रहता। परिवार को उपचार का खर्च उठाना पड़ सकता है और गंभीर बीमारी की स्थिति में कामकाज तथा बच्चों की पढ़ाई भी प्रभावित होती है। यदि बीमारी के गंभीर मामलों को रोकने में सफलता मिलती है तो इसका लाभ परिवार और समाज दोनों को मिलेगा। वैक्सीन की उपलब्धता से बीमारी की रोकथाम के क्षेत्र में नई संभावनाएं पैदा हो सकती हैं। हालांकि इसके प्रभाव और व्यापक उपयोग का वास्तविक आकलन भारत में इसके उपयोग और उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर आगे किया जाएगा। नई वैक्सीन को लेकर लोगों तक सही जानकारी पहुंचाना भी जरूरी होगा। वैक्सीन किन आयु वर्गों के लिए है, कितनी खुराक आवश्यक हैं, किन लोगों को चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए और इसके उपयोग को लेकर क्या दिशा-निर्देश हैं, इसकी जानकारी विशेषज्ञों तथा स्वास्थ्य संस्थाओं के माध्यम से स्पष्ट रूप से लोगों तक पहुंचनी चाहिए। किसी भी चिकित्सा उपाय को लेकर अफवाहों के बजाय वैज्ञानिक तथ्यों को महत्व देना जरूरी है। जागरूकता बढ़ने से लोग बीमारी की रोकथाम और उपचार के प्रति अधिक सजग हो सकेंगे। डेंगू वैक्सीन की दिशा में हुई प्रगति भारत की वैज्ञानिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

यह उन वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं और चिकित्सा विशेषज्ञों की मेहनत का परिणाम है जिन्होंने वर्षों तक ऐसी बीमारी के खिलाफ समाधान खोजने का प्रयास किया। आज भारत में आधुनिक चिकित्सा विज्ञान का विस्तार हो रहा है और देश स्वास्थ्य सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहा है। यह प्रगति बताती है कि विज्ञान के माध्यम से उन चुनौतियों का समाधान भी खोजा जा सकता है जिन्हें कभी बेहद कठिन माना जाता था। भारत में क्यूडेंगा के आने की तैयारी डेंगू के खिलाफ लड़ाई को एक नया आयाम दे सकती है। हालांकि बीमारी को पूरी तरह नियंत्रित करने के लिए वैक्सीन के साथ मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, जागरूकता और समय पर उपचार सभी आवश्यक रहेंगे। सरकार, स्वास्थ्य संस्थाओं, चिकित्सकों और आम नागरिकों के सामूहिक प्रयास से ही डेंगू के प्रभाव को कम किया जा सकता है। भारत की पहली डेंगू वैक्सीन का देश में उपलब्ध होने की दिशा में बढ़ना निश्चित रूप से स्वास्थ्य सुरक्षा के क्षेत्र में नई उम्मीद जगाता है। यह वैज्ञानिक मेहनत, अनुसंधान और आधुनिक चिकित्सा की बढ़ती क्षमता का प्रमाण है। देश जिस तेजी से विज्ञान और तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहा है, उसमें स्वास्थ्य क्षेत्र की ऐसी उपलब्धियां विकसित भारत की यात्रा को और मजबूत करती हैं। डेंगू के खिलाफ यह कदम केवल बीमारी से बचाव की उम्मीद नहीं है, बल्कि यह विश्वास भी मजबूत करता है कि निरंतर वैज्ञानिक प्रयासों से देश अपने नागरिकों के लिए अधिक सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य तैयार कर सकता है।

- कांतिलाल मांडोत

टकराव के बीच अमेरिका- चीन मिलन के कूटनीतिक समझौते

-सौरभ वार्ष्णेय

विश्व राजनीति में अमेरिका और चीन के संबंध इस समय एक ऐसे दौर से गुजर रहे हैं, जहां टकराव और संवाद दोनों साथ-साथ दिखाई दे रहे हैं। एक ओर दोनों देश व्यापार, तकनीक, ताइवान, दुर्लभ खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक प्रभाव के विस्तार को लेकर एक-दूसरे के सामने खड़े हैं, तो दूसरी ओर आर्थिक हित उन्हें बातचीत की मेज पर भी ला रहे हैं। यही विरोधाभास आज के बदलते वैश्विक शक्ति संतुलन की सबसे बड़ी तस्वीर है। अमेरिका और चीन की हालिया नजदीकी को केवल मित्रता के रूप में देखना जितना गलत होगा, उतना ही इसे महज दिखावटी कूटनीति मान लेना भी उचित नहीं होगा। वास्तविकता यह है कि दोनों महाशक्तियां यह समझ रही हैं कि लगातार बढ़ता टकराव किसी एक पक्ष के हित में नहीं है। दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ने का असर केवल वाशिंगटन और बीजिंग तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, आपूर्ति शृंखलाओं, निवेश और विकास की गति पर पड़ता है।

यही कारण है कि तीखे बयानों और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के बावजूद संवाद के दरवाजे खुले रखे जा रहे हैं। अमेरिका अपनी आर्थिक और तकनीकी बढ़त को सुरक्षित रखना चाहता है, जबकि चीन अपने औद्योगिक विस्तार, निर्यात बाजार और तकनीकी विकास के लिए स्थिर अंतरराष्ट्रीय वातावरण चाहता है। दोनों के हितों में टकराव है, लेकिन उनकी आर्थिक आवश्यकताएं उन्हें एक-दूसरे से पूरी तरह अलग होने की अनुमति नहीं देतीं।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आज अमेरिका और चीन की प्रतिस्पर्धा केवल व्यापार तक सीमित नहीं रह गई है। तकनीक इस संघर्ष का नया केंद्र बन चुकी है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, दूरसंचार, इलेक्ट्रिक वाहन, उन्नत विनिर्माण और दुर्लभ खनिज जैसे क्षेत्र अब आर्थिक विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय सुरक्षा से भी जुड़े हुए हैं। अमेरिका चीन की तकनीकी क्षमता और औद्योगिक विस्तार को लेकर सतर्क है, वहीं चीन अमेरिकी तकनीकी प्रतिबंधों को अपने विकास के रास्ते में बाधा के रूप में देखता है।

इसके बावजूद दोनों देशों के बीच बातचीत का जारी रहना अपने आप में महत्वपूर्ण है। इसका अर्थ यह नहीं कि दोनों के बीच रणनीतिक अविश्वास समाप्त हो गया है। बल्कि इसका अर्थ यह है कि दोनों देश अपने मतभेदों को नियंत्रित रखने और उन क्षेत्रों में समझ बनाने की कोशिश कर रहे हैं जहां परस्पर हित जुड़े हुए हैं।

ताइवान का मुद्दा इस रिश्ते की सबसे संवेदनशील परीक्षा है। व्यापार और आर्थिक मामलों में समझ विकसित हो सकती है, लेकिन ताइवान को लेकर अमेरिका और चीन की रणनीतिक सोच में मूलभूत अंतर मौजूद है। इसी तरह दक्षिण चीन सागर, तकनीकी प्रतिस्पर्धा और वैश्विक प्रभाव के विस्तार को लेकर भी दोनों देशों के बीच मतभेद आसानी से समाप्त होने वाले नहीं हैं। इसलिए वर्तमान नजदीकी को स्थायी दोस्ती की शुरुआत मानना जल्दबाजी होगी।

असल में अमेरिका और चीन के संबंधों में एक नई तरह की कूटनीति दिखाई दे रही है । प्रतिस्पर्धा के साथ सह-अस्तित्व की कूटनीति। दोनों देश एक-दूसरे के प्रभाव को सीमित करना चाहते हैं, लेकिन पूर्ण टकराव से भी बचना चाहते हैं। वे व्यापार करना चाहते हैं, लेकिन रणनीतिक निर्भरता कम करना चाहते हैं। वे संवाद चाहते हैं, लेकिन अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी हितों से समझौता करने के लिए तैयार नहीं हैं।यही स्थिति आने वाले समय की विश्व राजनीति को भी प्रभावित करेगी। यदि अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव नियंत्रित रहता है तो वैश्विक बाजारों को कुछ स्थिरता मिल सकती है। इसके विपरीत यदि शुल्क युद्ध फिर तेज होता है तो उसका असर विकासशील देशों पर भी पड़ेगा। महंगाई, आपूर्ति शृंखला और निर्यात बाजारों में अस्थिरता बढ़ सकती है।

भारत के लिए इस बदलते समीकरण को समझना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। भारत अमेरिका के साथ रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ा रहा है, वहीं चीन भारत का पड़ोसी और एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है। ऐसे में भारत के लिए किसी एक शक्ति-गुट का हिस्सा बनने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों के आधार पर संतुलित और स्वतंत्र विदेश नीति को आगे बढ़ाना अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है।

अमेरिका और चीन के बीच यदि तनाव कम होता है तो भारत के लिए वैश्विक आर्थिक स्थिरता का वातावरण बन सकता है। वहीं यदि दोनों देशों के बीच प्रतिस्पर्धा बनी रहती है तो भारत के सामने विनिर्माण, आपूर्ति शृंखला और निवेश के क्षेत्र में अवसर भी पैदा हो सकते हैं। लेकिन इन अवसरों को हासिल करने के लिए भारत को अपनी उत्पादन क्षमता, तकनीकी दक्षता और निर्यात प्रतिस्पर्धा को मजबूत करना होगा।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि अमेरिका और चीन की यह नजदीकी कितने समय तक टिकती है। क्या यह वास्तविक समझ की दिशा में कदम है या केवल तत्काल आर्थिक दबावों को कम करने की रणनीति? इसका उत्तर आने वाला समय देगा। दोनों देशों के बीच कई ऐसे मुद्दे हैं जिन पर सहमति बनना आसान नहीं है। इसलिए किसी एक बैठक या अस्थायी समझौते को स्थायी परिवर्तन का संकेत मानना उचित नहीं होगा।

फिर भी एक बात स्पष्ट है आज की दुनिया में महाशक्तियां भी एक-दूसरे से पूरी तरह कटकर नहीं चल सकतीं। आर्थिक परस्पर निर्भरता, वैश्विक व्यापार, तकनीकी विकास और साझा चुनौतियां उन्हें संवाद के लिए मजबूर करती हैं। यही कारण है कि अमेरिका और चीन के बीच टकराव के बावजूद बातचीत का सिलसिला जारी है।

अमेरिका और चीन की वर्तमान नजदीकी का सबसे बड़ा संदेश यही है कि विश्व राजनीति अब केवल शक्ति प्रदर्शन से नहीं, बल्कि शक्ति और आवश्यकता के संतुलन से संचालित हो रही है।दोनों देश प्रतिस्पर्धी हैं, लेकिन एक-दूसरे की आर्थिक और वैश्विक भूमिका की अनदेखी नहीं कर सकते। इसलिए इस नजदीकी को दोस्ती या दुश्मनी के पुराने पैमाने पर देखने के बजाय बदलती विश्व व्यवस्था के संकेत के रूप में समझना चाहिए। आने वाले वर्षों में अमेरिका और चीन के बीच संबंधों का स्वरूप वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले प्रमुख कारकों में रहेगा। भारत के लिए चुनौती यह होगी कि वह इस बदलते समीकरण में अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखते हुए आर्थिक और कूटनीतिक अवसरों का अधिकतम लाभ उठाए।

अमेरिका और चीन की नजदीकी इसलिए केवल दो देशों के रिश्तों की कहानी नहीं है। यह बदलती विश्व व्यवस्था की कहानी है . जहां प्रतिद्वंद्विता खत्म नहीं हुई है, लेकिन टकराव को नियंत्रित करने की आवश्यकता पहले से कहीं अधिक बढ़ गई है।

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। लेवाली के चलते शनिवार को अनाज मंडी में चने में बाजार उछाल पर रहे। उड़द व मूंग में मजबूती बनी। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 5700 रू. क्विंटल के रहे। किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार चने में स्टॉकिस्ट बिकवाली कमजोर है। लेवाली अच्छी रहने से भावों में तेजी आयी। चना बढ़िया मालों में 7100-7200 रू. प्रति क्विंटल पर आ गया। उड़द व मूंग में टिकाव रहा। खाद्य तेलों में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। तिलहनों में सोयाबीन बाजार 5700 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। उधर, किराना जिंसों में शक्कर सुस्त रही। खोपरा गोला व नारियल में बाजार बने रहे। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 4720-4800, खोपरा गोला 340-400, खोपरा बूरा 3150-5800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 230-250, सांगली 310-320, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 775-785, गारबल्ड 755-760, मटरदाना 800-900, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 1050-1150, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची शंकर 3000-3300, मीडि?यम 3500-3600, बेस्ट 4400-4600, एक्ट्रा बेस्ट 4600-4800, पानबार 3000-3200, बड़ी इलायची 1350-1650, तरबूज मगज 480-520, काजू (240) 940-960, काजू (320) 910-920, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1065-1150, सिंगापुरी 980-1000, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1000, बेस्ट 1250-1300, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3200, (160) 3400, (200) 3700, (250) 4500,

तेल- सींगदाना 1760-1780, मुम्बई 1790, राजकोट तेलिया 2750, सोया साल्वेंट 1350-1355, सोया रिफाइंड 1410-1415, कपास्या 1520, धूलिया 1510, कड़ी 1520,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1725, मुम्बई पाम 1460, मुम्बई सोया 1450,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8000, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 5700, टोली (महुआ बीज) 5700-5900, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 7100-7200, विशाल 6900-7000, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000-6100, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7000-8400, एवरेज 7600-7700, हल्की 7500-7600, महाराष्ट्र सफेद 8900-9100, महाराष्ट्र लाल 9300-9500, कर्नाअक 9400-9600, उड़द बेस्ट 9200-9500, उड़द गर्मी 8800-9200, ग्रेविटी क्लीन 9500-9900, हल्की 4000-6000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000-9500, बासमती दुबार 8000-8500, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11800, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 360, उज्जैन 310, रतलाम 300 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार ठंडा-ठंडा ही रहा। दोनों ही मूल्यवान धातुओं में बाजार आंशिक तेजी नज़र आयी। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 232000, चाँदी (99) 231900, टंच 231200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 150200,

कैट ने नो यूपीआई डे के आह्वान की खबरों का खंडन किया

नई दिल्ली। एजेंसी। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने उन मीडिया रिपोर्टों को सिरे से खारिज कर दिया है जिनमें यह दावा किया गया था कि संगठन ने 2 अक्टूबर को देशव्यापी नो यूपीआई डे का आह्वान किया है। कैट ने एक बयान जारी कर इन खबरों को तथ्यात्मक रूप से गलत और भ्रामक करार दिया, जिससे संगठन के रुख को लेकर पैदा हुए भ्रम को दूर किया जा सके। संगठन ने स्पष्ट किया कि कुछ मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पोस्ट में 15 अक्टूबर से 2,000 रुपए से अधिक के चुनिंदा यूपीआई लेनदेन पर प्रस्तावित मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) के विरोध में कैट द्वारा नो यूपीआई डे की घोषणा की बात कही जा रही थी। कैट ने कहा, ये खबरें पूरी तरह गलत और भ्रामक हैं तथा कैट के आधिकारिक रुख को प्रतिबिंबित नहीं करती हैं।

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने हफ्ते भर बिगाड़ी बाजार की चाल

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिला। जहां सप्ताह की शुरुआत मजबूत संकेतों और निवेशकों के उत्साह के साथ हुई, वहीं कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और वैश्विक चिंताओं ने बाजार की चाल बिगाड़ दी, जिसके परिणामस्वरूप प्रमुख सूचकांकों में सप्ताह के अंत तक तेज गिरावट दर्ज की गई। निवेशकों की पूंजी पर अनिश्चितता के बादल छाए रहे और सप्ताह का समापन लाल निशान में हुआ। सप्ताह की शुरुआत सोमवार को उत्साहजनक रही। शुरुआती कारोबार में प्रमुख सूचकांकों ने जोरदार बढ़त दर्ज की, जहां बीएसई सेंसेक्स 400 अंक से अधिक चढ़कर 74,700 के करीब पहुंचा। दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 564.03 अंक बढ़कर 74,858.99 पर बंद हुआ, वहीं एनएसई निफ्टी भी 67.90 अंक की वृद्धि के साथ 23,414.30 के स्तर पर पहुंच गया। मंगलवार को भी बाजार ने मजबूत शुरुआत की, सेंसेक्स 101.79 अंक और निफ्टी 37.46 अंक की बढ़त के साथ खुले, लेकिन यह तेजी ज्यादा देर तक नहीं टिकी। आईटी और अन्य प्रमुख क्षेत्रों में बिकवाली के दबाव से बाजार शुरुआती बढ़त गंवाकर गिरावट के साथ बंद हुए। सेंसेक्स 329.91 अंक टूटकर 74,529.08 पर और निफ्टी 85.30 अंक

गिरकर 23,329 पर आ गया। सप्ताह के सबसे बड़े झटके के तौर पर गुरुवार का दिन रहा, जब भारतीय शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। कच्चे तेल की कीमतों का 100 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण स्तर को पार करना इस बिकवाली का मुख्य कारण रहा। वैश्विक बाजारों के साथ-साथ भारतीय इक्विटी बाजार भी इससे प्रभावित हुआ। बिकवाली के भारी दबाव के चलते बीएसई सेंसेक्स 1,247.71 अंक की रिकॉर्ड गिरावट के साथ 73,580.54 पर बंद हुआ। वहीं एनएसई निफ्टी भी 383.70 अंक फिसलकर 23,063.10 के स्तर पर आ गया। शुक्रवार को वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बीच बाजार में हल्की रिकवरी देखने को मिली। सेंसेक्स 155.82 अंक बढ़कर 73,736.36 पर और निफ्टी 32.60 अंक बढ़कर 23,095.70 पर बंद हुए, लेकिन कच्चे तेल की ऊंची कीमतें और वैश्विक बांड यील्ड का बढ़ता दबाव लाभ को सीमित करता रहा। आईटी शेयरों में गिरावट का सिलसिला जारी रहा, जो बाजार के लिए चिंता का विषय बना रहा। कुल मिलाकर, यह सप्ताह भारतीय बाजारों के लिए अप्रत्याशित रहा, जहां शुरुआती तेजी के बावजूद, कच्चे तेल की कीमतों में उछाल और भू-राजनीतिक चिंताओं ने निवेशकों की धारणा को नकारात्मक रूप से प्रभावित किया, जिससे सेंसेक्स लगभग 1120 अंक और निफ्टी लगभग 320 अंक की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुए।

बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत 2.88 लाख करोड़ बढ़ी

नई दिल्ली। एजेंसी। देश में 150 करोड़ रुपए से अधिक की कुल 1,731 बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की लागत में 2,88,122 करोड़ रुपए की भारी वृद्धि दर्ज की गई है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) की अगस्त 2026 की मासिक रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई है। इन परियोजनाओं की मूल अनुमानित लागत 30.71 लाख करोड़ रुपए थी, जो अब संशोधित होकर 33.60 लाख करोड़ रुपए हो गई है। रिपोर्ट के अनुसार, 17 केंद्रीय मंत्रालयों और विभागों की निगरानी में चल रही इन परियोजनाओं पर अब तक 16.33 लाख करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं, जो संशोधित कुल लागत का 48.59 प्रतिशत है। कुल 647 परियोजनाओं में 80 प्रतिशत से अधिक भौतिक प्रगति दर्ज की गई है, जबकि 312 में इतनी ही वित्तीय प्रगति हुई है। परिवहन एवं लॉजिस्टिक क्षेत्र में सर्वाधिक 1,191 परियोजनाएं हैं, जिनकी संशोधित लागत 16.05 लाख करोड़ रुपए है। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय के पास सबसे अधिक 982 परियोजनाएं (संशोधित लागत 9.52 लाख करोड़ रुपए) हैं। इसके बाद रेल मंत्रालय (147 परियोजनाएं, 3.14 लाख करोड़ रुपए) और कोयला मंत्रालय (122 परियोजनाएं, 2.22 लाख करोड़ रुपए) का स्थान है। मंत्रालय ने बताया कि बड़ी संख्या में परियोजनाएं या तो शुरुआती चरण में हैं या पूरा होने के करीब हैं।

भारत के समक्ष ट्रिपल चुनौती- सीईए ने यूएस संबंध, ऊर्जा, एआई को प्रमुख खतरा बताया

नई दिल्ली। एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने भारत के समक्ष मौजूद तीन प्रमुख चुनौतियों- अमेरिका के साथ अस्थिर संबंध, अनिश्चित ऊर्जा बाजार और देश में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) क्षेत्र की अनुपस्थिति को रेखांकित किया। उन्होंने इन चुनौतियों से निपटने के लिए रणनीतिक सुरक्षा उपायों और एआई के क्षेत्र में मजबूत क्षमता रखने वाली विदेशी कंपनियों के साथ साझेदारी की आवश्यकता पर जोर दिया। नागेश्वरन ने एक कार्यक्रम में कहा कि अमेरिका के साथ अस्थिर संबंधों का भारत में पूंजी प्रवाह, विशेषकर पोर्टफोलियो निवेशकों से आने वाली पूंजी पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने अमेरिकी शुल्क, प्रतिबंध संबंधी कानूनों और व्यापार प्रतिबंधों को विभिन्न देशों पर बनाए जा रहे उस दबाव का हिस्सा बताया जिसके तहत उनसे किसी एक देश को चुनने को कहा जा रहा है। उनका यह बयान ऐसे समय आया है जब अमेरिका ने रूस से भारत की ऊर्जा खरीद के मामले में राष्ट्रपति को 100 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का अधिकार देने वाला एक कानून पारित किया है। सीईए ने स्पष्ट किया कि भारत की स्थिति, आकार और भौगोलिक परिस्थितियों को देखते हुए वह किसी एक पक्ष को चुनने का जोखिम नहीं उठा सकता। उन्होंने कहा ?कि इसलिए इसका जवाब जोखिम से बचाव हैॅ और इसकी बड़ी कीमत चुकानी होगी। सार्वजनिक और निजी क्षेत्र दोनों में निर्णय लेते समय इस लागत को ध्यान में रखना होगा। उन्होंने अनिश्चित ऊर्जा बाजार को भी एक बड़ी चुनौती बताया। एआई क्षेत्र की अनुपस्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए नागेश्वरन ने विदेशी कंपनियों के साथ मजबूत साझेदारी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया।

मेष- आज अपने गुस्से और शब्दों पर थोड़ा संयम रखना आपके लिए बेहद जरूरी रहेगा। छोटी-सी बात को लेकर दिया गया तीखा जवाब रिश्तों में अनावश्यक दूरी पैदा कर सकता है। हालांकि कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन सराहा जाएगा और वरिष्ठ अधिकारी आपकी मेहनत की प्रशंसा कर सकते हैं। सुख-सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी, लेकिन बढ़ते खर्चों पर नजर रखना जरूरी है।

वृषभ- आज कदम-कदम पर थोड़ी सावधानी आपके लिए फायदेमंद रहेगी। राजनीति या सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों को अपने फैसलों और व्यवहार को लेकर विशेष सतर्क रहना चाहिए। थकान महसूस हो सकती है, इसलिए शरीर को आराम देना जरूरी होगा। निवेश के मामले में किसी की बातों में आकर जल्दबाजी न करें और खानपान में भी लापरवाही से बचें।

मिथुन- आज का दिन आपके चेहरे पर मुस्कान लाने वाला साबित हो सकता है। लंबे समय से अटका हुआ पैसा वापस मिलने से आर्थिक स्थिति में राहत महसूस होगी। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई मामला भी आपके पक्ष में आगे बढ़ सकता है। किसी करीबी की आर्थिक मदद करने का अवसर मिलेगा। माता-पिता का आशीर्वाद आपके लिए रुके हुए कामों को गति देगा। यात्रा के दौरान बस अपने कीमती सामान को लेकर थोड़ी अतिरिक्त सावधानी बरतें।

कर्क- आज मेहनत का अच्छा परिणाम मिलने से आपका मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में वरिष्ठ अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और कई काम उम्मीद से जल्दी पूरे हो सकते हैं। आर्थिक मामलों में जल्दबाजी करने के बजाय सोच-समझकर कदम उठाना बेहतर रहेगा। परिवार के साथ बिताया समय रिश्तों में गर्माहट और अपनापन बढ़ाएगा।

सिंह- आज का दिन भले ही सामान्य रहे, लेकिन आपके लिए समय का सही उपयोग बहुत महत्वपूर्ण रहेगा। पुराने और अधूरे कामों को निपटाने पर ध्यान दें, इससे मन भी हल्का महसूस होगा। विदेश में पढ़ाई का सपना देख रहे विद्यार्थियों को कोई अच्छी खबर मिल सकती है। जीवनसाथी के लिए किया गया छोटा-सा सरप्राइज रिश्ते में नई मिठास भर देगा।

कन्या- आज आप ऊर्जा और उत्साह से भरे नजर आएंगे। घर में मेहमानों का आगमन माहौल को खुशनुमा बना सकता है और परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। व्यापार में कुछ उतार-चढ़ाव जरूर रहेंगे, लेकिन आपका आत्मविश्वास कमजोर नहीं होगा। भाग्य का साथ मिलने से कई मुश्किल काम भी आसानी से पूरे होते दिखाई देंगे। परिवार में शादी-विवाह से जुड़ी किसी रुकावट के दूर होने से खुशी का माहौल बनेगा और लंबे समय से चली आ रही चिंता कम होगी।

तुला- आज काम का बढ़ता दबाव आपको मानसिक रूप से थोड़ा थका सकता है, लेकिन इसी के साथ अपने व्यवहार और सोच में सकारात्मक बदलाव लाने का मौका भी मिलेगा। अच्छे भोजन और छोटी-छोटी खुशियां आपका मन हल्का करेंगी। संतान के व्यवहार को लेकर कुछ चिंता रह सकती है, इसलिए जल्द निष्कर्ष निकालने के बजाय प्यार से बात करें।

वृश्चिक- आज का दिन संतुलन बनाए रखने वाला रहेगा। कार्यक्षेत्र में नए अवसर सामने आ सकते हैं और किसी यात्रा की योजना भी बन सकती है। धार्मिक या आध्यात्मिक गतिविधियों में मन लगाने से भीतर से शांति और सकारात्मकता महसूस होगी। परिवार में किसी सदस्य की सेहत को लेकर चिंता हो सकती है, इसलिए उनकी जरूरतों पर ध्यान दें। समय और धन दोनों का समझदारी से इस्तेमाल करें। प्रॉपर्टी से जुड़ा कोई महत्वपूर्ण फैसला आज आपके सामने आ सकता है।

धनु- आज वैवाहिक जीवन में खुशियों और अपनापन बढ़ता हुआ नजर आएगा। जीवनसाथी की सफलता आपको गर्व और खुशी दोनों देगी। किसी महत्वपूर्ण निर्णय को लेने में आपका आत्मविश्वास मजबूत रहेगा और पिता भी आपके कामों से प्रसन्न नजर आ सकते हैं। कोई नई उपलब्धि आपके उत्साह को और बढ़ाएगी। विद्यार्थियों का किसी नए कोर्स या विषय की ओर आकर्षण बढ़ सकता है।

मकर- आज भाई-बहनों का साथ आपको भावनात्मक मजबूती देगा और परिवार में एकता का अनुभव होगा। आर्थिक मामलों में थोड़ी सतर्कता जरूरी है, खासकर बिना सोचे कोई बड़ा खर्च करने से बचें। आलस्य को अपने ऊपर हावी न होने दें, क्योंकि सक्रिय रहेंगे तो बेहतर अवसर आपके सामने आएंगे। नौकरी बदलने का विचार मन में जोर पकड़ सकता है।

कुंभ- आज आर्थिक दृष्टि से दिन उत्साह बढ़ाने वाला हो सकता है। आय के नए रास्ते खुलने से आपकी वित्तीय स्थिति मजबूत होने की संभावना है। दोस्तों का साथ आपके आत्मविश्वास को बढ़ाएगा और आपकी बातों का लोगों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। कोई नया काम शुरू करने का विचार है तो पहले उसकी पूरी योजना तैयार करें।

मीन- आज स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी सावधानी बरतना आपके लिए जरूरी रहेगा। कोई जरूरी काम बनते-बनते रुक सकता है, जिससे तनाव बढ़ेगा, लेकिन धैर्य बनाए रखने से स्थिति संभल जाएगी। लंबे समय से खोई या गुम हुई कोई प्रिय वस्तु वापस मिलने की खुशी मिल सकती है।

शब्दजाल - 8403

श	रा	अ	र	क्षा	बं	ध	न	झ	क	श
ना	वै	र	ह	र	म	त	द	हो	ली	त
ग	र	शा	झ	श	शि	हा	र	ल	ल	त्रा
पं	म	द	खी	श	मी	डो	शि	श	रा	क
च	र	द	ष	व	मि	री	श	व	र	ट
मी	ह	प	न	पे	पू	ह	न	शि	रा	ती
शं	र	म	अं	प	स	थ	दी	ल	बिं	त्रि
ब	रा	व	ल	ध	ड़	क	पा	कां	ज	दू
ग	ण	गौ	र	जी	ल	ड़ी	व	गो	र	द
र	ल	प	चा	गैं	ब	ल	ली	री	रु	थो
ग	णे	श	च	तु	र्थी	ब	श	त्रु	घ्न	ट

शब्दजाल में 'प्रमुख त्यौहारों' के 10 नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे, दाएं से बाएं एंव तिरछे हो सकते हैं

महाशिवरात्रि, रामनवमी, होली, दीपावली, गणगौर, गणेश चतुर्थी, नागपंचमी, नवरात्रा, रक्षाबंधन, वैशाखी

शब्दजाल - 8402 का हल

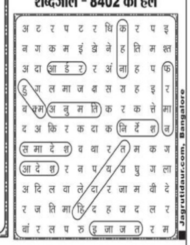

फिल्म वर्ग पहेली- 7337

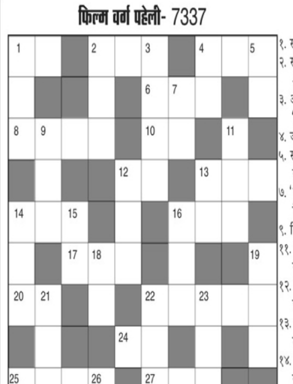

ऊपर से नीचे:-

१. सनी देओल, मीनाक्षी की फिल्म-३
२. संजयदत्त, जूही चावला की 'आलारे पाउस अला' गीत वाली फिल्म-३
३. आशुतोष गोवारीकर की बहुचर्चित फिल्म 'लगान' के संगीतकार कौन है-४
४. जीतेंद्र, रीना रामेश्वरी की फिल्म-२
५. संजय खान, मुमताज की 'ऐ हसीनों नाजनीनों' गीत वाली फिल्म-२
७. 'दिल मेरा अकेला' गीत वाली आमिर, फैजल, ट्विंकल की फिल्म-२
९. फिल्म 'मन की आँखें' की नायिका थी-३
११. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
१२. 'गोरिया रे गोरिया रे' गीत वाली जैकी, जूही, अमृता की फिल्म-३
१३. राजकपूर, नर्गिस की 'काहे कोयल शोर मचाये' गीत वाली फिल्म-२
१४. 'तन्हा तन्हा दिल धड़के' गीत वाली अक्षय कुमार, सोनाली की फिल्म-३
१५. 'अभिमान' में अमिताभ की नायिका-२
१६. राज बब्बर, रेखा की 'राधारानी ना जइयो' गीत वाली फिल्म-३
१८. राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
१९. 'बेचारा दिल क्या करे' गीतवाली फिल्म-३
२१. धर्मेन्द्र, राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
२२. 'कोयल बोली दुनिया डोली' गीत वाली फिल्म-४
२३. अमिताभ, संजीव, शर्मिला की फिल्म-३
२५. 'मैं तो हुँ पागल मुंडा' गीत वाली फिल्म-२
२६. संजयदत्त, सलमान, रवीना की फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. मनोज वाजपेयी, अरशद, तब्बू, की 'बाब मेरी ये' गीत वाली फिल्म-२
२. 'जीवन से भरी' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला टैगोर की फिल्म-३
४. सुनील शेट्टी, शिल्पा शेट्टी की 'हैलो हैलो बोलके' गीत वाली फिल्म-३
६. 'ऐसा मिलन कल हो ना' गीत वाली सैफअली, काजोल की फिल्म-३
८. कुमार गौरव, विजयेता की 'याद आ रही है' गीत वाली फिल्म-२,२
१०. 'आँखें' ती नायिका कौन थी-२
१२. 'दिल में छुपाके प्यार' गीत वाली दिलीपकुमार, निम्मी की फिल्म-२
१३. दिलीपकुमार, मीना की 'राधा ना बोले ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'किसी से तुम' गीत वाली लारा दत्ता, प्रियंका, अक्षय की फिल्म-३
१६. राजकपूर, राजेंद्र, वैजयंती की 'मैं क्या करूंराम' गीत वाली फिल्म-३
१७. 'छूकर मेंरे मन को' गीत वाली अमिताभ, अमजद, नीतू की फिल्म-३
२०. फिल्म 'कहानी किस्मत की' में धमेंद्र के साथ नायिका कौन थी-२
२२. नसीर, आमिर, सौनाली, उपासना की 'जो हाल दिल' गीत वाली फिल्म-५
२४. 'दिल में जागी धड़कन' गीत वाली लक्की अली, गौरी की फिल्म-२
२५. अशोककुमार के गाये बालगीत 'रेलगाड़ी रेलगाड़ी' वाली फिल्म-४
२७. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी देओल, अमीषा की फिल्म-३
२८. संजयदत्त, मनीषा की 'कसम से कसम से' गीत वाली फिल्म-३
२९. अजय, अभिषेक, रानी, एशा की 'कभी नीम नीम' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7336

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8282

बाएँ से दाएँ

1.वटवृक्ष, बट-4
4.मितव्यय,बचत-4
6. ......-सनाप, बेतुकी बकवास-3
8.भाड़ा-3
9.मृत्यु होना-3
11.खुशी, सहमत-2
13.अक्लमंद, समझ वाला-5
15.बलिदान, उत्सर्ग-2
16.जबान, जीभ, जिह्वा-3
18.गिरोह, मंडली, समूह-3
19.अपनापन, प्रेम, स्नेह-3
20.फूलना-फलना-4
22.अभिलाषा, आकांक्षा, हसरत-4

ऊपर से नीचे

1.कलंकित, निंदित, लांछित-3
2.दुख, शोक, अफसोस-2
3.खात्मा, समाप्ति, बर्बाद-3
4.मकान आदि भाड़े पर लेने वाला-5
5.संस्कृति, सभ्यता-4
7.स्पर्श, छूना-3
10.ख्याति अर्जित करना (मु.-2,3)
12.वह आरोप जो किसी आरोप के जवाब में किया जाय-4
14.परंपरा, नियम, चाल -3
17.ख्याति, जाना-पहचाना-3
18.माला आदि फैरना-3
21.जेबकतरा, ठग, डाकू-2

शब्द पहेली -8281 का हल

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

27 सितम्बर 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

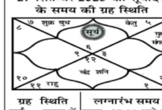

ग्रह	स्थिति
सूर्य	कन्या में
चंद्र	मीन में
मंगल	कर्क में
बुध	तुला में
गुरु	कर्क में
शुक्र	तुला में
शनि	मीन में
राहु	कुंभ में
केतु	सिंह में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
तुला	07.23 बजे से
वृश्चिक	09.37 ब.से
धनु	11.53 बजे से
मकर	13.58 बजे से
कुंभ	15.45 बजे से
मीन	17.18 बजे से
मेष	18.48 बजे से
वृष	20.28 बजे से
मिथुन	22.26 बजे से
कर्क	00.40 बजे से
सिंह	02.56 बजे से
कन्या	05.08 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 270 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** आश्विन (दक्षिण भारत में भाद्रपद) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** प्रतिपदा 20.59 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराभाद्रपदा 11.08 बजे को समाप्त। **योग** वृद्धि 11.17 बजे को समाप्त। **करण** बालव 09.43 बजे तदनन्तर कौलव 20.59 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 15.9 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 01° 33' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872845 **जूलियन दिन** 2461310.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** रवि उस्सानी **तारीख** 15 **विशेष** पितृपक्ष प्रारंभ, विश्व पर्यटन दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23 बजे तक		शुभ	05.36 से	07.09 बजे तक	
चर	07.23 से	08.51 बजे तक		अमृत	07.09 से	08.41 बजे तक	
लाभ	08.51 से	10.18 बजे तक		चर	08.41 से	10.14 बजे तक	
अमृत	10.18 से	11.46 बजे तक		रोग	10.14 से	11.46 बजे तक	
काल	11.46 से	01.14 बजे तक		काल	11.46 से	01.19 बजे तक	
शुभ	01.14 से	02.41 बजे तक		लाभ	01.19 से	02.51 बजे तक	
रोग	02.41 से	04.09 बजे तक		उद्वेग	02.51 से	04.24 बजे तक	
उद्वेग	04.09 से	05.36 बजे तक		शुभ	04.24 से	05.53 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः सेवा का संदेश

बहुत पुरानी कथा है। मिस्त्र में सेरापियो नामक एक संत रहते थे। दूसरों की सेवा करना ही उनके जीवन का एकमात्र मकसद था। उनके शरीर पर हमेशा मोटे कपड़े का एक चोगा होता था। जरूरत पड़ने पर दीन-दुखियों की सहायता के लिए वह उसे भी बेच दिया करते थे। सेरापियो में सेवा भावना इतनी प्रबल थी कि कई बार वह स्वयं को भी एक निश्चित अवधि के लिए बेचकर गरीबों को आर्थिक मदद पहुंचाते थे। उनका यह आचरण सबके लिए आश्चर्य का विषय था। एक बार उनकी अपने घनिष्ठ मित्र से भेंट हुई। उन्हें बिल्कुल फटेहाल देखकर वह चकित रह गया। उसने प्रश्न किया, 'भाई, आपको नंगा और भूखा रहने के लिए कौन विवश करता है?' संत ने उत्तर दिया 'गरीब और असहाय लोगों की दशा देखकर मुझसे रहा नहीं जाता। मेरी धर्म पुस्तक का आदेश है कि दीन-दुखियों की सेवा के लिए अपनी सारी वस्तुएं बेच डालो। मैंने ईश्वर की आज्ञा के पालन को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाया है।' मित्र ने पूछा, 'पर आपकी धर्म पुस्तक कहां है?' संत बोले, 'मैंने असहायों की सहायता के लिए उसे भी बेच दिया है। जो पुस्तक सेवा के लिए सारे सामान बेच देने का आदेश देती है, जरूरत पड़ने पर उसको भी बेचा जा सकता है। इसके दो लाभ हैं, पहला जिसके हाथों में ऐसी दिव्य पुस्तक पड़ेगी, उसकी त्याग-वृत्ति निखर उठेगी और दूसरा, पुस्तक के बदले जो पैसे मिलेंगे, उनसे जरूरतमंदों की सेवा भी हो सकेगी।' उनकी बात सुनकर मित्र सोच में पड़ गया और कुछ ही दिनों बाद उसने भी सेरापियों की राह पकड़ ली।

सूडोकु नवताल- 7646

★★★✯☆ मध्यम

5					9	6		
						1	4	
			2	8				
			8				5	2
6								7
1	4				3			
				4	1			
	2	5						
		3	7					4

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7645 का हल

3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

गणेशी तालाब पर मंडरा रहा खतरा

नगर परिषद की जल निकासी व्यवस्था पर सवाल, दो दिनों की बारिश से लबालब तालाब और नालियां, समय रहते निकासी व्यवस्था दुरुस्त करना नगर परिषद की जिम्मेदारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। चक्रवाती तूफान के प्रभाव से क्षेत्र में पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश ने नगर की जल निकासी व्यवस्था की हकीकत सामने ला दी है। क्षेत्र के अधिकांश तालाब लबालब भरकर ओवरफ्लो होने लगे हैं, वहीं नगर परिषद कार्यालय के समीप स्थित प्रमुख गणेशी तालाब को लेकर वार्डवासियों में चिंता बढ़ गई है। तालाब के सौंदर्यीकरण के बाद पानी की आवक और निकासी के पुराने रास्ते बंद होने की बात सामने आ रही है। ऐसे में लगातार बारिश जारी रहने पर तालाब का जलस्तर बढ़ने से आसपास के क्षेत्र में जलभराव का खतरा बना हुआ है।

सौंदर्यीकरण के बाद निकासी व्यवस्था पर सवाल

गणेशी तालाब के सौंदर्यीकरण पर कार्य तो किया गया, लेकिन तालाब में आने वाले पानी और अतिरिक्त पानी की सुरक्षित निकासी की पर्याप्त व्यवस्था क्यों नहीं की गई, यह सवाल अब नगर परिषद की कार्यप्रणाली पर उठ रहा है। किसी भी तालाब का सौंदर्यीकरण केवल उसकी सुंदरता तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि जल निकासी और अतिरिक्त पानी के सुरक्षित प्रवाह की व्यवस्था भी योजना का अहम हिस्सा होना चाहिए।

नालियों का पानी कहां जाए, जवाबदेही किसकी ?

आमगांव मार्ग पर पेट्रोल पंप से नगर परिषद कार्यालय तक दोनों ओर बनी नालियों की स्थिति भी चिंताजनक है। नालियों के पानी की निकासी के लिए समुचित मार्ग नहीं होने के कारण पानी जहां जगह मिलती है, वहीं से बहने लगता है। लगातार बारिश से नालियां लबालब भर चुकी हैं। ऐसे में सवाल यह है कि बारिश के पानी की निकासी के लिए नगर परिषद ने पहले से क्या व्यवस्था की है और यदि नालियों का पानी घरों में पहुंचता है तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी? नगर परिषद क्षेत्र में नालियों की सफाई, जल निकासी मार्गों की जांच, तालाबों की स्थिति की निगरानी और संभावित जलभराव वाले स्थानों पर पहले से व्यवस्था करना नगर परिषद की जिम्मेदारी है। बारिश शुरू होने के बाद समस्या सामने आने का इंतजार करने के बजाय संवेदनशील स्थानों का निरीक्षण कर आवश्यक कदम उठाना जरूरी है।

बारिश बढ़ी तो बढ़ सकती है परेशानी

वार्डवासियों का कहना है कि यदि आगामी दिनों में बारिश का दौर जारी रहा तो गणेशी तालाब का जलस्तर और बढ़ सकता है। वहीं नालियों में पानी भरने से आसपास के घरों में पानी घुसने की आशंका भी बनी हुई है। ऐसे में नगर परिषद को तत्काल गणेशी तालाब की जल निकासी व्यवस्था की जांच करने के साथ आमगांव मार्ग की नालियों के पानी के लिए वैकल्पिक निकासी मार्ग सुनिश्चित करना चाहिए। अब सवाल यह है कि नगर परिषद संभावित जलभराव की स्थिति बनने के बाद कार्रवाई करेगी या उससे पहले ही व्यवस्था दुरुस्त कर नागरिकों को राहत देगी?

ओडिशा में भारी बारिश-हजारों लोग राहत केंद्रों में, बाढ़ का खतरा बढ़ा

ओडिशा। ओडिशा में गहरे दबाव के क्षेत्र के कारण मूसलाधार बारिश हुई, जिससे राज्य के विभिन्न हिस्सों में जलभराव, भूस्खलन और नदियों का जलस्तर बढ़ने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हुआ। तटीय राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी क्षेत्रों के निचले इलाकों और भूस्खलन संभावित क्षेत्रों से करीब 14,500 लोगों को 2,061 राहत केंद्रों में सुरक्षित पहुंचाया है। एक दिन पहले आंध्र प्रदेश के तट से टकराया दबाव क्षेत्र ओडिशा में प्रवेश करने के बाद, 24 घंटों में राज्य के 63 स्थानों पर 100 मिलीमीटर से अधिक बारिश का कारण बना। नबरंगपुर जिले का तेंतुलीखुंटी 395 मिलीमीटर बारिश के साथ सर्वाधिक प्रभावित रहा, इसके बाद नंदाहांडी में 344 मिलीमीटर और कोरापुट जिले के बोरीगुमा में 307.8 मिलीमीटर बारिश दर्ज की गई। इस आपदा से दक्षिणी ओडिशा के छह जिले बुरी तरह प्रभावित हुए हैं, और भुवनेश्वर समेत पश्चिमी तथा तटीय क्षेत्रों में भी जनजीवन प्रभावित हुआ है। अधिकारियों को कई स्थानों पर स्कूल बंद करने पड़े। भारी बारिश के चलते बालासोर में जलाका और बुढ़ाबलंग तथा जाजपुर में बैतरणी और कानी नदियों का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर गया है, जिससे राज्य में एक बार फिर बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है, जबकि इस मानसून में पहले ही दो बार बाढ़ आ चुकी है। कंधमाल जिले में कलिंग घाट पर 200 मीटर लंबी सुरक्षा दीवार ढह गई, जबकि खड़िकोट के बड़ा घाटी में चट्टानें गिरने से राष्ट्रीय राजमार्ग-16 पर यातायात बाधित हुआ।

चुनाव आयोग में नियुक्ति कानून और आंतरिक फैसलों पर उठे सवाल

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के भीतर कथित मतभेद और मुख्य चुनाव आयुक्त व चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति प्रक्रिया सुप्रीम कोर्ट की जांच के दायरे में आ गई है। 2023 में बनाए गए नियुक्ति कानून को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट की दो सदस्यीय पीठ में ही इस बात पर मतभेद सामने आया कि क्या मामले को बड़ी संविधान पीठ के पास भेजा जाना चाहिए। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा इस बिंदु पर अलग-अलग राय पर पहुंचे।

इसी बीच एक रिपोर्ट में दावा किया गया कि चुनाव आयुक्त सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी ने पिछले 10 महीनों में आयोग के कुछ फैसलों पर कम से कम 14 बार लिखित आपत्तियां दर्ज कीं। ये आपत्तियां नए मतदाताओं के पंजीकरण, मतदाता सूची से नाम हटाने और चुनावी डेटा तक पहुंच जैसे मुद्दों से संबंधित थीं। हालांकि, चुनाव आयोग ने इन दावों को अलग तरीके से प्रस्तुत करते हुए कहा कि आंतरिक टिप्पणियों और अलग-अलग राय निर्णय प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा हैं, और सभी अंतिम फैसले पूर्ण आयोग की सर्वसम्मत मंजूरी से लिए गए हैं। जस्टिस दीपांकर दत्ता ने 2023 के कानून में चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति के लिए गठित चयन पैनल की संरचना पर गंभीर सवाल उठाए हैं। मौजूदा व्यवस्था में प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार के एक कैबिनेट मंत्री और लोकसभा में विपक्ष के नेता शामिल हैं। जस्टिस दत्ता ने आपत्ति जताई कि सरकार के कैबिनेट मंत्री से पूरी तरह स्वतंत्र निर्णय की अपेक्षा कैसे की जा सकती है। दिसंबर 2023 में संसद ने नया कानून बनाकर इस समिति से मुख्य न्यायाधीश को हटाकर केंद्र सरकार के एक कैबिनेट मंत्री को शामिल किया। इसी बदलाव को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि चुनाव आयुक्त संधू और जोशी की आपत्तियों में फार्म-6 में बदलाव और मतदाता सूची के डिजिटल डेटा तक पहुंच जैसे विषय शामिल थे, तथा दोनों अधिकारियों ने कुछ मामलों में बदलावों की वैधानिकता पर भी सवाल उठाए। इस पर आयोग ने प्रतिक्रिया दी कि आंतरिक टिप्पणियों को अलग करके देखने से पूरी निर्णय प्रक्रिया की तस्वीर सामने नहीं आती, और सभी अंतिम निर्णय पूर्ण आयोग की सहमति से ही लिए गए।सुप्रीम कोर्ट की पीठ में मतभेद के बाद अब यह मामला मुख्य न्यायाधीश के समक्ष पहुंचा है, जो तय करेंगे कि क्या इसकी सुनवाई बड़ी संविधान पीठ करेगी। जस्टिस शर्मा ने बड़ी पीठ के विचार का समर्थन किया, जबकि जस्टिस दत्ता ने कहा कि मौजूदा पीठ भी संवैधानिक सवालों पर सुनवाई कर सकती है। इस पूरे घटनाक्रम में दो मुख्य प्रश्न उभरकर सामने आए हैं। पहला, चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति में कार्यपालिका की भूमिका की सीमा क्या होनी चाहिए, और दूसरा, तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया कैसे संचालित होनी चाहिए। इन दोनों महत्वपूर्ण मुद्दों पर आगे की न्यायिक कार्यवाही पर सबकी नजर रहेगी।

गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान तालाब में डूबे युवक की मौत, अगले दिन मिला शव

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम मोहझरी में गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान तालाब के गहरे पानी में डूबे 42 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। घटना के बाद से उसकी तलाश की जा रही थी। शनिवार को गोताखोरों की मदद से करीब 11.30 बजे उसका शव तालाब के पानी से बरामद किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम मोहझरी निवासी रोहित पिता चमारूलाल अवसरे (42) शुक्रवार 25 सितंबर की रात करीब 8 बजे गांव के दुर्गेश अवसरे, राजा अवसरे एवं अन्य ग्रामीणों के साथ मोहझरी मोक्षधाम के पास स्थित तालाब में गणेश प्रतिमा विसर्जन करने पहुंचे थे। प्रतिमा विसर्जन के दौरान रोहित तालाब के गहरे पानी में चले गए और डूब गए। साथ आए लोगों ने

उनकी तलाश शुरू की, लेकिन रात में उनका पता नहीं चल सका। घटना की सूचना मिलने के बाद शनिवार को गोताखोरों की मदद से तालाब में तलाश अभियान चलाया गया। करीब 11.30 बजे रोहित का शव तालाब के पानी से बरामद किया गया। इसके बाद परिजनों में शोक की लहर दौड़ गई। मृतक के पुत्र दीपक अवसरे (23) की सूचना पर लांजी थाना पुलिस ने मर्ग क्रमांक 37/2026, धारा 194 बीएनएसएस के तहत मर्ग कायम कर जांच में लिया है। पुलिस द्वारा घटना के संबंध में आवश्यक जांच एवं कार्रवाई की जा रही है।

निमटोला में गणेश उत्सव की धूम

वाणी सिस्टर्स के भजनों पर झूमे श्रद्धालु, विधायक द्वय की उपस्थिति में हुआ प्रतिभाओं का सम्मान

पद्मेश न्यूज। लांजी। गणेश चतुर्थी के पावन पर्व के अवसर पर लांजी के वार्ड क्रमांक 15 अंतर्गत निमटोला में वार्डवासियों द्वारा विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश जी का अत्यंत भव्य एवं हर्षोल्लास के साथ आगमन कराया गया। उत्सव के दौरान आयोजित धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों में पूरे क्षेत्र के श्रद्धालुओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। आयोजन की मुख्य कड़ी में जबलपुर की सुप्रसिद्ध गायिका वाणी सिस्टर्स और उनकी टीम द्वारा भव्य भक्तिमय सांस्कृतिक भजनों की प्रस्तुति दी गई। वाणी सिस्टर्स के सुमधुर भजनों पर उपस्थित जनसमुदाय भावविभोर होकर झूम उठा। इस अवसर पर क्षेत्र के उभरते सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स को भी विशेष रूप से मंच पर सम्मानित कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। कार्यक्रम में लांजी विधायक राजकुमार करहि एवं कटंगी विधायक गौरव सिंह पारधी की गरिमामयी उपस्थिति रही। दोनों जनप्रतिनिधियों ने भगवान श्री गणेश जी की पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की समृद्धि की कामना की और वार्डवासियों के इस भव्य आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा की। उत्सव के अंतिम दिन वार्डवासियों द्वारा गाजे-बाजे और भक्तिमय माहौल के साथ श्री गणेश जी को भावभीनी विदाई दी गई। इस पूरे आयोजन को सफल बनाने में धनेश आष्टकर, अर्जुन रामटेकर, सुलभ किरनापुरे, कमलेश साहू, हिमांशु सोनवाने, राकेश सोनवाने, शुभम ब्रम्हपुरे, प्रफुल सोनवाने, अंकित सोनवाने, शरद सोनवाने, राजकुमार रामटेकर, हरिओम सोनवाने, आकाश कच्छवाहे, प्रणव भंडारकर, ओमकार कच्छवाहे, मौसम सोनवाने, हेमंत सोनवाने सहित समस्त वार्डवासियों एवं सदस्यों का सराहनीय योगदान रहा।

राम मंदिर चढ़ावा चोरी- 4 जून को वीडियो मिला, 8 जून को अफवाह बताया...

73 हजार से ज्यादा पन्नों की जांच, फिर भी चंपत राय आरोपी नहीं

अयोध्या। राम मंदिर के चढ़ावे की रकम चोरी के मामले में दाखिल पुलिस की विवेचना ने एक ऐसा घटनाक्रम सामने रखा है, जिसने जांच की दिशा और कार्रवाई को लेकर नए सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस की रिपोर्ट में दर्ज बयान के मुताबिक तत्कालीन ट्रस्ट महासचिव चंपत राय को 4 जून की रात करीब 9:45 बजे चढ़ावे की रकम छिपाने का वीडियो मिल गया था। इसके बाद उन्होंने वीडियो डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव को भी दिखाया और अगले दिन मंदिर परिसर के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। लेकिन इसके चार दिन बाद, 8 जून को ट्रस्ट की ओर से मीडिया में जारी बयान में चढ़ावा चोरी की घटना को अफवाह बताया गया और कहा गया कि बैंक का ऑडिट चल रहा है। यही वह अंतराल है, जिस पर अब सबसे ज्यादा सवाल उठ रहे हैं। विपक्ष का कहना है कि 72 घंटे तक चढ़ावा चोरी की घटना को दबाए रखने वाले चंपत राय जांच में कैसे क्लीनचिट मिल गई।

पुलिस ने मामले में करीब 74 हजार पन्नों की विवेचना/चार्जशीट अदालत में दाखिल की है। अलग-अलग रिपोर्टों में चार्जशीट के पन्नों की संख्या 36,039 से लेकर करीब 74 हजार तक बताई गई है, जो दस्तावेजों और केस डायरी की गणना के तरीके के अंतर को दर्शाता है। इसमें आठ लोगों को आरोपी बनाया गया है- अविनाश शुक्ला, अनुकल्प मिश्रा, लवकुश मिश्रा, मनीष यादव, करुणेश पांडेय, रमाशंकर मिश्रा, सुभाष श्रीवास्तव और रामशंकर यादव उर्फ टिन्नू। वहीं चंपत राय, डॉ. अनिल मिश्रा और गोपाल राव को आरोपी नहीं बनाया गया, बल्कि गवाह के रूप में शामिल किया गया है। पुलिस ने इन तीनों के खिलाफ कोई आपराधिक संस्तुति नहीं की। इसलिए इसे तकनीकी रूप से क्लीनचिट कहने के बजाय यह कहना अधिक सटीक होगा कि पुलिस ने उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर उन्हें आरोपी बनाने के बजाय गवाह माना है।

जानकारी छिपाने का आरोप साबित हुआ या नहीं

मामले का सबसे संवेदनशील हिस्सा यही है। 4 जून को वीडियो मिलना अपने आप में किसी अपराध में संलिप्तता साबित नहीं करता। इसी तरह किसी घटना की जानकारी मिलने और उसे सार्वजनिक करने के बीच समय का अंतर भी अपने आप आपराधिक षड्यंत्र सिद्ध नहीं करता। लेकिन यदि 4 जून की रात घटना का वीडियो प्राप्त हुआ, 5 जून को सीसीटीवी देखा गया और 8 जून को सार्वजनिक रूप से इसे अफवाह बताया गया, तो इस पूरे घटनाक्रम की प्रशासनिक और संस्थागत व्याख्या जरूरी है। पुलिस ने चंपत राय को आरोपी न बनाकर गवाह बनाया है। अब अदालत में यह देखा जाएगा कि उनके बयान,सीसीटीवी, दस्तावेज और अन्य साक्ष्य किस तरह एक-दूसरे से जुड़ते हैं। उपलब्ध रिपोर्टों के मुताबिक चार्जशीट में करीब 133 गवाहों के बयान शामिल हैं और अदालत ने आरोपपत्र का संज्ञान ले लिया है।

अदालत में अब साक्ष्यों की कसौटी

अधिवक्ताओं के एक वर्ग ने विवेचना पर सवाल उठाते हुए कुछ अन्य लोगों को आरोपी बनाए जाने की मांग की है। लाइव हिन्दुस्तान के मुताबिक अधिवक्ता संघ ने बरामदगी, कुछ लोगों को आरोपी न बनाए जाने और अन्य साक्ष्यों को लेकर आपत्तियां उठाई, हालांकि अदालत ने उसका प्रार्थनापत्र निरस्तारित कर दिया। दूसरी तरफ पुलिस की चार्जशीट में सीसीटीवी, बरामद रकम, दस्तावेज, गवाहों के बयान और वित्तीय लेनदेन जैसे साक्ष्य शामिल हैं। अब इनकी स्वीकार्यता और आपसी संबंध अदालत में परखे जाएंगे। इस पूरे मामले में इसलिए दो सवाल अलग-अलग हैं-चढ़ावे की चोरी किसने की और संस्थागत स्तर पर घटना की जानकारी मिलने के बाद क्या कदम उठाए गए? पुलिस की चार्जशीट ने पहले सवाल पर आठ लोगों के खिलाफ अभियोजन की दिशा तय कर दी है। दूसरे सवाल पर 4 से 8 जून के बीच का घटनाक्रम अभी भी सार्वजनिक बहस का सबसे बड़ा केंद्र बना हुआ है।

ज्ञानेश विवाद पर राजद सांसद झा का तंज, भट्टाचार्य को भारत रत्न मिल जाना चाहिए

नई दिल्ली। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के राज्यसभा सांसद मनोज झा ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से जुड़े हालिया विवाद पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि मामला अब केवल विपक्ष और सत्ताधारी दल के बीच की राजनीतिक खींचतान तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सीधे तौर पर देश के नागरिकों के अधिकारों और चुनावी प्रक्रिया की विश्वसनीयता से जुड़ गया है। विपक्ष द्वारा महाभियोग लाने की संभावना पर सांसद झा ने कहा कि महाभियोग एक संवैधानिक विकल्प है और इस पर पहले भी कदम उठाए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि इस मामले में सुप्रीम कोर्ट में याचिकाएं दाखिल की गई हैं और अदालत उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर स्वतः संज्ञान ले सकती है। उन्होंने जोर दिया कि अब एनडीए के कुछ घटक दलों, जैसे चिराग पासवान, उपेंद्र कुशवाहा और टीडीपी के साथ-साथ वाईएसआरसीपी के नेता जगन मोहन रेड्डी ने भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और नियुक्ति प्रक्रिया पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना दिए।

लांजी में "पद्मेश"
इंटरनेट (ब्राडबेंड)
कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

100 प्रश. भर गया जलाशय - किसानों को सिंचाई के लिए बड़ी राहत

आखिरकार इटियाडोह बांध ओवरफ्लो

रवि ठकरानी

पद्मेश न्यूज। गोंदिया। पूर्व विदर्भ के गोंदिया, भंडारा, गड़चिरोली और चंद्रपुर जिलों की खेती के लिए महत्वपूर्ण अर्जुनी मोरगांव तहसील स्थित इटियाडोह बांध आखिरकार पूरी क्षमता से भरकर ओवरफ्लो हो गया. शनिवार, 26 सितंबर को सुबह 6 बजे बांध के सांडवे से पानी बहना शुरू हुआ. बांध के ओवरफ्लो होने के बाद नदी किनारे बसे गांवों तथा नदीपात्र से आवागमन करने वाले नागरिकों को सतर्क रहने की सूचना दी गई है.

इटियाडोह जलाशय का वर्तमान जलस्तर 255.63 मीटर दर्ज किया गया है. जलाशय में 317.87 दलघमी उपयोगी जलसंचय हो गया है, जो 100 प्रतिशत है. सांडवे पर पानी की ऊंचाई 0.03 मीटर दर्ज की गई है, जबकि सांडवे से करीब 169 क्यूसेक (4.80) पानी का विसर्ग हो रहा है. जलविसर्ग की मात्रा जलाशय की स्थिति के अनुसार कम या अधिक हो सकती है. इटियाडोह प्रकल्प पूर्व विदर्भ के महत्वपूर्ण सिंचाई प्रकल्पों में शामिल है. जलाशय पूरी क्षमता से भरने के कारण इससे सिंचाई पर निर्भर किसानों को बड़ी राहत मिली है. खरीफ के साथ ही आगामी रबी मौसम के लिए भी पानी की उपलब्धता को लेकर किसानों को सहारा मिलने की उम्मीद है. बारिश के उतार-चढ़ाव के बीच बांध का 100 प्रश. भरना कृषि क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

इटियाडोह ओवरफ्लो होने के बाद नदीपात्र में पानी का स्तर बढ़ने की संभावना को देखते हुए विभाग ने नागरिकों को विशेष सावधानी बरतने की अपील की है. नागरिकों को नदीपात्र पार नहीं करने, कृषि उपकरण अथवा अन्य सामग्री नदी में नहीं रखने तथा मवेशियों को नदीपात्र में जाने से रोकने की सूचना दी गई है. विभाग ने कहा है कि सांडवे से होने वाला पानी का विसर्ग परिस्थितियों के अनुसार घट-बढ़ सकता है. इसलिए नदी किनारे और नदीपात्र में जाने से बचें तथा प्रशासन द्वारा जारी सूचनाओं का पालन करें.

पिछले वर्ष 16 अगस्त को हुआ था ओवरफ्लो

उल्लेखनीय है कि पिछले वर्ष इटियाडोह बांध 16 अगस्त 2025 को ही ओवरफ्लो हो गया था. इस वर्ष सितंबर के अंतिम सप्ताह में बांध अपनी पूरी क्षमता तक पहुंचा है. पिछले वर्ष की तुलना में इस बार बांध के ओवरफ्लो होने में करीब 40 दिन की देरी हुई है. जलाशय के 100 प्रश. भरने से क्षेत्र के किसानों को सिंचाई के लिए बड़ी राहत मिली है. अब किसानों की नजर जलाशय से मिलने वाले पानी और आगामी फसल के लिए सिंचाई नियोजन पर है.

ओवरफ्लो देखने उमड़ेंगे पर्यटक

इटियाडोह बांध का ओवरफ्लो स्थानीय लोगों और पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहता है. सांडवे से बहते पानी का विहंगम दृश्य देखने के लिए हर वर्ष बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं. हालांकि बांध का ओवरफ्लो हर साल एक ही समय पर हो, यह जरूरी नहीं होता. इस बार सितंबर के अंत में बांध ओवरफ्लो होने से आने वाले दिनों में यहां पर्यटकों की भीड़ बढ़ने की संभावना है.

अग्रवाल समाज के बहुप्रतीक्षित 'अग्रोहाधाम'भवन का भूमिपूजन सम्पन्न

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। अग्रवाल समाज के बहुप्रतीक्षित भवन 'अग्रोहाधाम' के निर्माण कार्य का शुभारंभ पिंडकेपार रोड, गोंदिया में भूमिपूजन समारोह के साथ विधिवत रूप से हुआ. इस शुभ अवसर पर आयोजित भूमिपूजन कार्यक्रम विधायक विनोद अग्रवाल, पूर्व विधायक गोपालदास अग्रवाल, पूर्व नगराध्यक्ष दामोदर अग्रवाल के शुभ हस्ते संपन्न हुआ.कार्यक्रम की अध्यक्षता अग्रसेन स्मारक समिति के अध्यक्ष निलेश बिमल अग्रवाल ने की. विशेष अतिथि के रूप में ट्रस्ट बोर्ड अध्यक्ष हेमेंद्र सुरजमल पोद्दार उपस्थित थे. मुख्य समारोह श्री अग्रसेन भवन, गोंदिया में आयोजित किया गया. अग्रोहा धाम भवन निर्माण समिति के अध्यक्ष आकेश

अग्रवाल ने बताया कि अग्रोहाधाम भवन समाज के सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यों के लिए एक महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा. उन्होंने इस अवसर पर दानदाताओं के नामों की घोषणा भी की. इस अवसर पर समिति के पूर्व अध्यक्ष गुलाबचंद पोद्दार, त्रिवेणीप्रसाद अग्रवाल, मोहनलाल चंगोडिया, हुकुमचंद अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, शंकरलाल अग्रवाल, पुरुषोत्तम अग्रवाल, वेदप्रकाश गोयल, महेश अग्रवाल, दिनेश दादरीवाल, अजय अग्रवाल, रमाकांत अग्रवाल, सुमित भालोटिया व महिला प्रतिनिधि डॉ. निर्मला किसनलाल जयपुरीया, डॉ. उषा विमलेश अग्रवाल, उमादेवी अग्रवाल, सीमाजी धर्मेश अग्रवाल सहित बड़ी संख्या में अग्रबंधु उपस्थित थे. कार्यक्रम को सफल बनाने में समिति के रितेश अग्रवाल, निर्माण समिति के दीपक अग्रवाल, रवि अग्रवाल(राज), विशाल अग्रवाल ने प्रयास किए. कार्यक्रम का संचालन व आभार प्रदर्शन सचिव आशीष अग्रवाल ने किया.

मणिपुर और नागालैंड के बड़े हिस्सों को अशांत क्षेत्र घोषित किया

नई दिल्ली(ईएमएस)। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने पूर्वोत्तर के दो राज्यों, मणिपुर और नागालैंड के कई क्षेत्रों को आर्म्ड फोर्सेज (स्पेशल पावर्स) एक्ट, 1958 (एएफएसपीए) के तहत अगले छह महीनों के लिए अशांत क्षेत्र घोषित किया है. मंत्रालय ने शुक्रवार को इस संबंध में एक आधिकारिक अधिसूचना जारी की. यह घोषणा 1 अक्टूबर, 2026 से प्रभावी होगी और अगले छह महीनों के लिए लागू रहेगी, जब तक कि इसे तय समय से पहले वापस नहीं लिया जाता। अधिसूचना के अनुसार, मणिपुर के पूरे क्षेत्र को अशांत घोषित किया गया है, सिवाय पांच जिलों के तेरह पुलिस थाना क्षेत्रों के. इन अपवादों में राजधानी इंफाल के साथ-साथ लांफेल, सिटी, सिंगजामेई, पटसोई, वांगोई, पोरोमपत, हेइंगांग, इरिलबुंग, थौबल, बिष्णुपुर, नांबोल और काकचिंग पुलिस थाना क्षेत्र शामिल हैं.

चौकसी कर रहे अधिकारी से गालीगलौज

आमगांव के सुपलीपार में मनरेगा के गोठे निर्माण की जांच के दौरान हंगामा

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव तहसील के सुपलीपार ग्राम पंचायत में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के तहत गोठे निर्माण संबंधी शिकायत की जांच करने पहुंचे पंचायत समिति के प्रभारी गुट विकास अधिकारी से गालीगलौज कर सरकारी काम में बाधा डालने का मामला सामने आया है. शिकायत के आधार पर आमगांव पुलिस ने सुधीर अशोक ब्राह्मणकर (40) के खिलाफ मामला दर्ज किया है.जानकारी के अनुसार, पंचायत समिति आमगांव के प्रभारी गुट विकास अधिकारी नितीन बी. गट्टवार (52) मनरेगा के तहत गोठे निर्माण की शिकायत की मौका जांच करने सुपलीपार पहुंचे थे. स्थल निरीक्षण पूरा करने के बाद वे ग्राम पंचायत कार्यालय में संबंधित रिकॉर्ड की जांच के लिए शासकीय वाहन से जा रहे थे. इसी दौरान आरोपी सुधीर ब्राह्मणकर ने अपनी लाल रंग की दोपहिया गाड़ी अधिकारी के शासकीय वाहन के सामने खड़ी कर रास्ता रोक दिया. इस दौरान आरोपी ने अधिकारी के साथ गालीगलौज की और यह सवाल उठाया कि सरपंच का पति जांच स्थल पर कैसे पहुंचा. अधिकारी ने जवाब दिया कि वह गांव का नागरिक है, इसलिए मौके पर आ सकता है और उसे रोका नहीं जा सकता. आरोप है कि इस पर ब्राह्मणकर ने अधिकारी से कथित तौर पर कहा कि "आप यहां जांच कैसे करते हैं, देख लूंगा" और उनके साथ विवाद करते हुए उन पर हमला करने के इरादे से दौड़ा. शिकायतकर्ता के अनुसार, इस घटना से शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न हुई. प्रभारी गुट विकास अधिकारी गट्टवार की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार शेख कर रहे हैं.

तेज डीजे पड़ा भारी, 27 पर मामला दर्ज

तीन दिन में 53.31 लाख का माल जब्त

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। गणेशोत्सव के दौरान ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए गोंदिया पुलिस ने डीजे संचालकों, मालिकों और आयोजकों के खिलाफ कार्रवाई तेज कर दी है. जिले में पिछले तीन दिनों में 27 आरोपियों के खिलाफ 15 मामले दर्ज किए गए हैं. कार्रवाई में डीजे के बेस, टॉप, इको साउंड सिस्टम, साउंड मिक्सर, जनरेटर तथा वाहनों सहित कुल 53 लाख 31 हजार रु. का माल जब्त किया गया है.

जानकारी के अनुसार, शहर थाना क्षेत्र के हनुमान चौक, लोधीटोला में पुलिस ने तेज डीजे बजाने पर दुर्गेश भोजराज तुरकर (36), निखिल पुनलाल लिल्हारे (26) व लितेश संतोष सोनवणे (30) के खिलाफ मामला दर्ज किया. इनके पास से 20 भोंगे, 4 बेस, अन्य डीजे सामग्री व एक चौपहिया वाहन सहित 5.60 लाख रु. का माल जब्त किया गया. रामनगर थाना क्षेत्र के गोंडीटोला चौक में भानपुर निवासी निखिल उमेश चिखोरे (31) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. पुलिस ने 2 बेस, 2 टॉप, मिक्सर मशीन और टाटा चौपहिया वाहन सहित 2.30 लाख रु. का माल जब्त किया. आमगांव थाना क्षेत्र के गांधी चौक में किकरीपार निवासी मोरेश्वर शामराव मेंढे (29) के खिलाफ ध्वनि प्रदूषण नियमों के उल्लंघन का मामला दर्ज किया गया. उसके कब्जे से एक बेस और दो साउंड सिस्टम, करीब 7 हजार रु. की सामग्री जब्त की गई. अर्जुनी मोरगांव थाना क्षेत्र के अरुणनगर में पुलिस ने अनिल गंगाधर डोये (30), उमेश शंकर गाडे (30), अमोल दादाजी राऊत, गणेश नितराम मरस्के (40), लोकेश शंकर मानकर, गुरुदेव बलिराम डोंगरवार (50) व सुनील सुरेंद्र सिंह के खिलाफ मामला दर्ज किया. इस कार्रवाई में बेस, टॉप, एम्प्लीफायर, जनरेटर तथा दो चौपहिया वाहनों सहित 15.20 लाख रु. का माल जब्त किया गया. तिरोड़ा थाना क्षेत्र में रतनारा निवासी रिषभ शिवराज ढेकवर (30) के खिलाफ कार्रवाई की गई. पुलिस ने 4 बेस, 4 टॉप, शार्पी लाइट और आयशर चौपहिया वाहन सहित 6 लाख रु. का माल जब्त किया. गंगाझरी थाना क्षेत्र के बीबीटोला में सुनील चुन्नीलाल तुरकर (30) के खिलाफ मामला दर्ज किया गया. उसके कब्जे से 2 बेस, 2 टॉप और साउंड सिस्टम सहित 50 हजार रु. का माल जब्त किया गया. यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक गौरख भामरे, अपर पुलिस अधीक्षक अभय डोंगरे तथा संबंधित उपविभागीय पुलिस अधिकारियों के मार्गदर्शन में गोंदिया शहर, रामनगर, तिरोड़ा, आमगांव, अर्जुनी मोरगांव और गंगाझरी पुलिस टीमों द्वारा की गई.

सरपंच पति पर गालीगलौज व धमकी का आरोप, मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। ग्राम पंचायत बटाना में आयोजित जांच के दौरान शिकायतकर्ता से कथित गालीगलौज और धमकी देने का मामला सामने आया है. शिकायत के आधार पर सरपंच पति राजेश हंसराज रहांगडाले के खिलाफ ग्रामीण थाने में मामला दर्ज किया गया है.

शिकायत के अनुसार, ग्राम पंचायत की पाटील गली में लगाई गई सौर ऊर्जा पानी की टंकी तथा वर्ष 2024-25 की कैशबुक उपलब्ध नहीं होने संबंधी शिकायतों की जांच चल रही थी. गुटविकास अधिकारी लोंढे और विस्तार अधिकारी निमजे की मौजूदगी में हुई इस जांच में सरपंच, उपसरपंच, सदस्य, ग्राम पंचायत अधिकारी सहित अन्य लोग उपस्थित थे. शिकायतकर्ता झनेंद्र रेवाजी हरिणखेड़े का आरोप है कि जांच के दौरान सरपंच रंजीता राजेश रहांगडाले के पति राजेश रहांगडाले ने कार्यवाही में हस्तक्षेप करने का प्रयास किया. इसी दौरान उनके तथा दूसरे शिकायतकर्ता अधिवक्ता विश्वनाथ रहांगडाले के साथ कथित तौर पर अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया और धमकी दी गई. शिकायत में मारपीट के लिए दौड़कर आने का आरोप भी लगाया गया है. घटना के बाद शिकायतकर्ता ने ग्रामीण थाने में शिकायत दर्ज कराई. पुलिस ने शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. शिकायतकर्ता ने सरपंच पति द्वारा ग्राम पंचायत के कामकाज में लगातार हस्तक्षेप किए जाने का आरोप लगाते हुए संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से कार्रवाई की मांग भी की है.

मावा-तुडतुड़ा का प्रकोप बढ़ा - पत्तियां पीली पड़ने से उत्पादन घटने की आशंका

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। लगातार बारिश नहीं होने और बादल छाए रहने से जिले में धान की फसल पर मावा, तुडतुड़ा समेत विभिन्न कीटों का प्रकोप बढ़ गया है. कृषि विभाग के प्राथमिक सर्वेक्षण में करीब 35 हजार हेक्टेयर धान फसल प्रभावित होने की जानकारी सामने आई है. कीट नियंत्रण के लिए किसान महंगे कीटनाशकों का छिड़काव कर रहे हैं, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिलने से उनकी चिंता बढ़ गई है.

जिले में इस खरीफ मौसम में 1 लाख 94 हजार 500 हेक्टेयर क्षेत्र में धान की बुआई की गई है. वर्तमान में हल्की किस्म का धान पकने की स्थिति में है, जबकि भारी किस्म गर्भावस्था में है. इसी दौरान मौसम में बदलाव और कीटों के प्रकोप से कई खेतों में पत्तियां पीली पड़कर सूख रही हैं तथा फसल की बढ़वार प्रभावित हो रही है. कुछ क्षेत्रों में नुकसान अधिक बताया जा रहा है.

नुकसान का पंचनामा करने की मांग

किसानों ने प्रभावित गांवों में कृषि विभाग से तत्काल निरीक्षण कर नुकसान के पंचनामे करने तथा वस्तुनिष्ठ आकलन के आधार पर नियमानुसार आर्थिक सहायता देने की मांग की है. किसानों को फसल बचाने के लिए लगातार कीटनाशकों का खर्च भी उठाना पड़ रहा है.

धान फसल पर फिलहाल मावा और तुडतुड़ा का प्रकोप अधिक दिखाई दे रहा है. प्राथमिक सर्वेक्षण में 35 हजार हेक्टेयर क्षेत्र प्रभावित मिला है. किसानों को कृषि सहायकों के माध्यम से कीट नियंत्रण के उपायों की जानकारी दी जा रही है.

नीलेश कानवडे, जिला अधीक्षक कृषि अधिकारी

कड़े से वृद्ध पर प्रहार, दो पर मामला दर्ज

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। रावणवाड़ी थाने के तहत ग्राम पांजरा में दो युवकों ने एक 65 वर्षीय वृद्ध पर हाथ के कड़े से प्रहार कर उसे घायल कर दिया. जानकारी के अनुसार, पांजरा निवासी फिर्यादी अमृतलाल राधेलाल नागपुरे (65) अपना दुकान बंद कर अपने घर पर खाना खाने के बाद आराम करने दुकान पर जा रहा था. इसी बीच दुकान के आगे बैठे कामठाटोली निवासी आरोपी संघम डिंगबर माहुले (19) व यश माहुले (20) को दूर जाकर अपनी बातचीत करने को कहा. जिस पर एक आरोपी ने फिर्यादी का कॉलर पकड़ा तो दूसरे ने उस पर हाथ के कड़े से प्रहार कर दिया. जिसमें वह घायल हो गया. फिर्यादी की शिकायत पर रावणवाड़ी पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार बर्वे कर रहे हैं.

युवक पर चाकू से हमला

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। डुग्गीपार थाने के तहत ग्राम बाम्हणी (खड़की) में एक युवक पर चाकू से हमला किया गया. इस घटना में युवक गंभीर रुप से घायल हो गया. इस मामले में तीन लोगों पर मामला दर्ज किया गया है. जानकारी के अनुसार, बाम्हणी (खड़की) निवासी फरियादी भरत तेजराम शेंडे (26) मजदूरी से घर का निर्माण कार्य कर रहा था. इसी दौरान आरोपी संदीप लक्ष्मीनारायण पांडे (25), लक्ष्मीनारायण ललवा पांडे (70) व दीपक लक्ष्मीनारायण पांडे (27) वहां आए व कहा कि तु कर रहा काम हमारे जगह पर आ रहा है. जिस पर फरियादी ने कहा कि घर मालिक भाऊ रामचंद्र पांडे के बताए अनुसार काम कर रहा हुं. जिस पर आरोपियों ने फरियादी के साथ विवाद किया व आरोपी संदीप ने सब्जी काटने के चाकू से फरियादी पर प्रहार कर दिया. जिसमें वह गंभीर रुप से घायल हो गया. फरियादी की शिकायत पर डुग्गीपार पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार विजय कोटांगले कर रहे हैं.

मोटरसाइकिल चोरी

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। आमगांव थाने के तहत कारंजा निवासी फिर्यादी संगिता गौरीशंकर चुटे (41) की मोटरसाइकिल को अज्ञात व्यक्ति ने रेलवे स्टेशन रिसामा से चुरा लिया. जिसकी कीमत 50 हजार रु. बताई गई है. फरियादी की शिकायत पर आमगांव पुलिस ने मामला दर्ज किया है. जांच हवलदार शेख कर रहे हैं.

जहर पीने से युवक की मौत

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। सालेकसा थाने के तहत नवेगांव निवासी आनंद गोरेलाल बोपचे (30) ने जहर पी लिया. उसे उपचार के लिए ग्रामीण अस्पताल सालेकसा में ले जाया गया. जहां से उसे केटीएस जिला सामान्य अस्पताल गोंदिया में रेफर किया गया. यहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई. फरियादी डा. हर्षित गर्ग की शिकायत पर सालेकसा पुलिस ने आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज किया है. जांच सहायक फौजदार सुनील वानखेडे कर रहे हैं.

पीएम मोदी की जेन जी भजन क्लबिंग पर छिड़ी सियासत

कांग्रेस के तंज पर बीजेपी का पलटवार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हाल ही में नई दिल्ली के पंडित दीनदयाल उपाध्याय पार्क में जेन-जी (युवा पीढ़ी) के साथ भजन क्लबिंग में शामिल होने को लेकर राजनीतिक गलियारों में घमासान मच गया है. जनसंघ के नेता पंडित उपाध्याय की 110वीं जन्मजयंती के मौके पर आयोजित कार्यक्रम के वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हुए थे, जिसमें प्रधानमंत्री पूरी तरह भक्तिभाव में डूबे दिख रहे थे. इस आयोजन पर कांग्रेस पार्टी ने तीखा तंज कसा है. कर्नाटक सरकार के मंत्री और कांग्रेस नेता प्रियांक खरगे ने मामले को चुनाव आयोग से जुड़े हालिया विवादों से जोड़ दिया. उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री मोदी के पास भजन क्लबिंग में शामिल होने के लिए पूरा समय है, लेकिन देश की लोकतांत्रिक संस्थाओं और निर्वाचन आयोग से जुड़े गंभीर सवालों पर जवाब देने का उनके पास कोई वक्त नहीं है. कांग्रेस नेता खरगे ने तंज कसते हुए कहा कि प्रधानमंत्री पिछले 13 वर्षों से प्रेसवार्ता करने और सीधे सवालों का सामना करने से बचते आए हैं. कांग्रेस के हमले पर भारतीय जनता पार्टी ने भी तुरंत तीखा पलटवार किया. भाजपा नेता सी.आर. केशवन ने कांग्रेस पर बड़ा हमला बोलकर कहा कि विपक्षी दल एक बार फिर से भारत की समृद्ध भजन और भक्ति संस्कृति का मजाक उड़ा रहा है. उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेताओं से ऐसी हीन मानसिकता की ही उम्मीद की जा सकती है, जिन्हें सिर्फ एक परिवार विशेष की चापलूसी करना आता है. उल्लेखनीय है कि देश में इस समय चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली और विशेष गहन पुनरीक्षण जैसे मुद्दों को लेकर राजनीतिक तापमान काफी बढ़ा हुआ है, जिस पर विपक्ष लगातार केंद्र सरकार को घेरने का प्रयास कर रहा है.

राका-सौंदड़ मार्ग पर जगह-जगह गड्ढे

पद्मेश न्यूज़। गोंदिया। राका से सौंदड़ मार्ग पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे होने से सड़क की हालत खराब हो गई है. इस मार्ग से रोजाना विद्यार्थियों, नागरिकों तथा छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही होती है. सड़क की बदहाल स्थिति के कारण वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है.

पलसगांव और चिखली होते हुए राका-सौंदड़ मार्ग पर यातायात काफी बढ़ गया है. सौंदड़ में रेलवे ओवरब्रिज का काम चल रहा है. रेलवे फाटक बंद होने पर वाहनों की लंबी कतार कोहमारा तक पहुंच रही है. ऐसे में कोहमारा-चिखली-राका होते हुए सौंदड़ और आगे साकोली जाने वाले भारी वाहनों की संख्या बढ़ गई है. बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता. इससे दोपहिया वाहन चालकों समेत अन्य वाहन चालकों के लिए दुर्घटना का खतरा बढ़ गया है. विद्यार्थियों को भी इस मार्ग पर बड़ी संख्या में आवाजाही रहती है. नागरिकों ने संबंधित विभाग से तत्काल निरीक्षण कर सड़क की मरम्मत कराने की मांग की है.

सीएम मान ने बेअदबी कानून पर बुलाई मीटिंग

अमृतसर। पंजाब सरकार ने जगत ज्योत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) अधिनियम, 2026 को लागू करने की तैयारी तेज कर दी है। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इस संबंध में बनी 7 सदस्यीय समन्वय समिति की बैठक बुलाई है। यह बैठक 27 सितंबर, रविवार को दोपहर 1 बजे मुख्यमंत्री के सरकारी आवास पर होगी। बैठक में संशोधित अधिनियम के अलग-अलग पहलुओं पर चर्चा होगी। इसके साथ ही कानून को जमीन पर लागू करने के प्रस्तावों, प्रक्रिया और संबंधित पक्षों के बीच तालमेल पर भी बात की जाएगी। सरकार की 7 सदस्यीय समिति का काम संशोधित कानून को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए रणनीति बनाना और हितधारकों के बीच तालमेल बिठाना है। मुख्यमंत्री भगवंत मान की अध्यक्षता में होने वाली यह बैठक कानून के अमल की दिशा तय करेगी।

रील बनाना इन्फ्लुएंसर को पड़ा महंगा, चोरों ने एक करोड़ का माल उड़ाया

नई दिल्ली। कन्याकुमारी की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मधुमिता को अपनी ऑनलाइन चमक-धमक दिखाना महंगा पड़ गया। यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर सक्रिय मधुमिता, जो अपनी रील्स में अक्सर सोने के गहने, नकदी और परिवार की शान-ओ-शौकत दिखाती थीं, अब चोरी का शिकार हो गई हैं। यह घटना नागरकोइल के पास थामाथुकोनम इलाके की है, जहां उनके पति विनोद कुमार कारोबारी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को परिवार खरीदारी करने बाहर गया था। जब वे लौटे, तो घर का मंजर देखकर दंग रह गए। बेडरूम की अलमारी टूटी थी और उसमें रखे करीब 120 सॉवरेन सोने के गहने, डायमंड ज्वेलरी और पचास हजार रुपए नकद गायब थे। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब एक करोड़ बताई जा रही है। परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। शुरुआती जांच में सामने आया कि चोर पीछे का दरवाजा तोड़कर घर में घुसे। पुलिस अब मधुमिता की इंस्टाग्राम रील्स और अन्य सोशल मीडिया पोस्ट को खंगाल रही है।

जांच अधिकारियों के मुताबिक उनकी कई पोस्ट में घर में मौजूद महंगे गहने और नकदी साफ दिखाई देती थी। वह कभी बच्चों पर नोट बरसाती नजर आती थीं, तो कभी परिवार की हर महीने सोना खरीदने की बात करती थीं। इसके अलावा उनकी कुछ पोस्ट में परिवार के बाहर जाने, खरीदारी करने और घूमने की जानकारी भी होती थी। पुलिस को शक है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ही परिवार की गतिविधियों पर नजर रखी और उन्हें पता चल गया कि घर कब खाली रहता है। गुरुवार शाम जब परिवार खरीदारी के लिए निकला, तो चोरों ने मौके का फायदा उठाया। रिपोर्ट के मुताबिक मामले की जांच के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया है और एसपी ने भी घटनास्थल का दौरा किया है। यह पहला मामला नहीं है, जब सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करने के कारण चोरी हुई है। इससे पहले मध्य प्रदेश के शिवपुरी की यूट्यूबर रचना गुर्जर के घर भी इसी तरह की घटना हुई थी, जहां चोरों ने उनके वीडियो देखकर घर का लेआउट और सीसीटीवी कैमरों की लोकेशन समझी थी।

महिलाओं के बाद भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने भी स्वर्ण जीतकर इतिहास रचा

नगोया । एशियाई खेलों में शनिवार को भारतीय महिला टीम के बाद पुरुष कबड्डी टीम ने भी स्वर्ण पदक जीतकर भारतीय प्रशंसकों को खुशी का दोहरा अवसर दिया है। भारतीय पुरुष टीम ने फाइनल मुकाबले में ईरान को 40-34 से हराकर इतिहास रच दिया। भारतीय टीम ने फाइनल में ईरान को हराकर 9वीं बार इन खेलों में स्वर्ण पदक जीता है। इससे पहले भारत की महिला टीम ने भी ईरान की टीम को ही 37-34 से हराकर स्वर्ण पदक जीता था। अब भारत के एशियाई खेलों में 4 स्वर्ण सहित कुल 28 पदक हो गए हैं और पदक तालिका में भारतीय टीम 12वें से 10वें नंबर पर पहुंच गयी है।

भारतीय पुरुष टीम के खिलाड़ियों ने पहले हाफ में पीछे होने के बाद दूसरे हाफ में जोरदार वापसी की। भारतीय टीम ने ईरानी टीम को ऑलआउट कर बढ़त हासिल की। मैच समापत होने में जब 10 मिनट का समय बचा था तब भारतीय टीम ने ईरान पर पांच अंकों की बढ़त बना ली। ईरानी टीम भारत की वापसी से दबाव में आ गयी। भारतीय टीम ने इसके बाद बढ़त को मजबूत करते हुए ईरान पर दबाव बना दिया।

खिताबी मुकाबले के पहले हाफ में दोनों टीमों के बीच कड़ी टक्कर हुई। मैच की शुरुआत में ईरान ने आक्रामक खेल दिखाते हुए दबाव बनाया पर भारतीय टीम ने शानदार वापसी करते हुए जीत दर्ज की। भारतीय टीम ने . मुश्किल समय में बेहतरीन सुपर टैकल के बल पर अंक हसिल कर ईरान पर बढ़त बनाई। इसके बाद ईरानी खिलाड़ियों ने भी आक्राम रुख अपनाते हुए भारतीय टीम को ऑलआउट कर 14-13 की बढ़त बना ली। इसके बाद भारतीय टीम ने ने वापसी के प्रयास जारी रखे हालांकि पहला हाफ समापत होने तक ईरान 18-17 से हलकी बढ़त बना ली। भारतय टीम ने इससे पहले सेमीफाइनल में थाईलैंड को हराकर फाइनल में जगह बनायी थी।

भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने सेमीफाइनल में थाईलैंड को 66-28 के बड़े अंतर से हराया था। मैच की शुरुआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने अपना दबदबा बनाना बनाते हुए शुरुआती पांच मिनट के भीतर ही 7-1 की बढ़त बना ली थी। इस बाद थाईलैंड के धीरादत चाईसित ने कुछ अच्छे प्रयास कर टीम की वापसी के लिए ताकत लगायी। धीरादत ने एक शानदार रेड में तीन अंक हासिल कर भारत को ऑल-आउट कर दिया और अंकों के अंतर को 14-23 तक ला दिया। धीरादत हालांकि पूरी तरह से सफल नहीं रहे और भारतीय टीम ने अपनी लय बनाये रखी। हाफ-टाइम तक भारतीय टीम ने 37-18 से बढ़त बनाए रखी. मैच का दूसरा हाफ पूरी तरह से भारत के नाम रहा। . मुकाबले में 11 मिनट शेष रहते ही भारत ने 50 अंकों का आंकड़ा पार कर करते हुए मुकाबला 66-28 से जीत लिया।

एशियाई खेलों में भारत का क्वार्टर फाइनल मुकाबला 28 सितंबर को अफगानिस्तान से होगा

नगोया। एशियाई खेलों के क्वार्टर फाइनल मुकाबले तय हो गये हैं। इसमें भारतीय टीम का मुकाबला 28 सितंबर को अफगानिस्तान से होगा। अफगानिस्तान की टीम क्वालिफिकेशन राउंड के ग्रुप बी में दूसरे स्थान पर रहकर क्वार्टर फाइनल में पहुंची है। इस राउंड में अफगानिस्तान ने एक जीत और एक हार दर्ज की है। इसी ग्रुप से नेपाल की टीम तीन अंकों के साथ शीर्ष पर रही है और अब उसका सामना क्वार्टर फाइनल में श्रीलंका से होगा।

भारत और अफगानिस्तान के बीच मुकाबला 28 सितंबर को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क, निशिन में खेला जाएगा। भारतीय समयानुसार यह मैच सुबह 10 बजे शुरू होगा।

गौरतलब है कि भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम सहित चार टीमो को रैंकिंग के आधार पर सीधे ही क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है। भारत के अलावा पाकिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें भी इसी आधार पर अंतिम-8 में पहुंची हैं। वहीं, एशिया की अन्य टीमों ने क्वालिफिकेशन राउंड में खेलकर क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह पक्की की। इन क्वालिफिकेशन राउंड में अफगानिस्तान और नेपाल के साथ-साथ हांगकांग, मेजबान जापान, मलेशिया और ओमान जैसी टीमों ने हिस्सा लिया था।

सेमीफाइनल मुकाबले 1 अक्टूबर को खेले जाएंगे, जिसमें चार सर्वश्रेष्ठ टीमें फाइनल में जगह बनाने के लिए एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इसके बाद फाइनल मुकाबला 3 अक्टूबर को खेला जाएगा। इसी दिन तीसरे स्थान यानी कांस्य पदक के लिए भी मैच आयोजित होगा, जिससे पदक तालिका में टीमों की स्थिति और स्पष्ट होगी।

क्वार्टर फाइनल के शेड्यूल पर गौर करें तो पहला क्वार्टर फाइनल मुकाबला पाकिस्तान और हांगकांग, चाइना के बीच 28 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से खेला जाएगा।

दूसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला भारत और अफगानिस्तान के बीच 28 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा।

तीसरा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 5:30 बजे से श्रीलंका और नेपाल के बीच खेला जाएगा।

चौथा क्वार्टर फाइनल मुकाबला 29 सितंबर को सुबह 10:30 बजे से बांग्लादेश और मलेशिया के बीच खेला जाएगा।

1 अक्टूबर को पहला सेमीफाइनल सुबह 5:30 बजे से और दूसरा सेमीफाइनल सुबह 10:30 बजे से होगा।

3 अक्टूबर को तीसरे स्थान के लिए सुबह 5:30 बजे से मैच खेला जाएगा।

फाइनल मुकाबला 3 अक्टूबर को ही सुबह 10:30 बजे से खेला जाएगा।

एशियाई खेलों में गुलवीर ने रजत पदक जीता

आइची। भारतीय एथलीट गुलवीर सिंह ने एशियाई खेलों में पुरुषों की 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक जीता है। गुलवीर ने 28:29.38 का समय निकालकर पोडियम पर अपनी जगह पक्की करने के साथ ही भारत की पदक तालिका में एक रजत और जोड़ दिया। गुलवीर ने पिछले एशियाई खेलों में इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। पिछले संस्करण में उन्होंने इसी स्पर्धा में कांस्य पदक जीता है।

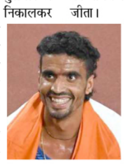

पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ में गुलवीर ने 28:29.38 के समय के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। वहीं इस स्पर्धा का स्वर्ण पदक बहरीन के बिरहानु बालेव ने 28:27.51 के समय के साथ जीता, जबकि अल्बर्ट किप्टू ने 28:34.38 का समय निकालकर कांस्य पदक जीता।

गुलवीर ने इससे पहले ग्लास्गो राष्ट्रमण्डल खेलों में उन्होंने 10,000 मीटर स्पर्धा में रजत पदक और 5,000 मीटर स्पर्धा में कांस्य पदक जीता था। एशियन एथलेटिक्स चैम्पियनशिप 2025 में भी उन्होंने 5,000 और 10,000 मीटर दोनों स्पर्धाओं में स्वर्ण पदक जीतकर अपनी धाक जमाई थी। पिछले दो सालों से वह लगातार शानदार प्रदर्शन के दम पर भारतीय लंबी दूरी की दौड़ में एक प्रमुख चेहरा बनकर उभरे हैं।

गुलवीर इस ऐतिहासिक रजत पदक के साथ ही भारत ने एशियाई खेलों में कुल 22 स्वर्ण पूरे कर लिए हैं। इसके तुरंत बाद, बाराणिका एलंगोवन ने महिला पोल वॉल्ट में कांस्य पदक जीतकर भारत के पदकों की संख्या को 23 तक पहुँचा दिया। उत्तर प्रदेश के अतरौली गांव के एक साधारण किसान परिवार में जन्मे 28 वर्षीय गुलवीर सेना में हैं और यहीं से उन्होंने खेलते हुए एशियाई खेलों तक का सफर तय किया है।गुलवीर का यह प्रदर्शन उनकी निरंतरता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ते कद का प्रतीक है, जो भारतीय एथलेटिक्स के लिए एक उज्ज्वल भविष्य की ओर इशारा करता है।

कांबली बोले, निदान सेंटर में मिल रहा घर जैसा माहौल

ठाणे । पूर्व क्रिकेटर विनोद कांबली आजकल इलाज के लिए यहां के निदान सेंटर में भर्ती है। यहीं से कांबली का एक वीडियो आया है। इसमें कांबली ने अपने स्वास्थ्य और यहां मिल रही देखभाल के बारे में बात करते हुए बताया है कि वे पूरी तरह ठीक हैं और उन्हें घर जैसा माहौल मिल रहा है। उन्होंने अपने शुभचिंतकों को आश्वस्त किया कि सेंटर में उनकी अच्छी देखभाल की जा रही है और उन्हें लोगों से भरपूर प्यार और स्नेह मिल रहा है। अपने संदेश में, कांबली ने निदान सेंटर की सुविधाओं, साफ-सफाई और व्यवस्था की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि उन्हें यहां बेहतरीन सुविधाएं मिल रही हैं, और स्वच्छता तथा व्यवस्था शानदार है। कांबली ने विशेष रूप से यह साझा किया कि उन्हें बिल्कुल ऐसा महसूस नहीं होता कि वह अपने घर से दूर हैं, क्योंकि वहां के स्टाफ और लोगों से उन्हें परिवार जैसा प्यार मिला है।

इस सकारात्मक संदेश के सामने आने के बाद, क्रिकेट प्रशंसकों और उनके शुभचिंतकों ने गहरी राहत महसूस की है और उनके जल्द पूरी तरह स्वस्थ होने की कामना की है। सोशल मीडिया में भी कांबली के इस वीडियो को लेकर अच्छी प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई प्रशंसकों ने उनके शीघ्र स्वस्थ होकर क्रिकेट से दोबारा जुड़ने की उम्मीद जताई है, यहां तक कि एक प्रशंसक ने उन्हें इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में कमेंट्री करने का भी सुझाव दे दिया।

गौरतब है कि कांबली पिछले कुछ वर्षों से स्वास्थ्य संबंधी गंभीर परेशानियों के कारण सुर्खियों में रहे हैं, जिससे उनके प्रशंसकों के बीच लगातार चिंता बनी हुई थी। वर्ष 2013 में हुई एंजियोप्लास्टी के बाद से ही उन्हें यूरिनरी संक्रमण हुआ जिससे उन्हें चलने-फिरने में कठिनाई और मस्तिष्क में थक्के जमने जैसी जटिलताओं का सामना करना पड़ा था। इन स्वास्थ्य समस्याओं के कारण उन्हें कई बार ठाणे के अस्पतालों में भी भर्ती कराया गया था, और उनकी बिगड़ती सेहत को लेकर क्रिकेट जगत में लगातार चिंता जताई जाती रही थी। हाल ही में, वर्ष 2024 में मुंबई के ऐतिहासिक शिवाजी पार्क में आयोजित एक कार्यक्रम में कांबली को अपने बचपन के मित्र और क्रिकेट के दिग्गज सचिन तेंदुलकर के साथ देखा गया था। उस समय वे काफी कमजोर दिख रहे थे और उन्हें चलने के लिए सहारे की आवश्यकता पड़ रही थी, जिससे प्रशंसकों और क्रिकेट बिरादरी के लोगों की चिंता और भी बढ़ गई थी। पूर्व क्रिकेटर कपिल देव और सुनील गावस्कर सहित कई दिग्गजों ने उनके इलाज और पुनर्वास में मदद की पेशकश भी की थी।

पांड्या चोटिल होने के कारण न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हुए

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या चोटिल होने के कारण 22 अक्टूबर से शुरु हो रहे न्यूजीलैंड दौरे से बाहर हो गये हैं। पांड्या जैसे अनुभवी खिलाड़ी का बाहर होना भारतीय टीम के लिए करारा झटका है। पांड्या के बाहर होने से टीम संयोजन पर भी विपरीत प्रभाव पड़ता है। प्राप्त मिली जानकारी के अनुसार, हार्दिक को ट्रेनिंग के दौरान दाहिनी पिंडली में चोट लगी थी। बीसीसीआई के अनुसार ताजा स्कैन में इस चोट की पुष्टि हुई है इसके कारण उन्हें कम से कम दो सप्ताह के पूर्ण आराम की सलाह दी गई है।

शमी जहां से भी चुनाव में उतरेगा उसके खिलाफ लड़ूंगी - हसीन जहां

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे तेज गेंदबाज़ मोहम्मद शमी के उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव लड़ने की अटकलों के बीच ही उनसे अलग रह रही पत्नी हसीन जहां ने कहा है कि वह जहां से भी उतरेगा। मैं उसके खिलाफ चुनाव लड़ूंगी। हसीन जहां ने कहा कि अगर शमी या फिर उनके भाई हसीब चुनाव लड़ते हैं, तो वह उनका घमंड तोड़ने के लिए चुनावी मैदान में उतरेंगी। गौरतलब है कि ये पहली बार नहीं है जब हसीन ने शमी को लेकर इस तरह की बयानबाजी की है। साल 2018 के बाद जब से दोनों में विवाद हुआ है तब से हसीन शमी का हर मामले में विरोध करती आई हैं। हाल ही में शमी के क्रिकेटर भाई मोहम्मद कैफ पर लखनऊ की एक महिला ने कथित तौर पर रेप का आरोप लगाया था।

महिला क्रिकेटर फातिमा अब बाबर आजम से भी आगे निकली = वसीम

लाहौर। पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद वसीम ने महिला क्रिकेट टीम के कप्तान फातिमा सना की जमकर तारीफ की है। वसीम ने कहा कि आज के समय में फातिमा पुरुष टीम के अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम से भी बेहतर है। साथ ही कहा कि अपने प्रदर्शन से उसने लोकप्रियता में बाकर को भी पीछे छोड़ दिया है। महिला टीम के कोच रहे वसीम ने कहा कि अगर क्रिकेट को गहराई से समझने वाले और जानकार दर्शकों के बीच फातिमा और बाबर की तुलना की जाए, तो फातिमा कहीं आगे खड़ी नज़र आती हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या बाबर पुरुष टीम में फातिमा के समकक्ष हैं, तो वसीम ने बिना किसी झिझक के फातिमा को इन सबसे ऊपर रखा। उन्होंने इस बात पर गर्व और दुख दोनों जताया कि फातिमा कई बार असाधारण प्रदर्शन करने के बावजूद हारने वाली टीम का हिस्सा बन जाती हैं। वसीम ने बताया कि हाल ही में उन्होंने एक टीवी एंकर को फातिमा को पाकिस्तान का सबसे लोकप्रिय क्रिकेटर बताते हुए सुना था, और वह इस बात से पूरी तरह सहमत हैं।

मोहम्मद वसीम के अनुसार, लोकप्रियता केवल नाम या पहचान से नहीं मिलती, बल्कि निरंतर और प्रभावी प्रदर्शन से बनती है। उन्होंने कहा कि फातिमा बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं, और अब जब पुरुष और महिला क्रिकेटरों को एक साथ देखा जा रहा है, तो अंतरराष्ट्रीय मीडिया में भी उनकी खूब तारीफ होती है। वहीं दूसरी ओर, पाकिस्तान के पुरुष क्रिकेट के कई बड़े नामों को मौजूदा समय में इस तरह की लगातार प्रशंसा नहीं मिल रही है, जिसके पीछे उनका मौजूदा प्रदर्शन भी एक बड़ी वजह है।

गौरतलब है कि फातिमा सना पाकिस्तान महिला टीम की कप्तान हैं और उन्हें दुनिया की बेहतरीन महिला हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल किया जाता है। उन्होंने अब तक 134 एकदिवसीय और टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 157 विकेट अपने नाम किए हैं, जबकि निचले क्रम में बल्लेबाजी करते हुए 1500 से ज्यादा रन भी बनाए हैं। खास बात यह है कि पाकिस्तान महिला टीम को बड़े टूर्नामेंटों में भले ही लगातार सफलता न मिली हो, लेकिन फातिमा अपने गेंद और बल्ले दोनों से कई मौकों पर टीम के लिए सबसे प्रभावी खिलाड़ियों में से एक रही हैं। मौजूदा जानकारी के अनुसार, फातिमा की यही निरंतरता उन्हें पाकिस्तान के बाकी खिलाड़ियों से एक अलग पहचान देती है। दूसरी ओर, बाबर आज़म एक बार फिर दबाव में हैं। इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में समाप्त हुई तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला में पाकिस्तान को 0-3 से करारी हार का सामना करना पड़ा है।

एशियाई खेलों में वैभव को अंतिम ग्यारह में जगह मिलना तय - कैफ

तिलक और शिवम को बाहर बैठा सकता है टीम प्रबंधन

मुम्बई । भारतीय टीम 28 सितंबर से एशियाई खेलों में अपना अभियान शुरु करेगी। भारतीय टीम को रैंकिंग के आधार पर सीधे क्वार्टर फाइनल में जगह दी गयी हे। वहीं पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का मानना है कि इन खेलों में भारतीय टीम उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को जरुर अवसर देगी। इसके लिए भले ही उसे तिलका वर्मा या शिवम दूबे के बाहर बिठाना पड़े। कैफ ने टीम संयोजन को लेकर दिये बयान में कहा है युवा प्रतिभाशाली बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को लंबे समय तक अंतिम ग्यारह से बाहर नहीं रखा जा सकता। साथ ही कहा कि उन्हें टीम में जगह देने के लिए तिलक या शिवम जैसे खिलाड़ियों को भी बाहर किया जा सकता है। कैफ के अनुसार वैभव ने अब तक अपने करियर में जिस प्रकार का प्रदर्शन किया है उसे देखते हुए टीम प्रबंधन के लिए उन्हें लंबे समय तक बाहर रखना असंभव होगा।

कैफ के अनुसार, टीम प्रबंधन का ध्यान इस बात पर नहीं होना चाहिए कि वैभव सूर्यवंशी के लिए अंतिम इलेवन में जगह है या नहीं, बल्कि इस पर होना चाहिए कि उन्हें टीम में कैसे फिट किया जाए। कैफ का मानना है कि इस बल्लेबाज को अंतिम ग्याहर में शामिल करने से भारतीय टीम को ही फायदा होगा। उन्होंने अगले छह महीनों में एक ऐसे संयोजनप की संभावना जताई जिसमें वैभव सूर्यवंशी, संजू सैमसन और अभिषेक शर्मा तीनों एक साथ भारतीय टीम का हिस्सा हों।

कैफ ने कहा कि अगर टीम प्रबंधन इस उभरते हुए खिलाड़ी को अंतिम ग्यारह में शामिल करना चाहता है, तो तिलक या शिवम में से किसी एक की जगह पर विचार किया जा सकता है। उन्होंने साथ ही कहा कि तिलक भले ही टीम के उप-कप्तान हों, भारतीय क्रिकेट में ऐसा कोई नियम नहीं है कि उप-कप्तान को अंतिम ग्याहर से बाहर नहीं किया जा सकता। टीम की जरूरत के हिसाब से यह फैसला लिया जा सकता है। वहीं, शिवम दुबे को लेकर कैफ का कहना था कि उनका उपयोग मुख्य रूप से बल्लेबाज के तौर पर हो रहा है,

उनसे ज्यादा गेंदबाजी नहीं कराई जा रही और फील्डिंग भी उनकी कमजोर है। ऐसे में वैभव के लिए जगह बनाने की स्थिति में शिवम को बाहर बैठना पड़ सकता है।

अपनी बात को बल देने के लिए कैफ ने सौरव गांगुली की कप्तानी के दौर का उदाहरण दिया। उन्होंने याद दिलाया कि उस समय भारतीय टीम के पास सचिन तेंदुलकर, वीरेंद्र सहवाग और सौरव गांगुली जैसे तीन बेहतरीन सलामी बल्लेगा थे। हालांकि, टीम प्रबंधन ने किसी एक को बाहर बैठाने के बजाय बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करके तीनों को अंतिम ग्यारह में जगह दी। कैफ ने वैभव सूर्यवंशी की प्रतिभा और प्रदर्शन की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सूर्यवंशी ने बड़े मंच पर खुद को साबित किया है। आईपीएल में उन्होंने दबाव वाले मुकाबलों में रन बनाए हैं और हाल ही में जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में वह प्लेयर ऑफ द सीरीज भी रहे थे। कैफ के अनुसार, सूर्यवंशी को अब यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खेलने के काबिल हैं।

एशियाई खेलों में भारतीय टीम को सतर्क रहना होगा - गावस्कर

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सुनील गावस्कर ने कहा है कि एशियाई खेलों में भारतीय टीम को काफी सावधान रहना होगा। गावस्कर के अनुसार टीम को एक ऐसे अलग तरीके के माहौल का सामना करना पड़ेगा जो आमतौर पर क्रिकेट खेलने वाले देशों में नहीं देखा जाता। भारतीय टीम अपना पहला मैच 28 सितंबर को कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में खेलेगी, जिसमें क्रिकेट और बेसबॉल के मैच खेले जाते हैं। गावस्कर ने कहा कि यह कोई आम क्रिकेट खेलने वाला देश नहीं है, जिससे माहौल और दर्शकों की संख्या में बड़ा अंतर आ सकता है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि शायद यहाँ का माहौल वैसा नहीं होगा जैसा आमतौर पर क्रिकेट खेलने वाले देशों में देखने को मिलता है। इसलिए हालात अलग हो सकते हैं और दर्शकों की संख्या भी भारत के मैचों के मुकाबले काफी कम रहेगी। पिच के बारे में भी सही अनुमान लगाना कठिन मुश्किल है। हालांकि, उन्होंने क्रिकेट की इसी अनूठी चुनौती को इसकी खूबसूरती बताया। गावस्कर ने कहा, क्रिकेट की सुंदरता यही है कि जब क्रिकेटर अपने शहरों में क्लब क्रिकेट खेलते हैं, तो वे मैदानों पर खेलते हैं, ड्रेसिंग रूम सिर्फ़ टेंट होते हैं, और आउटफ़ील्ड हमेशा सबसे अच्छे नहीं होते। मुझे लगता है कि यही चुनौती है, और उस चुनौती को पार करके जीतना और भी खास होगा। गावस्कर ने भारतीय टीम के अपने शीर्ष क्रिकेटरों के साथ इस इवेंट में उतरने के फैसले की तारीफ की। भारतीय बल्लेबाज़ी को बेहतरनी बताते हुए उन्होंने कहा कि उसके निचले क्रम के बल्लेबाज भी तेजी से रन बना सकते हैं।।

वहीं मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को शामिल करने को भी उन्होंने एक अच्छा विचार बताया, जिससे उन्हें न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज से पहले कुछ अभ्यास मिल जाएगा। कप्तान श्रेयस अय्यर के अनुभव पर भी उन्होंने ज़ोर दिया, कहा कि आईपीएल में उनके अच्छे प्रदर्शन को देखते हुए उन पर कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होना चाहिए। गावस्कर ने यह भी जोड़ा कि देश की कप्तानी करने का सम्मान और सौभाग्य हर कप्तान को मिलता है, इसलिए एशियाई खेलों में अय्यर पर कोई खास दबाव नहीं होगा। हालांकि, गावस्कर ने आगाह किया कि यह एक टी20 टूर्नामेंट है, इसलिए चुनौती कड़ी होगी। उन्होंने बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान को खतरनाक टीमें बताया, जिन्हें हल्के में नहीं लिया जा सकता। गावस्कर ने नेपाल की भी तारीफ की, जो हाल ही में बहुत अच्छा क्रिकेट खेल रहा है और जिसने टी20 विश्व कप में इंग्लैंड जैसी टीमों को हैरान कर दिया था।

अगले माह अज़रबैजान में खेला जाएगा पहला फीफा अंडर-15 विश्व कप फुटबॉल

बाकू । विश्व फुटबॉल की उभरती हुई प्रतिभाएं अब अज़रबैजान के बाकू में अगले माह होने होने वाले पहले फीफा अंडर-15 विश्व कप और फेस्टिवल अज़रबैजान 2026 में खेलती दिखेंगी। इसमें कुल 191 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम भी इसमें भाग लेगी। भारतीय टीम ग्रुप के में रखा गया है। इसमें भारतीय टीम 24 से 26 अक्टूबर के बीच लाओस, कैमरून, ग्रेनाडा, बहरीन और सेनेगल से पांच मैच खेलेगी। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के अनुसार इस टूर्नामेंट से युवा खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाने का अवसर मिलेगा।भारतीय टीम 24 अक्टूबर को सुबह लाओस से खेलेग। इसके बाद, 25 अक्टूबर को भारत का मुकाबला कैमरून से और फिर ग्रेनाडा से होगा। योग्यता चरण 26 अक्टूबर को दो मैचों के साथ समाप्त होगा। इसके बाद वह बहरीन और सेनेगल से खेलेगी। यह व्यस्त कार्यक्रम युवा खिलाड़ियों के लिए शारीरिक और मानसिक दोनों स्तरों पर एक बड़ी चुनौती पेश करेगा। ,

इस ऐतिहासिक टूर्नामेंट में कुल 191 राष्ट्रीय टीमें भाग ले रही हैं। ये 32 अलग-अलग ग्रुपों में बंटी हुई हैं। छह दिनों तक चलने वाले इस विशाल आयोजन में 20 पिचों पर कुल 943 रोमांचक मैच खेले जाएंगे। मैच 8वी8 (आठ बनाम आठ) फॉर्मेट में खेले जाएंगे, जिसमें 20-20 मिनट के दो हाफ होंगे और बीच में पांच मिनट का हाफ-टाइम ब्रेक होगा। पिच का आकार 68 मीटर गुणा 50 मीटर निर्धारित किया गया है, और पूरे मैच के दौरान रोलिंग सब्स्टिट्यूशन (लगातार खिलाड़ी बदलने की अनुमति) की सुविधा होगी, जिससे कोच अपनी रणनीति में लचीलापन रख सकेंगे और खिलाड़ियों को अधिकतम अवसर दे पाएंगे।। भारतीय दल 22 अक्टूबर को बाकू पहुंचेगा, जिसके बाद 23 अक्टूबर को आधिकारिक प्रशिक्षण सत्र होगा, जहां टीम अपनी रणनीति को अंतिम रूप देगी। योग्यता दौर 24 से 26 अक्टूबर तक चलेगा। 27 अक्टूबर को खिलाड़ियों को आराम का दिन मिलेगा, जिसके बाद टूर्नामेंट चरण 28 और 29 अक्टूबर को होगा। इस उद्घाटन समारोह का समापन 30 अक्टूबर को टियर फाइनल के साथ होगा, जहाँ युवा फुटबॉलरों का यह महाकुंभ अपने चरम पर पहुंचेगा।

स्क्वाश में जोशना और सेंथिलकुमार ने कांस्य जीता

नगोया। भारत की जोशना चिनप्पा और वेलवन सेंथिलकुमार की जोड़ी को एशियाई खेलों के मिश्रित युगल स्क्वाश के सेमीफाइनल में हांगकांग के तांग मिंग हांग और ली का यी से हारने के बाद कांस्य पदक ही मिल पाया। जोशना और सेंथिलकुमार की जोड़ी को तीन गेम के रोमांचक मुकाबले में (1-2) 10-11, 11-2, 10-11 से हार का सामना करना पड़ा है। मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में जोशना और सेंथिलकुमार की भारतीय जोड़ी ने पहले गेम में ली का यी और तांग मिंग हांग को कड़ी टक्कर दी पर अंत में उन्हें मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़। इसके बाद जोशना और सेंथिलकुमार ने शानदार वापसी करते हुए दूसरा गेम जीत लिया.तीसरे गेम में भी कड़ी टक्कर देखने को मिली पर अंत में हांगकांग के खिलाड़ियों ने संयम से खेलते हुए जीत हासिल की।

कांग्रेस ने तैयार किया मुद्दों का 'मैप', अब राहुल की एंट्री की तैयारी

बैगा बच्चों की मौत से लेकर केन-बेतवा, सिंगरौली विस्थापन और वनाधिकार तक मुद्दे जुटा रही प्रदेश कांग्रेस; राहुल के दौरे से पहले जमीनी रिपोर्ट तैयार

भोपाल। मध्य प्रदेश में आदिवासी राजनीति को लेकर कांग्रेस ने अब मुद्दों को अलग-अलग जिलों तक सीमित रखने के बजाय उन्हें एक बड़े राजनीतिक नैरेटिव में पिरोने की कवायद शुरू कर दी है। बालाघाट इसका नया केंद्र बनता दिख रहा है। बैगा आदिवासी बच्चों की मौत, स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति, कुपोषण और बुनियादी सुविधाओं के सवाल को कांग्रेस ने सबसे आगे रखा है। इसके साथ ही केन-बेतवा लिंक परियोजना, सिंगरौली की कोल परियोजनाओं से विस्थापन, वनाधिकार पट्टों और जमीन से जुड़े विवादों को भी एक साथ जोड़ा जा रहा है। इसी सिलसिले में प्रदेश कांग्रेस ने पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व को मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों के मुद्दों की विस्तृत रिपोर्ट भेजी है। पार्टी की ओर से राहुल गांधी के कार्यालय को बालाघाट के अलावा दूसरे जिलों में चल रहे आंदोलनों और स्थानीय मुद्दों की जानकारी भी दी गई है। अब चर्चा है कि राहुल गांधी बालाघाट का दौरा कर प्रभावित आदिवासी परिवारों से मुलाकात कर सकते हैं। हालांकि दौरे की अंतिम तारीख अभी तय नहीं है।

पिछले कुछ महीनों में बालाघाट के बैहर-बिरसा क्षेत्र के आदिवासी गांवों में बच्चों की बीमारी और मौतों ने राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं। अलग-अलग रिपोर्टों में मृत बच्चों की संख्या अलग-अलग बताई गई है। शुरुआती दौर में प्रशासन की ओर से कम संख्या बताई गई थी, जबकि कांग्रेस और अन्य स्रोतों ने मृतकों की संख्या इससे काफी अधिक बताई। रिपोर्टों में मलेरिया, खसरा, कुपोषण, एनीमिया और दूसरी स्वास्थ्य समस्याओं का उल्लेख हुआ है। प्रभावित इलाकों में स्वास्थ्य सेवाओं, पोषण और सुरक्षित पेयजल को लेकर भी सवाल उठे हैं। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी बालाघाट जाकर प्रभावित परिवारों से मिल चुके हैं और पार्टी ने न्याय यात्रा भी निकाली। यही वजह है कि कांग्रेस अब इस मामले को केवल एक स्वास्थ्य संकट के रूप में नहीं, बल्कि आदिवासी क्षेत्रों में सरकारी सेवाओं की स्थिति से जोडक़र देख रही है।

एक मुद्दा नहीं, पूरा आदिवासी एजेंडा तैयार

प्रदेश कांग्रेस की रणनीति में बालाघाट अकेला मुद्दा नहीं है। पार्टी नेतृत्व को भेजी गई रिपोर्ट में कई क्षेत्रों के अलग-अलग मामलों को शामिल किया गया है। केन-बेतवा लिंक परियोजना में प्रभावित पन्ना और छतरपुर के परिवारों का मुद्दा उठाया जा रहा है। इसी तरह सिंगरौली में कोयला परियोजनाओं से जुड़े विस्थापन और पर्यावरणीय प्रभाव के सवाल कांग्रेस उठा रही है। देवास सहित अन्य जिलों में आदिवासियों की जमीन और वनाधिकार से जुड़े मामलों को भी रिपोर्ट का हिस्सा बनाया गया है। इस तरह कांग्रेस का फोकस अब एक सवाल पर नहीं, बल्कि जमीन + जंगल + स्वास्थ्य + विस्थापन + वनाधिकार के संयुक्त एजेंडे पर दिखाई दे रहा है।

राहुल की मौजूदगी से मुद्दों को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

राहुल गांधी ने सितंबर में बालाघाट के आदिवासी बच्चों की मौतों पर सार्वजनिक रूप से चिंता जताई थी और सरकार से तत्काल जांच, इलाज और राहत की मांग की थी। बाद में उन्होंने इस मामले को लेकर मध्य प्रदेश सरकार की आलोचना भी की। अगर राहुल गांधी बालाघाट पहुंचते हैं तो उनका दौरा केवल प्रभावित परिवारों से मुलाकात तक सीमित नहीं रहेगा। कांग्रेस इसे आदिवासी क्षेत्रों में स्वास्थ्य, कुपोषण, विस्थापन और वनाधिकार जैसे मुद्दों को राष्ट्रीय राजनीतिक विमर्श में उठाने के अवसर के रूप में इस्तेमाल कर सकती है। पार्टी के लिए यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि बालाघाट के बाद यही मुद्दे मंडला, डिंडोरी, शहडोल, अनूपपुर, अलीराजपुर, झाबुआ, धार और बड़वानी जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्रों में अलग-अलग रूप में उठाए जा सकते हैं।

'आदिवासी हितैषी' दावे की जमीन पर परीक्षा

कांग्रेस की राजनीतिक लाइन साफ दिखाई दे रही है-वह सरकार के आदिवासी कल्याण के दावों को जमीनी स्वास्थ्य, पोषण, जमीन और वनाधिकार के सवालों से जोडक़र परखने की कोशिश कर रही है। दूसरी ओर सरकार ने बालाघाट में स्वास्थ्य व्यवस्था मजबूत करने के लिए कई कदमों की घोषणा की है। उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल की समीक्षा के बाद जिले में 67 नए मेडिकल ऑफिसर पदस्थ किए गए हैं। स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए दो करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए और नए स्वास्थ्य केंद्र तथा मोबाइल मेडिकल यूनिट शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं। इसलिए अब राजनीतिक बहस केवल आरोप-प्रत्यारोप की नहीं, बल्कि सरकार की घोषित व्यवस्थाएं प्रभावित गांवों तक कितनी पहुंचीं, इस पर भी टिकेगी।

छात्रों के बाद अब आदिवासी बेल्ट

राहुल गांधी का मध्य प्रदेश दौरा लगातार राज्य के अलग-अलग सामाजिक समूहों के मुद्दों से जुड़ रहा है। 19 सितंबर के इंदौर कार्यक्रम 'छात्रों की गूंज' के बाद कांग्रेस ने इस अभियान को दूसरे जिलों तक ले जाने की घोषणा की है। अब बालाघाट का मुद्दा सामने है। ऐसे में कांग्रेस संगठन के स्तर पर इसे आदिवासी क्षेत्रों तक पहुंच बनाने के अगले चरण के रूप में देख रहा है। यानी पार्टी का संभावित फॉर्मूला यह बनता दिख रहा है-इंदौर में युवा और छात्र, बालाघाट में आदिवासी, सिंगरौली में विस्थापन, पन्ना-छतरपुर में परियोजना प्रभावित, और पूरे प्रदेश में जमीन-वनाधिकार का सवाल।

2028 से पहले आदिवासी बेल्ट पर फोकस

मध्य प्रदेश की राजनीति में आदिवासी सीटों का महत्व लंबे समय से बना हुआ है। ऐसे में 2028 विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस का इन इलाकों में लगातार सक्रिय होना संगठनात्मक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। लेकिन इस रणनीति की असली परीक्षा यह होगी कि क्या बालाघाट का स्थानीय मुद्दा प्रदेश के दूसरे आदिवासी इलाकों से जुड़ पाता है? यदि ऐसा होता है तो बालाघाट सिर्फ एक जिले का स्वास्थ्य संकट नहीं रहेगा। यह कांग्रेस के लिए आदिवासी अधिकारों, सरकारी सेवाओं और विस्थापन के सवालों को एक साझा राजनीतिक मंच पर लाने का केंद्र बन सकता है। और यही वजह है कि अभी राहुल गांधी के बालाघाट आने की चर्चा से ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि प्रदेश कांग्रेस ने उनके सामने मध्य प्रदेश के आदिवासी इलाकों का कौन-सा पूरा मुद्दा-पत्र रखा है।

मप्र निकाय चुनाव : महापौर और नपा अध्यक्ष की जमानत राशि बढ़ी

भोपाल। महापौर, नगरपालिका अध्यक्ष और पार्षद का चुनाव लडऩे वालों को अब सिक्योरिटी डिपॉजिट (जमानत राशि) के रूप में ज्यादा रकम जमा करनी होगी। अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनाव से पहले राज्य सरकार ने महापौर के लिए जमानत राशि 32 हजार रुपए कर दी है, जबकि नपा अध्यक्ष का चुनाव लडऩे वालों को 24 हजार रुपए जमा करने होंगे। इसके साथ ही नामांकन जमा करने की समय-सीमा में भी बदलाव किया गया है। अब यह अवधि सात दिन से कम नहीं होगी। सातवें दिन अवकाश होने पर अगले कार्यदिवस तक नामांकन जमा किए जा सकेंगे। चुनावी खर्च का हिसाब रखने और प्रस्तुत करने के नियम भी स्पष्ट किए गए हैं।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने मध्यप्रदेश नगरपालिका निर्वाचन नियम, 1994 में संशोधन किया है। राज्य सरकार ने अधिसूचना जारी कर महापौर, नगर पालिका अध्यक्ष और नगर परिषद अध्यक्ष के निर्वाचन, नामांकन, जमानत राशि, चुनावी खर्च और पद से वापस बुलाने की प्रक्रिया से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। महापौर, अध्यक्ष और पार्षद पद के उम्मीदवारों के चुनाव खर्च के लिए अलग बैंक खाता खोलने और निर्वाचन व्यय का लेखा प्रस्तुत करने से संबंधित प्रावधान भी किए गए हैं। संशोधित नियमों के अनुसार महापौर, अध्यक्ष या किसी वार्ड के पार्षद के निर्वाचन के लिए नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख, समय और स्थान निर्धारित किया जाएगा। इसकी सूचना प्रकाशित होने के सातवें दिन को नामांकन की अंतिम तारीख माना जाएगा। यदि सातवां दिन सार्वजनिक अवकाश है तो उसके अगले कार्यदिवस को अंतिम तारीख माना जाएगा।

महापौर-अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने की प्रक्रिया भी शामिल

संशोधित नियमों में महापौर और अध्यक्ष को पद से वापस बुलाने की प्रक्रिया भी शामिल की गई है। मध्यप्रदेश नगरपालिका अधिनियम, 1956 और मध्यप्रदेश नगर निगम अधिनियम, 1956 के संबंधित प्रावधानों के तहत राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा तय प्रक्रिया के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। यदि महापौर, अध्यक्ष या पार्षद का पद मृत्यु, त्यागपत्र, निर्वाचन रद्द होने या अन्य कारण से रिक्त होता है, तो इसकी सूचना निर्धारित समय-सीमा में जिला निर्वाचन अधिकारी को देनी होगी।

खर्च से जुड़े दस्तावेज सुरक्षित रखने होंगे

महापौर, अध्यक्ष और पार्षद पद के उम्मीदवारों को चुनाव से संबंधित खर्च का पूरा हिसाब और आवश्यक दस्तावेज सुरक्षित रखने होंगे। अलग बैंक खाते की व्यवस्था से निर्वाचन व्यय से जुड़ी प्राप्तियों और खर्च का रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने का प्रावधान किया गया है।

5 हजार करोड़ की योजना नियमों के इंतजार में फंसी

भोपाल । मध्यप्रदेश के शहरों को सडक़, जलप्रदाय, सीवरेज, ऊर्जा बचत और ई-गवर्नेंस जैसी सुविधाओं से जोडऩे के लिए घोषित 5 हजार करोड़ रुपये की द्वारका नगरी योजना फिलहाल कागजी प्रक्रिया में अटकी हुई है। बजट घोषणा के करीब सात महीने बाद भी योजना की गाइडलाइन तैयार नहीं हो सकी है। नतीजा यह है कि जिस योजना को एक अप्रैल से प्रभावी माना गया था, उसके तहत अब तक विकास कार्य शुरू नहीं हो पाए हैं। सरकार ने 18 फरवरी को बजट में इस योजना की घोषणा की थी। इसे तीन साल की अवधि वाली मेगा योजना के तौर पर लागू करने का लक्ष्य रखा गया था। लेकिन योजना के क्रियान्वयन के लिए जरूरी नियम और गाइडलाइन तैयार नहीं होने से नगरीय निकायों में काम आगे नहीं बढ़ सका।

योजना के लिए वित्त वर्ष 2026-27 में कुल 5 हजार करोड़ रुपये की वित्तीय संरचना तय की गई है। इसमें 2201.20 करोड़ रुपये अनुदान के रूप में शून्य प्रतिशत ब्याज पर राज्य शासन की ओर से ऋण तथा 2798.80 करोड़ रुपये वित्तीय संस्थाओं से ऋण के रूप में लिए जाने हैं। यानी योजना के लिए बजट और वित्तीय ढांचा सामने है, लेकिन जमीनी काम शुरू कराने के लिए जरूरी गाइडलाइन अभी तैयार नहीं है। विभाग का दावा है कि अक्टूबर तक गाइडलाइन तैयार कर ली जाएगी। द्वारका नगरी योजना के तहत नगरीय क्षेत्रों में बड़े स्तर पर बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने की योजना है। इसमें वार्ड स्तर पर सडक़ निर्माण और सुधार, जलप्रदाय व्यवस्था, सीवरेज, ऊर्जा बचत, ई-गवर्नेंस, आवास निर्माण, अमृत 2.0 से जुड़े काम, शहरों की सडक़ों की मरम्मत और मूलभूत सेवाओं के लिए अनुदान जैसे काम शामिल हैं। योजना के तहत नगरीय क्षेत्रों में आवास निर्माण के लिए 2316 करोड़, अमृत 2.0 के लिए 3467 करोड़ और सडक़ों की मरम्मत के लिए 349 करोड़ रुपये के काम प्रस्तावित हैं।

योजना की वित्तीय संरचना भी लंबी अवधि की है। राज्य शासन की ओर से शून्य प्रतिशत ब्याज पर दिए जाने वाले 2201.20 करोड़ रुपये का पुनर्भुगतान 25 साल बाद पांच समान वार्षिक किस्तों में किया जाना है। वहीं नगरीय निकायों द्वारा लिए जाने वाले ऋण और उसके ब्याज का भुगतान 20 वर्षों में राज्य शासन को मिलने वाले मुद्रांक शुल्क की राशि से किया जाएगा। इसके अलावा शहरों की मास्टर प्लान सडक़ों को पीपीपी मोड पर बनाने और मेट्रोपॉलिटन रीजन को ध्यान में रखकर काम कराने का प्रावधान भी योजना में रखा गया है।

अब अक्टूबर पर टिकी नजर

योजना की घोषणा के बाद अब तक करीब सात महीने बीत चुके हैं। विभाग की ओर से अक्टूबर तक गाइडलाइन तैयार करने का दावा किया गया है। ऐसे में अगला महत्वपूर्ण चरण गाइडलाइन जारी होने के बाद नगरीय निकायों को काम शुरू करने के लिए प्रक्रिया उपलब्ध कराना होगा।

जहरीली कफ सिरप कांड पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने सरकार से पूछा —

मासूमों की मौत का जिम्मेदार कौन ?- जीतू पटवारी

भोपाल। मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितेंद्र (जीतू) पटवारी ने छिंदवाड़ा के जहरीले कफ सिरप कांड और प्रदेश में सामने आए नशीली कफ सिरप के नेटवर्क को लेकर मध्य प्रदेश सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

पटवारी ने कहा कि इस पूरे मामले का सबसे गंभीर पहलू 23 सितंबर 2026 का प्रशासनिक आदेश है। रिपोर्ट के अनुसार तत्कालीन छिंदवाड़ा औषधि निरीक्षक गौरव शर्मा को अक्टूबर 2025 में निलंबित किया गया था। बाद में उनके विरुद्ध औपचारिक आरोप-पत्र जारी हुआ और उनके जवाब को प्रथम दृष्टया संतोषजनक नहीं' पाए जाने के बाद फरवरी 2026 में विभागीय जांच संस्थित की गई। इसके बावजूद 23 सितंबर 2026 के आदेश से उन्हें निलंबन से बहाल कर जिला गुना में पदस्थ कर दिया गया, जबकि विभागीय जांच के निष्कर्ष अभी लंबित थे। पटवारी ने सरकार से सीधा सवाल किया कि जब जवाब संतोषजनक नहीं था, जब विभागीय जांच जारी थी, तो बहाली की इतनी जल्दी क्यों थी? क्या 24 मासूम बच्चों की मौत के बाद भी सरकारी जवाबदेही इतनी कमजोर है कि जांच पूरी होने से पहले ही अधिकारी को दूसरी जगह पदस्थ किया जा सकता है? उन्होंने कहा कि सरकार को प्रदेश की जनता को यह बताना चाहिए कि इस बहाली का आधार क्या था और क्या इस फैसले में पीड़ित परिवारों के न्याय के हितों को ध्यान में रखा गया?

निलंबन सिर्फ दिखावा था या कार्रवाई?

पटवारी ने कहा कि रिपोर्ट के अनुसार त्रासदी के बाद कई अधिकारियों पर कार्रवाई की गई थी। छिंदवाड़ा और जबलपुर के औषधि निरीक्षकों को निलंबित किया गया, खाद्य एवं औषधि प्रशासन के उप संचालक को निलंबित किया गया और तत्कालीन ड्रग कंट्रोलर को पद से हटाकर स्थानांतरित किया गया। साथ ही स्क्वॉड गठित कर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की गई। उन्होंने कहा कि अगर सरकार ने शुरुआती स्तर पर इतनी गंभीर कार्रवाई की थी, तो आज सवाल यह है कि उस कार्रवाई का अंतिम परिणाम क्या हुआ?

सरकार बताए कि निलंबन के बाद क्या हुआ? विभागीय जांच कहां पहुंची? किस अधिकारी की जवाबदेही तय हुई? और किसके खिलाफ अंतिम कार्रवाई हुई?

सरकार बताए—जिम्मेदारी किसकी है?

- 24 मासूम बच्चों की मौत के लिए प्रशासनिक जवाबदेही किसकी है?
- संदिग्ध दवा बाजार तक कैसे पहुंची?
- समय रहते नमूने क्यों नहीं लिए गए?
- जिम्मेदार अधिकारियों की विभागीय जांच का अंतिम परिणाम क्या है?
- जांच लंबित रहते अधिकारी की बहाली क्यों की गई?
- प्रदेश में फर्जी फर्मों और नशीली कफ सिरप के नेटवर्क पर निगरानी क्यों नहीं हुई?
- औषधि निरीक्षकों के खाली पद कब भरे जाएंगे?
- दवा परीक्षण प्रयोगशालाओं को आधुनिक संसाधन कब मिलेंगे?

पटवारी ने कहा कि मध्य प्रदेश के उन परिवारों के दर्द को सरकार सिर्फ आंकड़ों में न बदले, जिन्होंने अपने मासूम बच्चे खोए हैं। सरकार के लिए यह एक केस फाइल हो सकती है, लेकिन मां-बाप के लिए यह उनकी पूरी जिंदगी का सबसे बड़ा दुख है। उनके बच्चे वापस नहीं आ सकते, लेकिन कम से कम उन्हें यह भरोसा तो मिलना चाहिए कि उनके बच्चे की मौत के लिए जिम्मेदार व्यवस्था और लोगों की जवाबदेही तय होगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस इस मुद्दे पर पीड़ित परिवारों की आवाज उठाती रहेगी और सरकार से पारदर्शी जांच, स्पष्ट जवाबदेही और दोषियों पर कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की मांग करती रहेगी। श्री पटवारी ने कहा मध्य प्रदेश की जनता को ऐसी व्यवस्था चाहिए जहां दवा खरीदते समय माता-पिता को यह डर न लगे कि इलाज के नाम पर उनके बच्चे की जिंदगी खतरे में पड़ सकती है। सरकार की पहली जिम्मेदारी सत्ता बचाना नहीं, प्रदेश के बच्चों की जिंदगी बचाना है।

टीएमसी विधायक कुणाल घोष की कार पर अंडों और पत्थरों से हमला

कोलकाता । पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) नेता और विधायक कुणाल घोष की कार पर तब पथराव और अंडों से हमला किया गया, जब वहां पार्टी सुप्रीमो और पूर्व सीएम ममता बनर्जी की श्रीरामपुर में होने वाली रैली में शामिल होने जा रहे थे। यह हिंसक घटना उत्तरपारा इलाके में घटी, जहां काले झंडे लिए हुए प्रदर्शनकारियों के समूह ने उनकी गाड़ी को घेरकर गो बैक के नारे लगाए। सामने आए वीडियो फुटेज में दिख रहा है कि प्रदर्शनकारियों ने कार के चारों ओर जमा होकर लगातार अंडे और पत्थर बरसाए, जिससे वाहन के शीशों को काफी नुकसान पहुंचा है। घटना के बाद प्रतिक्रिया देकर कुणाल घोष ने इस घटना को खुला जंगल राज करार दिया। उन्होंने कहा कि हमलावरों ने सड़क को पूरी तरह ब्लॉक कर दिया था और मौके पर पुलिस का कोई नामोनिशान नहीं था। उन्होंने कोलकाता लौटकर सीधे पुलिस मुख्यालय में इसकी औपचारिक शिकायत दर्ज करने की बात कही।

एमपी में फॉर्मर आईडी के बिना नहीं होगी धान की खरीद

- गड़बड़ी रोकने खसरे का आधार से लिंक करवाना अनिवार्य

भोपाल। प्रदेश में किसानों से इस बार 45 लाख टन धान का उपार्जन किया जाना है। इसके लिए पंजीयन प्रारंभ हो गया है। यह 15 अक्टूबर तक चलेगा। एक नवंबर के बाद उपार्जन प्रारंभ हो सकता है। इस बार फार्मर आईडी के बिना किसानों से धान का उपार्जन नहीं किया जाएगा। यह कदम इसलिए उठाया गया है क्योंकि पिछली बार राजगढ़, भिंड, मुरैना सहित अन्य जिलों से यह शिकायत आई थी कि ऑपरेटरों ने किसानों के पंजीयन में उन खसरों को भी जोड़ दिया, जो उनके नहीं थे। इसमें फर्जीवाड़ा की आशंका जताई गई थी। इसे देखते हुए पंजीयन में फार्मर आईडी को अनिवार्य किया है।

आधार से लिंक फार्मर आईडी अनिवार्य

प्रदेश में हर बार यह शिकायत सामने आती थी कि जिन किसानों ने धान या गेहूं बोया ही नहीं लेकिन उनके खसरे भी पंजीयन में जोड़ दिए गए और उपज का विक्रय भी हो गया। इसमें गड़बड़ी की आशंका बनी रहती थी। दरअसल, फार्मर आईडी में किसान के खसरे का उल्लेख रहता है, यह आधार से लिंक होता है। इस व्यवस्था से पंजीयन में ऑपरेटर अपने स्तर पर खसरा शामिल नहीं कर पाएगा। इसके साथ ही यह व्यवस्था भी बनाई जा रही है कि प्रत्येक किसान के रकबा का 100 प्रतिशत सत्यापन करना होगा।

1.13 करोड़ से अधिक फार्मर आईडी तैयार

कई बार खातेदार अलग होने से समस्या आती थी। बटाईदार, सिकमी, वनभूमि के काश्तकारों के लिए यह व्यवस्था अनिवार्य थी लेकिन अब इसका विस्तार किया गया है। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों का कहना है कि प्रदेश में इस वर्ष जुलाई की स्थिति में 1,13,53,326 फार्मर आईडी बन चुके हैं।

एमपी से पहले आरोपी यूपी के सीएम को भी दे चुका है धमकी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को डायल-112 पर जान से मारने की धमकी देने के मामले में पुलिस ने मुंबई से आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, आरोपी का इरादा मुख्यमंत्री को नुकसान पहुंचाने का नहीं, बल्कि अपने पिता को फंसाने और गिरफ्तार करवाने का था। हालांकि पुलिस आरोपी से आगे की पूछताछ कर रही है। जानकारी के अनुसार मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव को डायल-112 वॉट्सऐप नंबर के ज़रिए जान से मारने की धमकी दी गई थी। यह धमकी भरा मैसेज 23 सितंबर को सुबह करीब 11:30 बजे मिला था। बाद में आरोपी ने मैसेज को डिलीट करने से पहले उसे दो बार एडिट किया था। हालांकि, डायल-112 के कर्मचारियों ने मैसेज का स्क्रीनशॉट ले लिया। इसके बाद पुलिस में शिकायत की गई। तकनीकी जांच में हाथ लगे सुरागो के आधार पर क्राइम ब्रांच ने आरोपी की लोकेशन ट्रैस कर उसे मुंबई से गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार शुरुआती जॉच में सामने आया है की आरोपी मध्य प्रदेश के बुरहानपुर का रहने वाला है, और वह अपने पिता से परेशान चल रहा था। उसे लगा कि मुख्यमंत्री को धमकी भरा संदेश भेजने से पुलिस उसके पिता के खिलाफ कार्रवाई करेगी। और उसके पिता की गिरफ्तारी हो जाएगी। पुलिस के मुताबिक, आरोपी को पहले भी बिना रेलवे टिकट यात्रा करने के आरोप में पकड़ा जा चुका है। उसे भोपाल लाया गया है, और उससे आगे की पूछताछ की जा रही है। सूत्रो के मुताबिक आरोपी इससे पहले भी उत्तर प्रदेश के सीएम को भी धमकी दे चुका है। पुलिस से बचने के लिये आरोपी चोरी के मोबाइल से धमकी देता था। अपना नाम और पहचान छिपाने के लिये उसने मुंबई में कैटरिंग संचालक का फोन चोरी किया था।

रील बनाना इन्फ्लुएंसर को पड़ा महंगा, चोरों ने एक करोड़ का माल उड़ाया

परिवार गया था शॉपिंग करने दरवाजा तोड़कर घर में घुसे चोर

नई दिल्ली। कन्याकुमारी की सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर मधुमिता को अपनी ऑनलाइन चमक-धमक दिखाना महंगा पड़ गया। यूट्यूब और इंस्टाग्राम पर सक्रिय मधुमिता, जो अपनी रील्स में अक्सर सोने के गहने, नकदी और परिवार की शान-ओ-शौकत दिखाती थीं, अब चोरी का शिकार हो गई हैं। यह घटना नागरकोइल के पास थामाथुकोनम इलाके की है, जहां उनके पति विनोद कुमार कारोबारी हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक गुरुवार को परिवार खरीदारी करने बाहर गया था। जब वे लौटे, तो घर का मंजर देखकर दंग रह गए। बेडरूम की अलमारी टूटी थी और उसमें रखे करीब 120 सॉवरेन सोने के गहने, डायमंड ज्वेलरी और पचास हजार रुपए नकद गायब थे। चोरी हुए सामान की कुल कीमत करीब एक करोड़ बताई जा रही है। परिवार ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। शुरुआती जांच में सामने आया कि चोर पीछे का दरवाजा तोड़कर घर में घुसे। पुलिस अब मधुमिता की इंस्टाग्राम रील्स और अन्य सोशल मीडिया पोस्ट को खंगाल रही है।

जांच अधिकारियों के मुताबिक उनकी कई पोस्ट में घर में मौजूद महंगे गहने और नकदी साफ दिखाई देती थी। वह कभी बच्चों पर नोट बरसाती नजर आती थीं, तो कभी परिवार की हर महीने सोना खरीदने की बात करती थीं। इसके अलावा उनकी कुछ पोस्ट में परिवार के बाहर जाने, खरीदारी करने और घूमने की जानकारी भी होती थी। पुलिस को शक है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए ही परिवार की गतिविधियों पर नजर रखी और उन्हें पता चल गया कि घर कब खाली रहता है। गुरुवार शाम जब परिवार खरीदारी के लिए निकला, तो चोरों ने मौके का फायदा उठाया।

रिपोर्ट के मुताबिक मामले की जांच के लिए पांच विशेष टीमों का गठन किया गया है और एसपी ने भी घटनास्थल का दौरा किया है। यह पहला मामला नहीं है, जब सोशल मीडिया पर जानकारी साझा करने के कारण चोरी हुई है। इससे पहले मध्य प्रदेश के शिवपुरी की यूट्यूबर रचना गुर्जर के घर भी इसी तरह की घटना हुई थी, जहां चोरों ने उनके वीडियो देखकर घर का लेआउट और सीसीटीवी कैमरों की लोकेशन समझी थी। यह घटना सोशल मीडिया पर अपनी निजी जिंदगी और दौलत का दिखावा करने के खतरों को उजागर करती है, और याद दिलाती है कि ऑनलाइन साझा की गई हर जानकारी अपराधियों के लिए खुला निमंत्रण है।

एसीपी के घर चोरी के मामले में अब तक 71 लाख का माल जप्त

- भीलवाड़ा और उज्जैन से जप्त किये जेवरात

भोपाल। कोलार थाना इलाके में बीते दिनो एसीपी विजय कुमार दुबे के सूने मकान से लाखो रुपए का माल समेटने वाले बदमाशों से रिमांड के दौरान की गई पुलिस पूछताछ के बाद और कीमती जेवरात बरामद किये गये है। हालांकि आरोपियो ने पुलिस टीम को मुमराह करने का प्रयास किया। गिरफ्तारी के बाद आरोपियों ने चोरी का माल इंदौर सराफा बाजार में बेचने की कहानी सुनाई जो पुलिस तस्दीक में गलत निकली। इसके बाद सख्ती से की गई पूछताछ में आरोपियो ने अहम जानकारी दी जिसके आधार पर पुलिस ने राजस्थान के भीलवाड़ा और उज्जैन से करीब 46 लाख रुपए के सोने-चांदी के जेवर बरामद किए हैं। पुलिस अब तक करीब 71 लाख से अधिक का माल जब्त कर चुकी है। पुलिस के अनुसार, चारों आरोपियों को पहले गिरफ्तार कर करीब 25 लाख रुपए का माल बरामद किया था। इसके बाद पुलिस ने आरोपियों का दोबारा रिमांड पर लिया और चोरी के बाकी माल को लेकर पूछताछ की। आरोपी देवेंद्र गुर्जर उर्फ देवा ने पहले पुलिस को बताया कि उसने चोरी का सोना इंदौर सराफा बाजार में बेच दिया है। पुलिस ने जब वहॉ पहुंचकर तस्दीक की तो उसकी कहानी झूठी निकली। इसके बाद सख्ती से पूछताछ में उसने राजस्थान के भीलवाड़ा स्थित अपने गांव नेगडिया का खेड़ा में नाल छिपाना बताया। पुलिस टीम देवेंद्र को लेकर राजस्थान पहुंची। उसकी निशानदेही पर करीब 20 तोला सोने और 150 ग्राम चांदी के जेवर बरामद किए। इसी तरह रोहित पाल भी लगातार इंदौर सराफा में माल बेचने की कहानी बताकर पुलिस को गुमराह कर रहा था। उसकी कहानी भी झूठी निकली कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने मक्सी रोड उज्जैन बस स्टैंड के पीछे माल छिपाना बताया। पुलिस ने वहां से करीब 10 तोला सोना और 150 अम 150 ग्राम चांदी के जेवर बरामद किए। हालिया बरामदगी में करीब 30 तोला सोना और 300 ग्राम चांदी के जेवर शामिल हैं, जिनकी कीमत करीब 46 लाख रुपए है। करीब 400 ग्राम सोना, 500 ग्राम चांदी, 1.76 लाख रुपए नकद स्विफ्ट कार, आईफोन और महंगे मोबइल समेत करीब 71 लाख रुपए का माल बरामद हो चुका है।

दक्षिण सतपुड़ा
राजनीति | समाज | देशकाल
और गांव कनेक्शन की खबरें

पदमेश न्यूज़
शहर | समाज | गांव

बालाघाट एक्सप्रेस

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

आज खुलेंगे बैंक, कल से 3 दिनों तक लटके रहेंगे शाखाओं में ताले

5 दिन काम 2 दिन आराम की मांग को लेकर 28 से 30 सितंबर तक होंगी बैंकों में हड़ताल, बैंको की हड़ताल से प्रभावित होगा कामकाज, ऑनलाइन बैंको पर रहेगा दारो-मदार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। यदि आपका भी कोई बैंक खाता है और आप बैंक जाकर पैसो के लेन देन व बैंक सम्बंधित अन्य कोई काम कराना चाहते है तो यह खबर आपके लिए है।क्योकिबैंक कर्मचारियों ने वर्षो से लंबित अपनी विभिन्न सूत्रीय मांगों को लेकर हड़ताल पर जाने का एलान किया है।जहा बैंक के अधिकारियों कर्मचारियों द्वारा 5 दिन काम 2 दिन आराम की प्रमुख मांग सहित अन्य मांगो को लेकर 3 दिनों की देशव्यापी हड़ताल का एलान किया है।जिसके मुताबिक रविवार को तो बैंक खुले रहेंगे लेकिन सोमवार 28 सितम्बर से लेकर बुधवार 30 सितम्बर तक बैंको में हड़ताल रहेगी।जिसका सीधा असर बैक के उपभोक्ताओं पर पड़ेगा।हालांकि की हड़ताल के दिनों में ऑनलाइन बैंकिंग की सुविधा शुरू रहेंगी।लेकिन बैंक से सम्बंधित अन्य कार्य नही हो सकेंगे।जिसकी तमाम जानकारी शनिवार को आयोजित एक बैठक के दौरान दी गई।

अपने वादे से मुकर रही सरकार

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्ववान पर आगामी 28 सितंबर से 30 सितंबर तक बैंककर्मी, कलम बंद हड़ताल पर रहेंगे। जिसका सीधा असर ना केवल बैंको के कामकाज पर पड़ेगा बल्कि इससे बैंकिय लेनदेन प्रभावित होने से बैंक ग्राहकों को भी परेशानी उठानी पड़ेगी।आगामी सोमवार से होने वाली 3 दिवसीय हड़ताल को लेकर शनिवार को संगठन प्रतिनिधियो ने बैठक की। दरअसल, बैंक कर्मचारी संगठनों की 5 दिवसीय वर्किंग-डे की मांग है। इसके अलावा अन्य मांगे भी है लेकिन संगठन प्रतिनिधियों का आरोप है कि सरकार, संगठनो से 5-डे वर्किंग की लिखित सहमति देने के बाद भी मुकर रही है।

बे-नतीजा निकली यूनियन और सरकार प्रतिनिधियों की बातचीत

यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के बैनर तले 28 से 30 सितंबर को राष्ट्रव्यापी हड़ताल का एलान किया गया है।बताया गया कि यूनियन की सरकार के प्रतिनिधियों के साथ पिछले दिनों हुई बातचीत बे-नतीजा निकली,जिसके चलते यूनियन के पास आंदोलन के अलावा दूसरा कोई रास्ता नहीं बचा है।यूनियन पदाधिकारियों का आरोप है कि बैंक में आपसी बातचीत और समझौतों के नियमों को नजरअंदाज किया जा रहा है,जिससे कर्मचारियों में नाराजगी है।इस आंदोलन में ऑल इंडिया बैंक एम्प्लॉइज एसोसिएशन, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स कॉन्फेडरेशन, नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ बैंक एम्प्लॉइज, ऑल इंडिया बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन, बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन ऑफ इंडिया, इंडियन नेशनल बैंक ऑफिसर्स कांग्रेस और इंडियन नेशनल बैंक एम्प्लॉइज फेडरेशन से जुड़े बैंक अधिकारी और कर्मचारी शामिल होंगे।

ऑनलाईन सेवा से, ग्राहकों को मिल सकती है राहत

3दिवसीय हड़ताल के चलते बैंको में ताले लटके रहेंगे। जिससे बैंकों का कार्य काफी हद तक प्रभावित रहेगा।हालांकि ग्राहकों को राहत देते हुए एटीएम, यूपीआई, नेट बैंकिंग, सहित अन्य ऑनलाइन सेवाएं चालू रहेंगी। केवल शाखाओं में होने वाले कार्य प्रभावित होंगे।नकद जमा-निकासी, पासबुक अपडेट, चेक क्लियरेंस और अन्य शाखा संबंधी सेवाएं नहीं मिल पाएंगी।

प्रत्येक शनिवार रविवार को मिले अवकाश

बताया गया कि मार्च 2024 में आईबीए (आईबीए) और यूएफबीयू के बीच हुए वेतन संशोधन समझौते में सभी शनिवारों को छुट्टी घोषित करने की प्रतिबद्धता जताई गई थी।लेकिन यह नियम बैंक कर्मचारियों पर अब तक लागू नही किया गया है।बैंक कर्मचारियों की मांग है कि 5 वर्किंग डे का नियम लागू हो, क्योकि उन्हें महीने में सिर्फ 2 शनिवार को छुट्टी मिलती है।उनकी मांग है कि इसे बढ़ाकर 2 दिन का साप्ताहिक अवकाश किया जाए।बताया गया कि आरबीआई, एलआईसी, जीआईसी,केंद्र व राज्य सरकार के कार्यालय, मुद्रा बाजार, शेयर, बाजार और नाबार्ड सहित अन्य संस्थानों में सप्ताह में 5 दिन काम हो रहे हैं।केंद्र और राज्य सरकार के कार्यालय भी शनिवार को बंद रहते हैं। ऐसे में उनकी मांग है कि उनके लिए भी 5 वर्किंग डे का नियम लागू हो।इसी प्रमुख मांग को मिलाकर अन्य मांगों के लिए भी 3 दिवसीय सामुहिक हड़ताल की जा रही है।

इन मांगों को पूरा करने की लगाई गुहार कर्मचारियों ने बैंकों में क्लेरिकल एवं सब-स्टाफ की पर्याप्त भर्ती करने, एनपीएस को पुरानी पेंशन (ओपीएस)में परिवर्तित करने,बैंकों द्वारा एनपीएस में किए जाने वाले अतिरिक्त 4 प्रतिशत योगदान को आयकर से मुक्त करने,ग्रेच्युटी अधिनियम के अंतर्गत ग्रेच्युटी की अधिकतम सीमा में वृद्धि किए जाने,पेंशन का अपडेशन करने,पेंशन पर समान डीएआई देने, नवंबर 2022 से पहले के पेंशनरों के लिए एक्स-ग्रेशिया में संशोधन करने,सभी निजी बैंकों में एक्स-ग्रेशिया देने,बैंकों में वर्कमैन एवं ऑफिसर डायरेक्टर के रिक्त पदों को तत्काल भरने, लीव बैंक की शुरुआत करने,सेवानिवृत्त कर्मचारियों की मेडिकल इंश्योरेंस पॉलिसी का प्रीमियम बैंकों द्वारा वहन किया जाने सहित अन्य मांगो को पूरी किए जाने की गुहार लगाई गई।

तो 26 अक्टूबर से होंगी अनिश्चितकालीन हड़ताल

यूनियंस ने बैंक कर्मचारियों एवं अधिकारियों के लिए सप्ताह में पांच दिन कार्यप्रणाली लागू करने सहित लंबित मांगों को लेकर आंदोलन का ऐलान किया है।जिन्होंने 28, 29 एवं 30 सितंबर को आंदोलनात्मक कार्यक्रम तथा मांगों का समाधान नहीं होने पर 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन बैंक हड़ताल की चेतावनी दी है।बताया गया की बैंक यूनियनों की प्रमुख मांग सभी शनिवारों को अवकाश घोषित कर 5-दिवसीय बैंकिंग सप्ताह लागू करने की है। यूनियनों के अनुसार मार्च 2024 के समझौते में शेष शनिवारों को अवकाश देने पर सहमति बनी थी। इसके बदले सोमवार से शुक्रवार तक प्रतिदिन 40 मिनट अतिरिक्त कार्य करने पर भी सहमति दी गई थी। यह प्रस्ताव वित्त मंत्रालय की मंजूरी के लिए भेजा गया, लेकिन लंबे समय से लंबित है।

यह सरकार, पूंजीवाद समर्थक सरकार है-सुलाखे

मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक ऑफिसर्स एसोसिएशन प्रदेश महासचिव लीलाधर सुलाखे ने बताया कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के आह्ववान पर बैंक कर्मचारियों और अधिकारियों के 7 संगठन सरकार से 5-डे वर्किंग की मांग कर रहे है, जो हमारी प्रमुख है, इससे पूर्व 11 सितंबर को भी बैंकर्मियों ने एक दिवसीय हड़ताल कर सरकार से मांग की थी लेकिन सरकार ने कोई ध्यान नहीं दिया। जिसके कारण सोमवार 28 सितंबर से सभी बैंक संगठन के कर्मी, तीन दिनों तक हड़ताल पर रहेंगे। इसके बाद भी यदि सरकार हमारी मांग नहीं मानती है तो आगामी 26 अक्टूबर से अनिश्चितकालीन हड़ताल की जाएगी। उन्होंने बताया कि यह सरकार पूंजीवाद समर्थक सरकार है, यही कारण है कि सरकार बैंको के निजीकरण करना चाह रही है।उन्होंने बताया कि 2015 और 2024 में हुए वेतन समझौते के बाद सरकार ने लिखित आश्वासन दिया था कि बैंक में 5-डे वर्किंग प्लान करेगी, लेकिन अब तक ऐसा नहीं हो सका। जबकि वित्त मंत्रालय से लेकर सभी केन्द्रीय विभागो और राज्य सरकारो में भी 5-डे वर्किंग है, लेकिन केवल बैंको में इसे लागु नहीं किया जा रहा है। जबकि बैंक कर्मचारी आश्वस्त कर चुके है कि यदि सरकार 5-डे वर्किंग लागु करती है तो वे प्रतिदिन 40 मिनट ज्यादा काम करेंगे।

एनसीसी में एडमिशन के बदले शारीरिक संबंध बनाने की मांग का आरोप

सहायक प्राध्यापक की जमानत खारिज-आरोपी को जेल भेजने के आदेश

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय बैहर में पदस्थ सहायक प्राध्यापक एवं एनसीसी प्रभारी डॉ. राजेन्द्र सिंह कुशराम के विरुद्ध दर्ज मामले में बैहर न्यायालय ने जमानत आवेदन निरस्त कर उन्हें जेल भेजने का आदेश दिया है। मामला थाना बैहर के अपराध क्रमांक 184/2026 से संबंधित है।जिसमें आरोपी के विरुद्ध धारा 75(2) बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।प्रकरण की सुनवाई माननीय न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी श्रीमती शिवानी असाटी बैहर के न्यायालय में हुई। न्यायालय ने प्रकरण की केस डायरी का अवलोकन करने के बाद आरोपी की ओर से प्रस्तुत जमानत आवेदन को निरस्त कर दिया। अभियोजन की ओर से सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नारायण धुर्वे ने पैरवी की।

पीड़िता ने थाने में दर्ज कराई थी शिकायत

अभियोजन पक्ष से मिली जानकारी के अनुसार शासकीय अरण्य भारती महाविद्यालय बैहर में एनसीसी में प्रवेश को लेकर एक छात्रा द्वारा थाना बैहर में लिखित शिकायत प्रस्तुत की गई थी। शिकायत में आरोप लगाया गया कि एनसीसी में एडमिशन के लिए सीट उपलब्ध नहीं होने की स्थिति में आरोपी द्वारा एडमिशन कराने के बदले कथित रूप से अनैतिक कार्य करने के लिए मोबाइल फोन पर संदेश भेजे गए तथा शारीरिक संबंध बनाने की मांग की गई।

मोबाइल संदेश और वॉयस रिकॉर्डिंग की जांच

शिकायत प्राप्त होने के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू की। अभियोजन के अनुसार पीड़िता द्वारा उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों के साथ-साथ वॉयस रिकॉर्डिंग की भी पुलिस ने जांच की। जांच के दौरान सामने आए तथ्यों एवं साक्ष्यों के आधार पर अभियोजन ने आरोपों की पुष्टि होने की बात न्यायालय के समक्ष रखी।इसके बाद पुलिस द्वारा मामले की केस डायरी तैयार कर न्यायालय में प्रस्तुत की गई। न्यायालय ने केस

डायरी में उपलब्ध तथ्यों एवं साक्ष्यों का अवलोकन किया।

न्यायालय ने जमानत आवेदन किया निरस्त

सुनवाई के दौरान अभियोजन पक्ष ने मामले की प्रकृति को गंभीर बताते हुए आरोपी को जमानत दिए जाने का विरोध किया। न्यायालय द्वारा केस डायरी का अवलोकन करने के बाद प्रकरण को गंभीर प्रकृति का माना गया और आरोपी की ओर से प्रस्तुत जमानत आवेदन को निरस्त कर दिया गया।जमानत आवेदन खारिज होने के बाद न्यायालय ने आरोपी डॉ. राजेन्द्र सिंह कुशराम को जेल भेजने का आदेश पारित किया। मामले में आगे की जांच और न्यायिक प्रक्रिया जारी है।अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी नारायण धुर्वे बैहर द्वारा की गई।

बालाघाट के सिद्धार्थ गेड़ाम का चयन

कर्नाटक में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगे

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के युवा सिद्धार्थ गेड़ाम का भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा एक भारत श्रेष्ठ भारत (ईबीएसबी) अभियान के अंतर्गत आयोजित ईबीएसबी युवा संगम फेज-VII के लिए चयन हुआ है। इस चरण में मध्यप्रदेश और कर्नाटक के बीच युवा आदान-प्रदान कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। सिद्धार्थ इस कार्यक्रम में मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करते हुए कर्नाटक की यात्रा करेंगे। इस अवसर पर सिद्धार्थ गेड़ाम ने कहा, यह यात्रा मेरे लिए केवल एक राज्य से दूसरे राज्य की यात्रा नहीं है, बल्कि भारत की विविधता को करीब से समझने, विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं से परिचित होने तथा देश के अलग-अलग क्षेत्रों के युवाओं के साथ संवाद करने का अवसर है। मैं कर्नाटक से प्राप्त अनुभवों को अपने जिले के युवाओं के साथ साझा करने का प्रयास करूंगा। बालाघाट के युवा का राष्टीय स्तर के इस कार्यक्रम के लिए चयन जिले के युवाओं के लिए उत्साह और प्रेरणा का विषय है। नागरिकों एवं युवा वर्ग ने सिद्धार्थ गेड़ाम के चयन पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

चोरी के आरोपी को 3 वर्ष का कारावास, 200 रुपये अर्थदंड

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी अविनाश छारी की न्यायालय ने चोरी के मामले में आरोपी कुंदन पिता उत्तम बनोटे 26 वर्ष वार्ड क्रमांक 5 ग्राम बगदरा थाना ग्रामीण नवेगांव निवासी को दोषसिद्ध पाते हुए 3 वर्ष के साधारण कारावास और कुल 200 रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई है। अभियोजन के अनुसार फरियादी हरिदास चौरे ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 11 सितंबर 2024 को सुबह करीब 7 बजे वह अपनी पत्नी को इलाज के लिए नागपुर लेकर गया था। इस दौरान घर का पिछला दरवाजा भूलवश खुला रह गया। 12 सितंबर की रात करीब 8:30 बजे घर लौटने पर फरियादी ने देखा कि घर के सामने के गेट और दरवाजे का ताला खोलकर अंदर जाने पर पिछला दरवाजा खुला था। घर में रखी अलमारी का दरवाजा भी खुला मिला और सामान बिखरा हुआ था।अलमारी में रखे सोने के आभूषण, जिनमें मंगलसूत्र, डोरले, अंगूठियां, झाले, कनछड़ी, टॉप्स और हाथ का कंगन सहित चांदी की पायल आदि गायब मिले। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना भरवेली पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की।विवेचना पूरी होने के बाद आरोपी के विरुद्ध प्रथम दृष्टया मामला प्रमाणित पाए जाने पर न्यायालय में अभियोग पत्र प्रस्तुत किया गया। न्यायालय में विचारण के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों के आधार पर आरोपी को भारतीय न्याय संहिता की धारा 305(क) के तहत 3 वर्ष का साधारण कारावास एवं 100 रुपये अर्थदंड तथा धारा 331(3) के तहत 3 वर्ष का साधारण कारावास एवं 100 रुपये अर्थदंड से दंडित किया गया।अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला अभियोजन अधिकारी देवेंद्र ढेहरिया ने की। उन्हें सहायक संचालक अभियोजन कपिल कुमार ढेहरिया का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :**9425138710**, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट